

'इतनी तो इज्जत कर...' सलमान खान ने आईआईएफए 2027 में फिर लगाई पैपराजी की क्लास

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 33
न्यूनतम - 22

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 295 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शनिवार 24 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 14 विक्रमी संवत ● पृष्ठ12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

100 मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की तैयारी में सपा और कांग्रेस

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत तेज होने के संकेत हैं। दोनों दलों के बीच गठबंधन की सीटों पर सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है। इसी बीच करीब 100 मुस्लिम उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारने की रणनीति को लेकर भी चर्चा है। हालांकि, इस संबंध में दोनों दलों की ओर से किसी अंतिम फैसले की आधिकारिक पुष्टि



नहीं दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, सपा और कांग्रेस की रणनीति मुस्लिम बहुल पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर आम सहमति से उम्मीदवार तय करने की हो सकती है। इसके पीछे बसपा, आजाद समाज पार्टी (आसपा) और एआईएमआईएम जैसी पार्टियों की संभावित सेंध को रोकने और इंडिया गठबंधन के समर्थन को बनाए रखने की रणनीति बताई जा रही है।

सीट बंटवारे पर सपा-कांग्रेस के बीच अलग-अलग दावे- गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों दलों की प्राथमिकताएं अलग-अलग बताई जा रही हैं। कांग्रेस की ओर से करीब 170 सीटों की मांग किए जाने की चर्चा है, जबकि सपा खेमे की ओर से कांग्रेस को 85 से 87 सीटें देने की बात सामने आ रही है। हालांकि, सीटों की संख्या को लेकर अभी अंतिम सहमति नहीं बनी है।

अमिताभ-दिलजीत को धमकी,मुंबई मेयर को आया ईमेल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की मेयर को शुक्रवार को एक धमकी भरा ईमेल मिला है। ईमेल में मेयर के कार्यालय को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। इसके अलावा, बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के मुंबई में होने वाले इंडिया टूर कार्यक्रम और को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मुंबई मेयर रितु तावड़े को भेजे गए धमकी भरे ईमेल में अमिताभ बच्चन के जलसा बंगले पर बम हमले की धमकी दी गई है। भेजने वाले का दावा है कि यह हमला 1984 के ऑपरेशन



ब्लू स्टार का बदला होगा। धमकी में कहा गया है कि 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच कभी भी बंगले को निशाना बनाया जा सकता है। इसी मेल में गायक दिलजीत दोसांझ को भी धमकी दी गई है। मेल भेजने वाले ने खालिस्तान-समर्थक नारों का इस्तेमाल किया और 1984 के सिख-विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि ये हमले उन लोगों के खिलाफ बदला लेने के लिए किए जा रहे हैं, जिन पर सिख समुदाय को निशाना बनाने का आरोप है। ईमेल भेजने वाले की पहचान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मुंबई पुलिस ने मामले में कहा कि बीएमसी कार्यालय को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच की गई है, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। आगे की जांच जारी है।

यूरोप का दूसरा बड़ा हथियार सप्लायर बना भारत

● रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से 8000 करोड़ का सौदा ● गोला-बारूद सप्लाई, एक्सपोर्ट 1600 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत वैश्विक हथियार निर्यातक के रूप में उभरा है। ट्रेड डेटा मॉनिटर के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने यूरोपीय देशों को 8,271 करोड़ रुपए के गोला-बारूद सप्लाई किए, जिनमें आर्टिलरी और मोर्टार शेल शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी और मध्य यूरोप को भारत का रक्षा निर्यात 1600 फीसदी बढ़ा है। भारत अब दक्षिण कोरिया के बाद इस क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा गोला-बारूद सप्लायर है। चार साल पहले 28वें स्थान पर था। वहीं, मार्च 2026 तक भारत इजराइल को विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन के पुर्जे सप्लाई करने वाला तीसरा सबसे बड़ा विदेशी आपूर्तिकर्ता बन गया, जो 2023 में नौवें स्थान पर था।

भारत के पास बड़ी डिफेंस



इंडस्ट्री, यूरोप को जरूरत- हथियारों के व्यापार पर रिसर्च करने वाली स्वीडन की संस्था सिपरी के सीनियर रिसर्चर सिमोन वेजमैन का कहना है कि यूक्रेन की जरूरतों और यूरोप की रक्षा मांगों को पूरा करने के लिए भारत से हथियार इम्पोर्ट किए जा रहे हैं। भारत के पास इसका एक विकसित रक्षा उद्योग है। वहीं, किंग्स कॉलेज लंदन में राजनीति विज्ञानी वॉल्टर लाडविग कहते हैं कि भारतीय कंपनियां सीधे यूक्रेन को हथियार देने के बजाय यूरोपीय देशों को बेच रही हैं। भारत का रक्षा उद्योग एक तरफ यूरोप और यूक्रेन के सहयोगियों को गोला-बारूद की आपूर्ति कर रहा है, तो दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में इजराइल की सैन्य जरूरतों को भी बड़े पैमाने पर पूरा कर रहा है। मार्च 2026 तक पिछले दो साल में भारत ने इजराइल को करीब 630 करोड़ रु. मूल्य के आर्टिलरी शेल, मोर्टार राउंड और विस्फोटक भेजे। यह इससे पहले के 6 साल के कुल निर्यात के बराबर है। रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है।

यूएनएससी में पुरानी व्यवस्था से अब नहीं चल पाएगा काम

● भारत ने की तत्काल सुधार की मांग,पी-5 देशों को चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की मांग की है। भारत ने चेतावनी दी है कि 80 साल पुराना इसका ढांचा दुनिया के कुछ सबसे गंभीर संघर्षों को सुलझाने में संघर्ष कर रहा है। नई दिल्ली का कहना है कि सुरक्षा परिषद का स्वरूप आज की वैश्विक वास्तविकताओं के हिसाब से होना चाहिए। भारत का तर्क है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बना इसका ढांचा अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता है। समाचार एजेंसी के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथनेनी ने गुरुवार को कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध से मिली सत्ता, सुरक्षा परिषद में उचित प्रतिनिधित्व की कमी की भरपाई नहीं कर सकती। आपको बता दें कि भारत पिछले कई वर्षों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करता रहा है लेकिन वीटो पावर वाले देश ऐसा होने देना नहीं चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान प्रतिनिधित्व और सुरक्षा परिषद के विस्तार पर बोलते हुए भारतीय दूत पर्वथनेनी ने कहा इसके नतीजे पहले ही सामने आ रहे हैं। 80 साल बीत जाने के बाद भी यह संगठन सुरक्षा परिषद के सामने मौजूद कुछ सबसे गंभीर संघर्षों में शांति और सुलह कराने में संघर्ष कर रहा है। पिछले दिनों पूर्व भारतीय राजदूत ने भी पक्ष रखा था।



देश में समाज को बांटने वाली ताकतें हैं सक्रिय

● पीएम मोदी बोले-इनसे निपटने के लिए एकजुट होना बेहद जरूरी ● अमृत महोत्सव में स्वामी चिन्मयानंद के थ्री-डी अवतार से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में चिन्मय अमृत महोत्सव का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सामाजिक बुराइयों से निपटने और बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। पीएम ने कहा- दशकों में समय बदला है, नई चुनौतियां सामने आई हैं और नई सामाजिक बुराइयां पैदा हुई हैं। आज, इन समस्याओं को सुलझाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने आगे कहा,हमें समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होना होगा, आत्मनिर्भर बनने के लिए लोगों प्रेरित करना होगा, हर व्यक्ति को 2047 तक विकसित भारत के विजन से जोड़ना होगा। इस दौरान, पीएम ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोबॉट से



बात की। यह ऐसी तकनीक है जो एक वास्तविक दिखने वाले 3 डी होलोग्राफिक डिजिटल इंसान को पेश करती है। पीएम ने कहा कि होलोग्राम एक ऐसी 3 डी तकनीक है, जिसमें किसी व्यक्ति या वस्तु की तस्वीर असली जैसी दिखाई देती है और उसे अलग-अलग एंगल से देखने का एहसास होता है। चिन्मय मिशन का तीन दिन का कार्यक्रम 23 से 25 अक्टूबर तक चलेगा। चिन्मय मिशन के 75 साल पूरे होने पर सालभर से देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम हुए थे।

नई शिक्षा नीति में संस्कृति के साथ टेक्नोलॉजी सिखा रहे- 2015 में मुझे स्वामी जी की स्मृति में एक सिक्का जारी करने का मौका मिला था। मैंने कहा था कि स्वामी जी का जीवन एक प्रतीक है। उनके गुरु ने उन्हें आशीर्वाद दिया था- गो, रोर लाइक अ लॉयन यानी जाओ, शेर की तरह दहाड़ो। अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। ये भारत के संकल्प की असली ताकत है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं।

मोदी ने कहा- देश ऋषियों-राष्ट्रभक्तों की राह पर

मोदी ने कहा- जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, जब चिन्मय मिशन भी 100 साल पूरे करेगा। यानी विकसित भारत और चिन्मय मिशन का रास्ता एक है। एक समय भारत से बहुत सी मूर्तियां चोरी कर विदेश ले जाई गईं। हम पिछले 12 साल में ऐसी 600 मूर्तियां वापस लाए हैं। देश अब उस राह पर आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना हमारे ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था। अब चिन्मय मिशन का अमृत महोत्सव भी भारत के अमृत काल से जुड़ रहा है। हमारे वेदों में लिखा है- राष्ट्र का हित चाहने वाले हम लोग राष्ट्र को महान बनाएं। बीते दशकों में समय बदला है। देश के सामने नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आज उसके समाधान का काम हम सबके सामने है। आज हमें आत्मनिर्भरता के लिए देश को जागरुक करना है।

देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट से हटाए सॉफ्टवेयर

● अब नई रूसी हार्डवेयर तकनीक का किया जाएगा इस्तेमाल ● 10 साल में 2 बड़े साइबर अटैक हुए थे,अब बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूक्लियर प्लांट्स में सॉफ्टवेयर क्रैश और साइबर हमलों के खतरों से बचने के लिए भारत में नई तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया जा रहा है। रूस में बनी यह हार्डवेयर-आधारित तकनीक फिलहाल तमिलनाडु में स्थित देश के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में लगाई जा रही है। रूसी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम ने हाल ही में कुडनकुलम परमाणु बिजली संयंत्र के लिए नई तकनीक पर आधारित सुरक्षा उपकरण के करीब 300 सेट भेजे हैं। यह आपात स्थिति में बिना माइक्रोप्रोसेसर और एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के काम करती है। इनका मकसद सॉफ्टवेयर पर निर्भरता घटाना है, ताकि साइबर हमले या कोई गड़बड़ी होने पर भी सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित न हो। सभी जरूरी जांच पूरी होने के बाद इन्हें यूनिट 3 और 4 की सुरक्षा व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। कुडनकुलम की पहली दो इकाइयों के संचालन से मिले अनुभवों को ध्यान में रखकर नई इकाइयों के लिए सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर व माइक्रोप्रोसेसरों में कोडिंग में बग आ जाए, ऑपरेटिंग सिस्टम क्रैश हो जाए या तकनीकी दिक्कत पर सुरक्षा सिग्नलों का प्रोसेसिंग रुकने का खतरा है।



एलएसी पर बड़े पैमाने पर बन रहे हैं भूमिगत बंकर

चीन सीमा पर तनाव के बीच आईटीबीपी की बड़ी तैयारी

हर बटालियन में ड्रोन प्लाटून तैनात,'स्ट्राइक' पाठ्यक्रम भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) ने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपनी सभी सीमा बटालियनों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं। बल ने गलवन जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए 'स्ट्राइक' नामक नया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी तैयार किया है। ये कदम भारत के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी चीन का मुकाबला करने के लिए उठाए जा रहे हैं। आईटीबीपी के महानिदेशक (डीजी) शत्रुजीत सिंह कपूर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राजस्थान के अलवर स्थित बल के एक केंद्र में आयोजित अलंकरण समारोह के दौरान जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति को देखते



हुए पारंपरिक युद्ध रणनीतियों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। चीन को भारत का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी बताते हुए उन्होंने आधुनिक हथियारों, ड्रोन, ड्रोन-रोधी प्रणालियों और सीमा चौकियों के आधुनिकीकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन एक बड़ी चुनौती भी बन गए हैं और अवसर भी। ड्रोन ऐसी तकनीक हैं, जिनके जरिए एक छोटा देश भी बड़े देश को कड़ी टक्कर दे सकता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के साथ युद्ध में हर महीने रूस के करीब 10 हजार सैनिक मारे जा रहे हैं।

बांग्लादेश की जेलों में फंसे 250 भारतीय कैदी

● कई की सजा पूरी फिर भी कैद से नहीं मिली राहत ● नागरिकता साबित नहीं होने से वापसी अभी अटकी



नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की जेलों में 238 भारतीय कैदी बंद हैं। इनमें 168 ऐसे हैं, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है, लेकिन वे अब तक भारत नहीं लौट पाए हैं। इनमें से कई कैदियों की भारतीय नागरिकता साबित नहीं हुई है। बांग्लादेश सरकार ने करीब 120 कैदियों की सूची भारत को भेजी और कहा कि ये लोग भारतीय हैं। लेकिन भारतीय हाई कमीशन के मुताबिक, सूची में ज्यादातर कैदियों की जानकारी अधूरी है। बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, वहां 15 देशों के कम से कम 407 विदेशी कैदी बंद हैं। इनमें सबसे ज्यादा भारतीय हैं। हालांकि, ढाका में कमीशन के एक अधिकारी ने अखबार को बताया कि अब तक सिर्फ 25 ऐसे भारतीय कैदियों की पहचान हो पाई है,जो सजा पूरी कर चुके हैं।

पटना से पूर्णिया का सफर अब सिर्फ 3 घंटे में!

● 29 प्रखंडों में 20 नदियों पर पुल के साथ बिहार का पहला एक्सप्रेस-वे ● पीएम मोदी 20 नवंबर को करेंगे बिहार के पहले एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। बिहार के बुनियादी ढांचे को नई पहचान देने के लिए केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य को अपना पहला नेशनल एक्सप्रेस-वे (एनएच-9) मिलने जा रहा है, जिसका शिलान्यास 20 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

कुल 31,987 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला ये 245 किलोमीटर लंबा 6-लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे राज्य के परिवहन और व्यापार की तस्वीर



बदल देगा। वर्तमान में पटना से पूर्णिया जाने में जहां 8 से 9 घंटे का लंबा समय लगता है, वहीं इस रूट के बनने के बाद गाड़ियां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी और यह दूरी केवल 3 घंटे में पूरी हो जाएगी।

31,987 करोड़ की सौगात का आगाज- केंद्र सरकार की ओर से इस साल की शुरुआत में नेशनल एक्सप्रेस-वे घोषित किए गए एनएच-9 परियोजना का जमीनी निर्माण 12,052 करोड़ रुपये में होगा। ये मार्ग वैशाली के मीरनगर से शुरू होकर समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और मधेपुरा होते हुए पूर्णिया के चंद भट्ठी तक जाएगा। ये सीधे पटना रिंग रोड से जुड़ेगा और समस्तीपुर, सहरसा और मधेपुरा के जिला मुख्यालयों को जोड़ेगा।

- **नदियों पर पुल और रूट का खाका-** एक्सप्रेस-वे के लिए 6 जिलों (वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा और पूर्णिया) के 29 प्रखंडों में भूमि अधिग्रहण का काम तेजी से जारी है। इस हाईवे के निर्माण में बागमती, कमला, कोसी, बूढ़ी गंडक जैसी प्रमुख 20 नदियों पर नए पुलों का निर्माण किया जाएगा। हाजीपुर, रोसड़ा, सिमरी बख्तियारपुर, बिहारीगंज और धमदाहा समेत 18 शहरों और कस्बों को इससे सीधी पहुंच मिलेगी, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क नेटवर्क नहीं, बल्कि उत्तर बिहार, कोसी और सीमांचल के सामाजिक-आर्थिक कायाकल्प की लाइफलाइन साबित होगा। इसके शुरू होने से स्थानीय किसानों को अपनी फसल और कृषि उत्पाद बड़े बाजारों तक तुरंत पहुंचाने में मदद मिलेगी। उद्योग, व्यापार, फास्ट हेल्थ सर्विस और रोजगार के नए अवसरों के द्वार खुलने से यह कॉरिडोर पूरे क्षेत्र की समृद्धि का मुख्य आधार बनेगा।

पुंछ में सेना ने 7 संदिग्ध आईईडी किए बरामद

● लाइट मशीन गन की मैगजीन भी मिली, जांच जारी

पुंछ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सेना ने तलाशी अभियान के दौरान 7 संदिग्ध आईईडी और 7.62 मिमी लाइट मशीन गन की मैगजीन बरामद की। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, खुफिया जानकारी मिलने के बाद 156 टेरिटोरियल आर्मी और 37 राष्ट्रीय राइफल्स ने कासबलारी गांव के पास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान भूरे टेप से लिपटे 6 कंटेनर, नीले टेप से लिपटा 1 कंटेनर और एक संदिग्ध मैगजीन कंटेनर मिला। इसके अलावा एक काला बैग, कॉम्बैट पाउच, पावर अडैप्टर, बिजली का



स्रोत, एल्यूमिनियम कंटेनर और टिफिन भी मिला। वहीं, बारामूला में सुरक्षाबलों ने 22 अक्टूबर को 2 संदिग्ध आतंकी मददगारों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से तुर्की में बनी कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और 2 आईईडी मिले थे।

अनमोल वचन

परम पिता परमात्मा से की जाने वाली प्रार्थना, उपासना को ईश्वर आत्मसात तभी करेगा जब प्रतिदिन प्रातः सायं इन क्रियाओं को आत्मानुसार। कायिक रूप से मन को यह याद दिला सकते हो कि मैंने ही पाप किये हैं, ये पाप अनजाने में अधिक मेरे द्वारा हो गये हैं। अतः ऐसे भावों से प्रार्थना, पश्चाताप नहीं स्वीकारेगा किन्तु इसकी आराधना जब आप करने बैठोगे तो पापों का प्रभाव दूर होने लगेगा एवं सद्बुद्धि के पश्चात पवित्रता का आभास होना प्रारम्भ हो जायेगा। शनैः शनैः प्रार्थना की शक्ति बढ़ने लगेगी। कोई अमूर्त रूप या छवि आपके सामने आ सकती है तो आपको यह स्पष्ट होगा जब मन उस परम शक्ति की ओर जाने की अथवा बनना चाहोगे। इसके पहले आपको प्रायश्चित करना होगा। प्रभु से क्षमा माँगते हुए उन पापों को न करने का संकल्प करना होगा। कुछ परोपकार तथा सेवा के कार्य करने होंगे। इस बात को भूलें कि आप तत्काल सन्त-महात्मा बन सकते हैं। ईश्वर भक्ति में यदि मन लगाये रहो शनैः-शनैः दुर्बलताएँ समाप्त होती जायेंगी। इच्छा शक्ति सुदृढ़ होती जायेगी और आप लक्ष्य की ओर बढ़ते जायेंगे

प्रॉपर्टी कब्जाने का आरोप, पहले रखी भगवान की मूर्ति फिर खंडित करने का दावा; फर्जी मुकदमों के विरोध में एसएसपी ऑफिस पहुंचे ग्रामीण

मेरठ। प्रॉपर्टी पर कब्जे को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पहले भगवान की मूर्ति रखी गई और बाद में उसे खंडित कर दिया गया। इसके साथ ही ग्रामीणों ने फर्जी मुकदमों में फंसाने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि प्रॉपर्टी विवाद में उन्हें परेशान किया जा रहा है। अब मामले में पुलिस जांच और अधिकारियों की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

रामराज क्षेत्र की चुहापुर गौशाला में छह गोवंशों की मौत, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

रामराज। चुहापुर स्थित गौशाला में लापरवाही के चलते छह गोवंशों की मौत के मामले में रामराज पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी गोशाला प्रबन्धक राहुल यादव पुत्र रामकिशन यादव निवासी गौशाला चुहापुर फरीदपुर, थाना रामराज, जनपद मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया है।



बताया गया कि गौशाला में गोवंशों की देखभाल में कथित रूप से लापरवाही बरती गई, जिसके चलते छह गोवंशों की मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपी राहुल यादव के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया। थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही ने बताया कि मामले में आरोपी राहुल यादव पुत्र रामकिशन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस की कार्रवाई के बाद गौशाला में गोवंशों की देखभाल और व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर लोगों ने गौशालाओं में गोवंशों के लिए उचित चारा, पानी और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

गढ़ी मुझेडा सादात में पागल कुत्ते का आतंक, तीन मासूम बच्चों पर हमला कर किया घायल

मीरापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ी मुझ-डा सादात में शुक्रवार दोपहर पागल कुत्ते ने तीन मासूम बच्चों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। परिजन घायल बच्चों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जानसठ लेकर पहुंचे, जहां एक बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

शुक्रवार दोपहर गांव में घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर अचानक एक पागल कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने अलशिफा और अलीना सहित तीन बच्चों को काटकर घायल कर दिया। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा किसी तरह कुत्ते से बच्चों को बचाया। इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जानसठ पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने एक बच्ची की हालत चिंताजनक देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया, जबकि दो बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में काफी समय से आवारा कुत्ते घूम रहे हैं, लेकिन उन्हें पकड़ने के लिए अब तक कोई अभियान नहीं चलाया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर आवारा कुत्तों को पकड़वाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इस संबंध में ग्राम प्रधान मुझेडा इश्तियाक अहमद ने बताया कि गांव में आवारा कुत्तों को पकड़वाने के लिए प्रशासन को पत्र भेजा जाएगा। जल्द ही अभियान शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा, जिससे ग्रामीणों को इस समस्या से राहत मिल सके।

सेंट जेवियर्स मीरापुर में अंतर-विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

मीरापुर। सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल मीरापुर के प्रांगण में एक दिवसीय अंतर-विद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल मीरापुर, सेंट जेवियर्स वर्ल्ड स्कूल सरधना तथा शांति निकेतन विद्या पीठ मेरठ की टीमों ने विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिभाग किया। खिला-ड़ियों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों का खूब उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा एवं लोकसभा प्रभारी गाजियाबाद विजय शुक्ला तथा विशिष्ट अतिथि जिला कोषाध्यक्ष भाजपा मानवेन्द्र शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से शालविक व शिवानी तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राजीव शर्मा भी उपस्थित रहे। राजीव



शर्मा ने खिलाड़ियों को खेल की बा-रीकियां बताते हुए खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। अंडर-14 वर्ग में शांति निकेतन विद्या पीठ मेरठ ने स्वर्ण, सेंट जेवियर्स सरधना ने रजत और मीरापुर ने कांस्य पदक जीता। अंडर-17 में सरधना ने स्वर्ण, मीरापुर ने रजत तथा शांति निकेतन ने कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-19 में सरधना ए टीम ने स्वर्ण, सरधना बी ने रजत और मीरापुर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। समापन पर विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य सजी वर्गीस ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, शिक्षकों व कर्मचारियों का आभार जताया। राष्ट्रगान के साथ प्रतियोगिता का समापन हुआ।

भगवान राम के राजतिलक के साथ रामलीला का समापन, कलाकारों को किया सम्मानित

मीरापुर। श्रीरामलीला समिति रजिस्ट-र्ड मीरापुर के तत्वावधान में रामलीला भवन में एक पखवाड़े से चल रही रामलीला का समापन भगवान श्रीराम के राजतिलक और भव्य आरती के साथ किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए और कलाकारों के अभिनय की जमकर सराहना की।



रामलीला भवन में 7 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक उत्तर भारत के प्रसिद्ध दुर्गा मंडल सरधना के कलाकारों द्वारा रामलीला के साथ-साथ राजा हरिश्चंद्र और रूप बसंत नाटक का भव्य मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नगरवासियों ने पूरे आयोजन के दौरान कलाकारों के प्रदर्शन की सराहना की। समापन समारोह में भगवान श्रीराम का राजतिलक किया गया। इसके बाद भव्य आरती के साथ रामलीला का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर दुर्गा मंडल के कलाकारों के साथ रामलीला समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत कलाकारों, समिति पदाधिकारियों, समाजसेवियों और मीडिया सेंटर के पदाधिकारियों के लिए सहभोज का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष दीपक गोयल, रोहित महेश्वरी, अनिरुद्ध गोयल, गौरव भटनागर, सिद्धार्थ राजवंशी, वेद प्र-काश आर्य, अनिरुद्ध शारदा, मोहित गुप्ता, मनोज मिश्रा, रविंद्र चैधरी, सुभाष चैधरी, देवेंद्र, सुनील भटनागर, सुभाष कंबोज, रमन, आशीष, पार्थ गोयल, वरदान गोयल, राघव, विनीत, दीपचंद, पंकज गंगपुरी और मिंटू चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्नातक में 60.35 और शिक्षक सीट पर 64 प्रतिशत हुआ मतदान

बुढ़ाना। कस्बे के ब्लॉक परिसर में शुक्रवार को स्नातक एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए मतदान कराया गया। मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह दिखाई दिया। मतदान केंद्र पर स्नातक सीट के लिए तीन और शिक्षक सीट के लिए एक बूथ बनाया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मतदान केंद्र पर पुलिस बल तैनात रहा। स्नातक सीट के तीन बूथों पर कुल 681 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 411 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार स्नातक सीट पर 60.35 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं, शिक्षक



सीट के लिए कुल 150 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 96 मतदाताओं ने वोट डाले। शिक्षक सीट पर कुल 64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल मौजूद रहा और मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

मीरापुर में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ विधान परिषद चुनाव का मतदान, स्नातक सीट पर 60 और शिक्षक सीट पर 78 प्रतिशत वोटिंग

मीरापुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव के तहत मीरापुर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। नगर पंचायत मीरापुर स्थित मतदान केंद्र पर स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सीट के लिए मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान संपन्न होने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली।



विधान परिषद चुनाव के लिए मीरापुर नगर पंचायत कार्यालय को मतदान केंद्र बनाया गया था। यहां स्नातक और शिक्-ाक सीट के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई थी। स्नातक सीट पर कुल 248 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 146 मतदाताओं ने मतदान किया। इस प्रकार स्नातक सीट पर लगभग 59 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं शिक्षक सीट पर पंजीकृत 84 मतदाताओं में से 66 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे मतदान प्रतिशत लगभग 79 रहा। मतदान के दौरान पुलिस प्रशासन और जिला स्तर के अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बूथ के आसपास पुलिसकर्मी तैनात रहे। पूरे मतदान के दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। स्नातक सीट पर आठ और शिक्षक सीट पर दस प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। स्नातक सीट पर भाजपा के दिनेश गोयल और सपा के प्रमेन्द्र भाटी के बीच प्रमुख मुकाबला माना जा रहा था। वहीं शिक्षक सीट पर भाजपा के श्रीचंद शास्त्री और सपा के डॉ. नितिन कुमार के बीच मुकाबला रहा। उधर, ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं ने जानसठ विकासखंड में बनाए गए मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत महसूस की।

एमएलसी चुनाव में शिक्षक सीट पर 71.87 तो स्नातक सीट पर 59.76 प्रतिशत मतदान

किसान इंटर कॉलेज में सुबह आठ से शाम चार बजे तक हुई वोटिंग, डीएम और एसपी ने मतदान केंद्र का किया निरीक्षण

थानाभवन। एमएलसी स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के लिए शुक्रवार को थानाभवन के किसान इंटर कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ। शिक्षक सीट के मुकाबले स्नातक सीट पर मतदान प्रतिशत कम रहा। शिक्षक सीट पर 192 मतदाताओं में से 138 ने वोट डाले, जबकि स्नातक सीट पर 1198 मतदाताओं में से 716 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की आवाजाही बनी रही।

मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और शाम चार बजे तक चला। इससे पहले सुबह 7:30 बजे बूथ एजेंटों की प्रक्रिया पूरी कराई गई। स्नातक सीट पर सबसे पहला वोट आदेश कुमार शर्मा ने डाला। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और



पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एसडीएम ऊन एवं जोनल मजिस्ट्रेट दीपिका मेहर, सेक्टर ऑफिसर एवं कृषि अधिकारी प्रदीप यादव और थाना प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

दोपहर में जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने भी मतदान केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एमएलसी चुनाव में भाजपा की ओर से स्नातक सीट पर दिनेश गोयल और शिक्षक सीट पर श्रीचंद शर्मा मैदान में हैं। वहीं, सपा ने स्नातक सीट पर परविंदर सिंह भाटी और शिक्षक सीट पर नितिन तोमर को प्रत्याशी बनाया है। दोनों प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के बीच मुकाबले को लेकर राजनीतिक हलचल बनी हुई है। भाजपा प्रत्याशियों के लिए लगे पंडाल में भाजपा नेता राजेंद्र सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन गौतम,गन्ना समिति चेयरमैन राजेश राणा,आनंद पुंडीर, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष पवन तरार भूपेंद्र चौधरी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक कोरी, ठाकुर सोमवीर, ठाकुर प्रदीप गोगमा, राजेंद्र सिंह रोड, रविंद्र गोयल,बृजेश बाल्मिकी,प्रेमजी, सहकारी संघ अध्यक्ष महेश गोयल चक्रेश राणा पीयूष सैनी मेंनपाल सैनी आदि नेताओं ने पूरे दिन व्यवस्था संभाले रखी।पूर्वमंत्री सुरेश राणाभी लगभग दो घंटे तक भाजपा प्रत्याशियों के पंडाल में जमे रहे। और भाजपा नेताओं से मतदान की जानकारी ली वहीं दूसरी ओर सपा पंडाल में पूर्व ब्लाक प्रमुख शेर सिंह राणा ,विधायक किरण पाल कश्यप, वतन सैनी,मुकेश सैनी,राहुल सैनी ,जाबिर मलक, जाकिर राणा आदि ने सपा प्रत्याशियों के पक्ष में व्यवस्था को पूरे दिन संभाले रखा

नोटिस प्रकाशन सूचना

न्यायालय अपर आयुक्त (प्रशासन), सहारनपुर मण्डल, सहारनपुर।

अपील संख्या-सी 202509000000588 — **अन्तर्गत धारा-24(4) उ0प्र0 राजस्व संहिता, 2006 ग्राम मिमलाना परगना, तहसील व जिला मुजफ्फरनगर**

महबूब — बनाम — इरफान आदि

नोटिस बनाम

1-इरफान 2-अलीजान 3-गय्यूर 4-जान मोहम्मद पुत्रगण शेर अली 5-हसरत पुत्र खलील 6-श्रीमती आसिया पत्नी खलील 7-अशफाक 8-फुरकान 9-कुरबान पुत्रगण अलीशेर 10-श्रीमती सुरेशवती पत्नी नरेश 11-श्रीमती सुदेश पत्नी अनिल 12-मौ० रफी 13-मौ० सलीम पुत्रगण अब्दुल 14-मोबीन पुत्र शब्बीर 15-सदाकत अली पुत्र उमर मोहम्मद 16-मुस्तकीम पुत्र अली जान 17-यामीन पुत्र कासम अली निवासीगण ग्राम मिमलाना परगना, तहसील व जिला मुजफ्फरनगर 18-सलीम 19-मुरसलीन 20-फरमान 21-अबरार पुत्रगण मौ० जमील 22-उस्मान 23-मौ० अहसान 24-मौ० फुरकान 25-मौ० गुफरान पुत्रगण मौ० हनीफ 26-मौ० फरमान 27-नजाकत 28-रौनक 29-शाहदत्त 30-अरशद पुत्रगण लियाकत 31-श्रीमती संजीदा पत्नी लियाकत 32-सदाकत पुत्र उमर मोहम्मद 33-श्रीमती फरमूदी पत्नी नूर मोहम्मद 34-इरफान 35-इमरान 36-मौ० तेय्यब 37-अतीकुर्रहमान 38-माशाअल्लाह पुत्रगण नूर मोहम्मद 39-लुकमान पुत्र नूर मोहम्मद निवासीगण ग्राम फलावदा तहसील मवाना जिला मेरठ 40-भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा अध्यक्ष / ग्राम प्रधान, ग्राम मिमलाना परगना व तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर .....रेस्पोन्डेन्टगण।

प्रस्तुत अपील, अपीलार्थी महबूब पुत्र मौसम अली निवासी ग्राम मिमलाना परगना, तहसील व जिला मुजफ्फरनगर ने न्यायालय उप जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर वाद सं0-1907/2024 कं0 वाद सं0-टी 202409550101907 अन्तर्गत धारा-24 उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006, महबूब बनाम सुरेशवती आदि में पारित आदेश दिनांक 29-04-2024 के विरुद्ध अपील इस न्यायालय में योजित की गई है जिसमें आपको भी पक्षकार बनाया गया है, तथा इस अपील में दिनांक 26-10-2026 नियत है।

अतः इस नोटिस सूचना के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 26.10.2026 को प्रातः 10.00 बजे अपने अधिवक्ता सहित अपील में पैरवी हेतु न्यायालय में उपस्थित हों। यदि सूचना के बाद आप उपस्थित नहीं होते हैं तो यह समझा जाएगा कि आपको इस संबंध में कुछ नहीं कहना है, तथा न्यायालय द्वारा आदेश पारित किए जायेंगे।

दिनांकः 16-10-2026

आज्ञा से
अपर आयुक्त (प्रशासन)
सहारनपुर मंडल, सहारनपुर

लाला सुखलाल सनातन धर्म कन्या डिग्री कालेज (723)

पुरकाजी (मु० नगर) (माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त)

महाविद्यालय की स्वीकृत प्रशासन योजना के अनुसार प्रबन्ध समिति के पंचवर्षीय चुनाव की सूचना

शिक्षा प्रसार सभा कि साधारण सभा के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वर्तमान प्रबन्ध समिति का कार्यकाल समाप्त होने के कारण चुनाव हेतु प्रबन्ध समिति की बैठक की कार्यवाही का संज्ञान लेते हुए विश्व विद्यालय प्रशासन के पत्रांक 929/723/सम्ब0/MSU/2026-27 दिनांक 21-10-2026 द्वारा महाविद्यालय (लाला सुखलाल सनातन धर्म कन्या डिग्री कालेज, मु०नगर) की प्रबन्ध समिति का चुनाव कराने की अनुमति प्रदान की गई है। चुनाव अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार (प्रधानाचार्य बरला इंटर कॉलेज, बरला) को नियुक्त किया है, निम्नलिखित कार्य क्रमानुसार चुनाव प्रकिया सम्पन्न होनी निश्चित हुई है। मतदाता सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	दिनांक	दिन	समय
1	सूची का प्रकाशन आपत्ति एवं निराकरण एवं संशोधित सूची	03.11.2026	मगलवार	प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक
2	नामांकन पत्रो का भरा जाना	04.11.2026	बुधवार	प्रातः 10 बजे से 03 बजे तक
3	नामांकन पत्रो की जाँच व प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन	05.11.2026	बृहस्पतिवार	10 बजे से 03 बजे तक
4	नामांकन पत्रों की आपत्तियों का निराकरण	05.11.2026	बृहस्पतिवार	10 बजे से 03 बजे तक
5	नामांकन पत्रो का वापस लेना	05.11.2026	बृहस्पतिवार	10 बजे से 03 बजे तक
6	प्रत्याशियों की अन्तिम सूची का प्रकाशन	05.11.2026	बृहस्पतिवार	10 बजे से 03 बजे तक
7	चुनाव	06.11.2026	शुक्रवार	10 बजे से 01 बजे तक
8	मतगणना एवं परिणाम	06.11.2026	शुक्रवार	01 बजे से 03 बजे तक

आवश्यक टिप्पणी

1- उपर्युक्त सभी कार्यक्रम विद्यालय प्रांगण में सम्पन्न होंगे।
2 -नामांकन विद्यालय से प्राप्त किए जा सकते है।
3 -नामांकन पत्र वापिस लेने का प्रार्थना पत्र और आपत्तियों के पत्र चुनाव अधिकारी को देकर रसीद प्राप्त कर लें।
4 -निर्वाचन गुप्त मतदान प्रणाली से होगा।
5 -निर्वाचन, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रवन्धक, उपप्रवन्धक, कोषाध्यक्ष तथा 7 सदस्यों का किया जायेगा। सभी साधारण सभा के सदस्यों में से चुने जायेंगे।
6 मतदान के तुरन्त बाद मतगणना होगी तथा उसी दिन परिणाम घोषित कर दिये जायेंगे।

अनूप कुमार गोयल — **अध्यक्ष**
डॉ० संदीप वर्मा — **सचिव**

गृह मंत्री अमित शाह ज्योतिषी की दुकान खोल लें—गुरजीत सिंह औजला

शामली । शामली पहुंचे अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अमित शाह को ज्योतिषी की दुकान खोल लेनी चाहिए। वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर उन्होंने सियासी हलचल तेज कर दी। औजला ने चीन की घुसपैठ, नीट पेपर लीक और पंजाब में नशाखोरी व अपराध के मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। साथ ही उन्होंने एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में ह्यवोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत विशाल सभा आयोजित करने का ऐलान किया। शामली में कांग्रेस स-ांसद गुरजीत सिंह औजला ने विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें ज्योतिषी की दुकान खोल लेनी चाहिए। औजला ने चीन की घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि क्या गृह मंत्री को इस बात की जानकारी नहीं है कि चीन भारतीय सीमा में कितना अंदर तक आ चुका है। नीट पेपर लीक मामले को लेकर भी कांग्रेस सांसद ने केंद्र सरकार की जवाबदेही पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से छात्रों के भविष्य पर गंभीर असर पड़ता है। औजला ने प्रभावित छात्रों की परेशानियों और आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार से जवाब मांगा।

वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हुए औजला ने चुनाव प्रक्रिया और वोट के अधिकार से जुड़े मुद्दे उठाए। उनके इस बयान से राजनीतिक विवाद बढ़ने की संभावना है। बाइटः गुरजीत सिंह औजला, कांग्रेस सांसद कांग्रेस सांसद ने घोषणा की कि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में ह्यवोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत विशाल सभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और मताधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी। इसके अलावा औजला ने पंजाब में नशाखोरी और अपराध की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने भाजपा पर देश के वीर सेनानियों के इतिहास से डरने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस सांसद के इन बयानों के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के आसार हैं।

MLC चुनाव में बीजेपी की जीत तय, विपक्ष से कोई मुकाबला नहीं: नंदकिशोर गुर्जर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने बीजेपी की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बीजेपी का कोई मुकाबला नहीं है और पार्टी रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करेगी। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि बीजेपी के सामने विपक्ष की ओर से कोई टक्कर नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन कायम है। बीजेपी सरकार ने विकास के क्षेत्र में व्यापक कार्य किए हैं, जिसका लाभ पार्टी को चुनाव में मिलेगा। विधायक ने कहा कि बीजेपी एक कैडर आधारित पार्टी है और उसका अपना मजबूत संगठनात्मक तंत्र है। उन्होंने दावा किया कि जनता प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति गहरा विश्वास और समर्थन रखती है। उन्होंने युवाओं का जिक्र करते हुए कहा कि असली ब्रह्मोस- ने भी एक रिकॉर्ड बनाने का काम किया है। नंदकिशोर गुर्जर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल और देश में अशांति फैलाने की कोशिश करने वाले तत्वों को यह चुनाव मुंहतोड़ जवाब देगा। विधायक के इस बयान के साथ ही एमएलसी चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी जहां अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है, वहीं चुनाव के नतीजे मतगणना के बाद ही स्पष्ट होंगे।

ईवीएम से चुनाव हो तो दिक्कत, बैलट पेपर से हो तो दिक्कत, ओपी राजभर ने अखिलेश पर कसा तंज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। एमएलसी चुनाव को लेकर उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव केवल हार का बहाना ढूंढ रहे हैं। ईवीएम से चुनाव हो तो भी आरोप लगाते हैं और बैलट पेपर से चुनाव होने पर भी सवाल उठाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करते हैं और यही उनकी फितरत है। वहीं, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने दावा किया कि एमएलसी चुनाव में सभी 11 सीटें भाजपा के खाते में जाएंगी और 2027 में प्रचंड बहुमत से एनडीए की ही सरकार बनेगी। राजभर ने कहा कि खुद रामगोपाल यादव ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और कटवाने की प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं करने के लिए सपा कार्यकताओं को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने अखिलेश से सवाल किया कि जब दोनों के बयान अलग हैं, तो सही किसे माना जाए? ऐसे में अखिलेश यादव को पहले अपनी पार्टी के भीतर उठे सवालों का जवाब देना चाहिए। एमएलसी चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का ट्रेलर बताते हुए राजभर ने दावा किया कि भाजपा जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि अखिलेश चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन नतीजे आने पर उन्हें जमीनी हकीकत का एहसास होता है। इस चुनाव के परिणाम से सपा की वास्तविक स्थिति का पता चल जाएगा।

मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन में ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर 6 कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश

गाज़ियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन को संपन्न कराने हेतु दिनांक 22 अक्टूबर, 2026 को इंग्राहम इंटर कॉलेज, हापुड़ चुंगी, गाजियाबाद से पोलिंग पार्टियों की रवानगी की गई। इस दौरान निर्वाचन ड्यूटी से संबंधित कुल 6 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।



अनुपस्थित कर्मचारियों में पीठासीन अधिकारी के रूप में राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त पंकज कुमार सिंह एवं राहुल कुमार, मतदान अधिकारी प्रथम के रूप में बेसिक शिक्षा विभाग के अमित कश्यप एवं अनिल कुमार तथा मतदान अधिकारी तृतीय के रूप में लोक निर्माण विभाग के कुंवर पाल सिंह एवं अनुज कुमार शामिल हैं। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में कर्मचारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रविंद्र कुमार मॉदड़ ने संबंधित अनुपस्थित कर्मचारियों की एक वेतनवृद्धि रोकने तथा उनके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की स-ंगत धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराने के आदेश जारी किए हैं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शनिवार 24 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



मुजफ्फरनगर में एमएलसी चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, स्नातक में 45.46 और शिक्षक वर्ग में 65.49 प्रतिशत मतदान

जिले के 13 मतदान केंद्रों के 56 मतदेय स्थलों पर मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग, पर्यवेक्षक राजशेखर, डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी सूरज कुमार राय ने दिनभर किया निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मेरठ खंड स्नातक एवं मेरठ खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव-2026 का मतदान जनपद में शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हो गया। जिले के 13 मतदान केंद्रों पर बनाए गए 56 मतदेय स्थलों पर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन के दौरान जनपद में स्नातक वर्ग में 45.46 प्रतिशत और शिक्षक वर्ग में 65.49 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को मिलाकर कुल मतदान लगभग 55.47 प्रतिशत रहा। मतदान प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह आठ बजे शुरू हुई। इसके बाद मतदाताओं ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर वोट डाले। प्रशासन की ओर से मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। पूरे निर्वाचन के दौरान सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी गई।

शिक्षक वर्ग में स्नातक से अधिक मतदान

जनपद में जारी अंतिम मतदान आंकड़ों के अनुसार, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 65.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 45.46 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार शिक्षक वर्ग में स्नातक वर्ग की तुलना में 20.03 प्रतिशत अंक अधिक मतदान दर्ज किया गया। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान प्रतिशत को मिलाकर जनपद में कुल मतदान लगभग 55.47 प्रतिशत रहा। मतदान के ये आंकड़े दोनों वर्गों के मतदाताओं की भागीदारी को दशार्ते हैं।

सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर रही विशेष निगरानी

निर्वाचन के दौरान जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी। पर्यवेक्षक, जिलाधिकारी



एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने मतदान प्रक्रिया के साथ-साथ आदर्श आचार संहिता के अनुपालन की भी समीक्षा की। किसी भी स्थिति से निपटने और निर्वाचन संबंधी सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए जनपद मुख्यालय पर स्थापित नियंत्रण कक्ष से भी लगातार संपर्क बनाए रखा गया। नियंत्रण कक्ष से भी रखी गई निगरानी मतदान प्रक्रिया के दौरान जनपद मुख्यालय पर बनाए गए नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भी निर्वाचन संबंधी गतिविधियों पर नजर रखी गई। भ्रमणशील अधिकारियों ने नियंत्रण कक्ष से संपर्क बनाए रखते हुए मतदान केंद्रों की स्थिति और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इसका उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखना और किसी भी समस्या की स्थिति में समय रहते आवश्यक कदम उठाना था। स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान संपन्न होने पर प्रशासन ने ली राहत

मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के तहत जनपद में मतदान निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। सभी 13 मतदान केंद्रों और 56 मतदेय स्थलों पर मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने निर्वाचन व्यवस्था के सफल संचालन पर राहत की सांस ली। जिला प्रशासन की ओर से मतदान के दौरान सुरक्षा, कानून व्यवस्था और आदर्श आचार संहिता के अनुपालन पर लगातार ध्यान दिया गया। जनपद में स्नातक वर्ग में 45.46 प्रतिशत तथा शिक्षक वर्ग में 65.49 प्रतिशत मतदान दर्ज होने के साथ एमएलसी चुनाव की मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई।

स्नातक, शिक्षक एमएलसी प्रत्याशियों के लिये हुआ मतदान

मोरना। खंड विकास कार्यालय परिसर मोरना में शिक्षक व स्नातक विधान परिषद सदस्य प्रत्याशियों के लिए मतदान सकुशल व शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। मतदान में महिलाओं ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिया।

शुक्रवार को एमएलसी के लिए हुए मतदान में शिक्षकों के लिए एक बूथ बनाया गया जहां 192 मतों से कुल 146 वोट डाले गए।

स्नातक के लिये दो बूथ बनाये गए थे जिनमें बूथ संख्या 120 पर 392 में से 225 मत पड़े जिनमे 63 महिलाओं ने मतदान का प्रयोग किया।बूथ 121 पर 360 में से 200 मत डाले गये यहाँ 54 महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग किया। शिक्षक एमएलसी के दस प्रत्याशी मैदान में थे जिनमें भाजपा के श्रीचंद शर्मा व सपा के डॉ. नितिन तोमर सहित आठ निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में रहे



स्नातक में दिनेश गोयल भाजपा के प्रत्याशी व परमेन्द्र भाटी समाजवादी पार्टी तथा छः प्रत्याशी निर्दलीय मैदान में रहे। सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में राजीव राय तथा जानसठ तहसीलदार मोनिका चौहान व्यवस्थापक के रूप में रही सुरक्षा को लेकर सीओ भोपा राधा रमण सिंह तथा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

मतदान स्थल के पास भारतीय जनता पार्टी में समाजवादी पार्टी के कार्यालयो पर भारी भीड़ लगी रही। पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता कार्यालय पर भारी उत्साह के साथ मौजूद रहे जिनमें प्रमुख रूप से जिला पंचायत प्रशासक डॉक्टर वीरपाल निर्वाल ब्लॉक प्रमुख अनिल राठी, मंडल अध्यक्ष अरुणपाल, सतनाम नायक, रामकुमार शर्मा, वीरपाल सहरावत संजय कौरी,प्रीतम सिंह प्रधान,रविन्द्र बेनीवाल, समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष सादिक चौहान,रजनीश यादव,अजय चेयरमैन आदि मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव में भाजपा-सपा कार्यकर्ता भिड़े, डीएवी कॉलेज के गेट पर धक्का-मुक्की से मचा हड़कंप

राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल पर मतदान प्रभावित करने का आरोप; पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान की मौजूदगी के बीच सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी और भाजपा समर्थकों के बीच विवाद की चर्चा, डीएम उमेश मिश्रा पहुंचे मौके पर

मुजफ्फरनगर। स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव के मतदान के दौरान मुजफ्फरनगर में सियासी माहौल उस समय गरमा गया, जब डीएवी कॉलेज स्थित मतदान केंद्र के बाहर भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी से जुड़े नेताओं एवं कार्यकताओं के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की होने की सूचना सामने आई। मतदान केंद्र के गेट पर हुए इस घटनाक्रम से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के कार्यकताओं के आमने-सामने आने से मतदान केंद्र के बाहर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान और प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल डीएवी कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचे थे। इसी



दौरान समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जिया चौधरी भी अपने कार्यकताओं के साथ वहां मौजूद थे। मतदान केंद्र के बाहर दोनों दलों के नेताओं और समर्थकों के बीच विवाद होने की बात सामने आई है। मामला बढ़ने के साथ ही कॉलेज गेट पर धक्का-मुक्की की स्थिति बनी और चुनावी माहौल में राजनीतिक तनाव दिखाई देने लगा। इस घटनाक्रम ने एमएलसी चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर राजनीतिक दलों की सक्रियता, प्रवेश संबंधी नियमों के पालन और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने की व्यवस्था को चर्चा के केंद्र में ला दिया। हालांकि, विवाद के सभी पहलुओं और दोनों पक्षों की भूमिका को लेकर आधिकारिक स्तर पर पूरी जानकारी सामने आना अभी बाकी है। डीएवी कॉलेज के बाहर हुए विवाद के दौरान समाजवादी पार्टी की ओर से राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल पर मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया गया। सपा पक्ष ने मतदान केंद्र के अंदर लोगों के प्रवेश को लेकर आपत्ति जताई थी। आरोप लगाया गया कि मंत्री के साथ कई लोग मतदान केंद्र के अंदर गए। इसी मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ने की बात सामने आई।

कॉलेज गेट पर आमने-सामने आए भाजपा और सपा समर्थक

डीएवी कॉलेज के बाहर भाजपा और सपा से जुड़े नेताओं तथा कार्यकताओं की मौजूदगी के बीच विवाद बढ़ने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी के बाद धक्का-मुक्की की सूचना सामने आई। मतदान केंद्र के गेट पर हुए घटनाक्रम ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा और चुनावी गतिविधियों के बीच राजनीतिक तनातनी चर्चा का विषय बन गई।एमएलसी चुनाव में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता अपने प्रतिनिधियों के चयन के लिए मतदान कर रहे थे। ऐसे समय में मतदान केंद्र के बाहर राजनीतिक दलों के कार्यकताओं के बीच विवाद सामने आने से निष्पक्ष मतदान को लेकर सवाल उठने लगे। चुनाव में प्रत्येक मतदाता को स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिलना आवश्यक है। किसी भी तरह की राजनीतिक खींचतान से मतदान व्यवस्था प्रभावित न हो, यह प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती रहती है।

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान और राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल के मतदान केंद्र पहुंचने के साथ ही भाजपा नेताओं की मौजूदगी चर्चा में रही। दूसरी ओर, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी भी कार्यकताओं के साथ वहां पहुंचे थे। दोनों दलों के नेताओं और समर्थकों की मौजूदगी के दौरान विवाद सामने आने से मामला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया। एमएलसी चुनाव में भाजपा और सपा के बीच राजनीतिक मुकाबले को लेकर पहले से ही निगाहें लगी हुई थीं। ऐसे में मतदान के दौरान सामने आया यह घटनाक्रम दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का कारण बन गया।

अधिवक्ताओं की एकजुटता का प्रदर्शन, सुरक्षा और सम्मान के लिए निकाली पैदल यात्रा

कचहरी परिसर में गूंजा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने का मुद्दा, वकीलों ने सरकार से की ठोस पहल की मांग

मुजफ्फरनगर। अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान और पेशेवर स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दों को लेकर मुजफ्फरनगर में वकीलों ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर शुक्रवार शाम करीब पांच बजे कचहरी परिसर में पैदल अधिवक्ता एकता यात्रा निकाली गई। यात्रा के माध्यम से अधिवक्ताओं ने सरकार का ध्यान वकीलों के साथ होने वाली मारपीट, हमले और धमकी जैसी घटनाओं की ओर आकर्षित करते हुए उनकी सुरक्षा के लिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था बनाने की मांग उठाई। अधिवक्ताओं का कहना है कि वकील न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। वे न्यायालयों में आम नागरिकों के अधिकारों की पैरवी करते हैं और लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में यदि अधिवक्ताओं को ही अपने पेशेवर दायित्व निभाते समय सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहे, तो यह गंभीर विषय है। वकीलों ने कहा कि अधिवक्ताओं को निर्भीक होकर काम करने के लिए ऐसा कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए, जिससे उनके साथ होने वाली हिंसक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

पैदल अधिवक्ता एकता यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट



लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। अधिवक्ताओं का कहना है कि वकालत का पेशा सीधे तौर पर न्याय और नागरिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। इस पेशे में कार्यरत लोगों को कई बार विवादित मामलों में पक्षकारों की ओर से दबाव, धमकी या हमले जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट और प्रभावी कानूनी प्रावधान आवश्यक हैं। वकीलों ने मांग की कि सरकार इस विषय को गंभीरता से लेते हुए कानून लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं के खिलाफ होने वाली हिंसक घटनाओं में समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके और कानून के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत बना रहे। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्याय व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में वकीलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। वे न्यायालय में पीड़ितों, जरूरतमंदों और आम नागरिकों का पक्ष रखते हैं तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करते हैं।

ऐसे में अधिवक्ताओं की सुरक्षा को केवल किसी एक पेशे से जुड़ा मामला नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि इसे न्याय व्यवस्था की मजबूती से जोड़कर देखा जाना चाहिए। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि वे बिना किसी दबाव के अपने मुवक्किलों की पैरवी कर सकें। यदि किसी अधिवक्ता के साथ मारपीट या धमकी की घटना होती है, तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। वकीलों के मुताबिक, सुरक्षा के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था होने से ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिल सकती है।

जीपीएस और जियो-टैगिंग से खुलेंगी स्कूलों की सुरक्षा खामियां, मुजफ्फरनगर के 247 विद्यालयों का ऑडिट पूरा

हाईकोर्ट के आदेश पर 289 विद्यालयों की सुरक्षा जांच, नौ विशेष टीमें जुटा रहीं डिजिटल साक्ष्य, 42 राजकीय हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों में 28 अक्टूबर तक पूरी होगी प्रक्रिया

मुजफ्फरनगर। विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए जिले में डिजिटल तकनीक के माध्यम से स्कूल सेफ्टी ऑडिट अभियान चलाया जा रहा है। उच्च न्यायालय के आदेश पर संचालित इस अभियान के तहत मुजफ्फरनगर के 289 विद्यालयों में सुरक्षा मानकों की जांच की जा रही है। इनमें से 247 कंपोजिट विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों का ऑडिट पूरा हो चुका है, जबकि शेष 42 राजकीय हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों में जांच की प्रक्रिया 28 अक्टूबर तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। नौ विशेष टीमें मोबाइल ऐप, जीपीएस, जियो-टैगिंग और फोटो-वीडियो के माध्यम से साक्ष्य जुटाकर विद्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था का आकलन कर रही हैं।आठ सितंबर से चल रहा अभियान, डिजिटल माध्यम से हो रही निगरानी

जिले में स्कूल सेफ्टी ऑडिट अभियान की शुरूआत आठ सितंबर को की गई थी। मुख्य विकास अधिकारी, जिला



बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक की देखरेख में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य विद्यालयों में सुरक्षा से जुड़े मानकों की जांच करना और संभावित खामियों को चिह्नित करना है। निरीक्षण की प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए डिजिटल प्रणाली का इस्तेमाल किया जा रहा है। नौ विशेष टीमें निर्धारित मानकों के अनुसार विद्यालयों का निरीक्षण कर रही हैं। मोबाइल ऐप आधारित व्यवस्था के तहत जांच से संबंधित जानकारियां दर्ज की जा रही हैं। जीपीएस और जियो-टैगिंग से निरीक्षण स्थलों की पहचान की जा रही है, जबकि फोटो और वीडियो के जरिए मौके पर मौजूद व्यवस्थाओं के साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ऑनलाइन डैशबोर्ड के माध्यम से उच्चाधिकारी निरीक्षण की प्रगति पर वास्तविक समय में नजर रख रहे हैं। इससे अभियान के दौरान पूरे किए गए ऑडिट और लंबित विद्यालयों की स्थिति की निगरानी की जा रही है।स्कूल सेफ्टी ऑडिट में केवल विद्यालय परिसर का सामान्य निरीक्षण नहीं किया जा रहा, बल्कि भवनों की संरचनात्मक स्थिति और अग्नि सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं को भी जांच के दायरे में रखा गया है। इसके लिए टीमों में क्षेत्रीय लेखा परीक्षक, संरचनात्मक अभियंता और अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल किए गए हैं। विशेषज्ञ विद्यालय भवनों की मजबूती, सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं और अग्निशमन उपकरणों की कार्यक्षमता की पड़ताल कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को दर्ज कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है, ताकि संबंधित विद्यालयों में आवश्यक सुधार के लिए आगे की कार्रवाई की जा सके।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय पहुंचकर अधिकारियों ने लिया जायजा

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में चल रहे ऑडिट के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक गुलजार और जिला आईटी/एमआईएस शीजा खानम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया।

शिक्षक एवं स्नातक मतदान के बूथ कैंपों पर पहुंचे पूर्व विधायक विक्रम सिंह सैनी, कार्यकताओं से किया संवाद

खतौली। खतौली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जानसठ ब्लॉक, नगर पालिका परिषद खतौली एवं खतौली ब्लॉक में शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन के मतदान के दौरान स्थापित बूथ कैंपों पर निवर्तमान विधायक विक्रम सिंह सैनी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकताओं के साथ सहभागिता की और मतदान प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियों का जायजा लिया। पूर्व विधायक विक्रम सिंह सैनी ने कार्यकताओं से संवाद करते हुए संगठन की मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन कार्यकताओं की मेहनत, समर्पण और जनसेवा की भावना के बल पर लगातार मजबूत हो रहा है।



शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन में कार्यकताओं की सक्रियता संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और जिम्मेदारी को दशार्ती है। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण को प्राथमिकता देकर कार्य कर रही है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ युवाओं, किसानों, महिलाओं और आम नागरिकों के हितों की रक्षा करना है। विक्रम सिंह सैनी ने कार्यकताओं से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में जागरूक मतदाताओं और समर्पित कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस दौरान बूथ कैंपों पर मौजूद कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया। कार्यकताओं ने भी संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुजफ्फरनगर में एमएलसी चुनाव के लिए 56 बूथों पर हुआ मतदान, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने भी किया मतदान

स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में 16,966 मतदाता करेंगे प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला, शिक्षक सीट पर 10 प्रत्याशी मैदान में, शाम चार बजे तक चली वोटिंग

मुजफ्फरनगर। जिले में स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव को लेकर मतदान शुरू हुआ। मतदान केंद्रों पर सुबह आठ बजे से मतदाताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ। जिले में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए कुल 56 बूथ बनाए गए हैं, जहां मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग किया । मतदान शाम चार बजे तक चला। चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। मतदान केंद्रों पर व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है, जबकि अधिकारियों की नजर मतदान प्रक्रिया और मतदाताओं की भागीदारी पर बनी हुई है। एमएलसी चुनाव में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान और प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने भी डीएवी कॉलेज स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोनों नेताओं के मतदान करने के बीच अब जिले में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं की



भागीदारी को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। चुनाव में पंजीकृत मतदाता अपने प्रतिनिधि के चयन के लिए मतदान कर रहे हैं। खास बात यह है कि स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मतदाता सूचियां और मतदान व्यवस्थाएं निर्धारित की गई हैं। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए जिले में 13 मतदान केंद्रों पर 42 बूथ बनाए गए हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 13,741 मतदाता पंजीकृत हैं। इन मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचना है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मुकाबले काफी अधिक है, इसलिए इस सीट के मतदान प्रतिशत पर विशेष नजर रहेगी। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता अपने पसंदीदा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान कर रहे हैं। प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, जिससे मतदाताओं को वोट डालने में परेशानी न हो और चुनाव प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी कराई जा सके। मतदान केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही अधिकारियों का ध्यान चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर भी केंद्रित है।

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए जिले में 13 मतदान केंद्रों पर 14 बूथ बनाए गए हैं। इस सीट पर कुल 3,225 मतदाता पंजीकृत हैं। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। ऐसे में इस सीट के चुनाव को लेकर शिक्षकों और राजनीतिक हलकों में विशेष दिलचस्पी बनी हुई है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से कम है, लेकिन प्रत्याशियों की मौजूदगी के कारण इस सीट पर मुकाबले को लेकर चचाएं बनी हुई हैं। मतदान के माध्यम से मतदाता अपने प्रतिनिधि के चयन में भागीदारी कर रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना और परिणाम से ही प्रत्याशियों की स्थिति स्पष्ट होगी।दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के आंकड़ों पर नजर डालें तो जिले में कुल 16,966 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के 13,741 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 3,225 मतदाता शामिल हैं। इन सभी मतदाताओं के लिए कुल 26 मतदान केंद्रों पर 56 बूथों की व्यवस्था की गई है।

मकान के विवाद और कथित ब्लैकमेलिंग के आरोपों के बीच 50 वर्षीय बादल ठाकुर की मौत, परिवार ने मांगा इंसाफ

खांजापुर में घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला शव, बेटे का आरोप—15-20 दिनों से मानसिक तनाव में थे पिता, पैसे मांगने और झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देने के आरोप, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरनगर। शहर के खांजापुर इलाके में 50 वर्षीय बादल ठाकुर की मौत के बाद परिवार ने मकान के विवाद और कथित ब्लैकमेलिंग को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे परिजनों ने उन्हें घर के कमरे में फंदे पर लटका देखा। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक के बेटे ने आरोप लगाया कि उनके पिता पिछले 15 से 20 दिनों से मानसिक तनाव में थे। परिवार का दावा है कि मकान के विवाद को लेकर लगातार पैसों की मांग की जा रही थी और पैसे नहीं देने पर झूठे मामलों में फंसाने की धमकियां दी जा रही थीं। बेटे ने एक कथित फर्जी मीडियाकर्मी पर भी ब्लैकमेल कर रकम मांगने का आरोप



लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना और पुलिस जांच में इनकी सच्चाई सामने आना बाकी है।

खांजापुर निवासी बादल ठाकुर की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे जब उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो बादल ठाकुर फंदे पर लटके मिले। इस घटना के बाद परिवार के लोगों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद परिवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। बेटे का आरोप—कई दिनों से तनाव में थे पिता मृतक के बेटे करण ने बताया कि उनके पिता पिछले 15 से 20 दिनों से मानसिक तनाव में चल रहे थे। करण का आरोप है कि मकान को लेकर चल रहे विवाद के कारण परिवार पर दबाव बनाया जा रहा था।

उनके मुताबिक, इस विवाद में लगातार पैसों की मांग की जा रही थी और रकम नहीं देने पर झूठे मामलों में फंसाने की धमकियां दी जाती थीं। परिवार का कहना है कि मकान से जुड़ा विवाद उनके लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। बेटे ने आरोप लगाया कि इन परिस्थितियों के चलते उनके पिता तनाव में थे। हालांकि, पिता की मौत और कथित धमकियों के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। करण ने एक व्यक्ति पर, जिसे उन्होंने कथित फर्जी मीडियाकर्मी बताया, ब्लैकमेल कर पैसे मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। बेटे के अनुसार, रकम नहीं देने पर खबर चलाने की धमकी दी जाती थी। परिवार का आरोप है

संपादकीय

मणिपुर में तीन साल से हिंसा, आखिर कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला?

सवाल है कि सिर्फ मुख्य मुद्दे को संबोधित करके कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच संवाद के जरिए जिस समस्या का समाधान निकाला जा सकता था, उसकी आंच फैलती क्यों गई। मणिपुर में हिंसा की शुरुआत हुए तीन साल से ज्यादा गुजर जाने के बाद आज भी अगर उग्रवादियों के हमले जारी हैं और उसमें लोगों को जान गंवानी पड़ रही है, तो यह पूरी तरह सरकार की नाकामी है, मगर इसकी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। इस राज्य को ऐसे उदाहरण के तौर पर देखा जा सकता है, जहां सरकार और समूचे तंत्र की अदूरदर्शिता की वजह से दो अलग समुदायों के बीच टकराव खड़ा हुआ और वह निरंतर हिंसा के एक जटिल स्वरूप में तब्दील होता गया। आज भी हालत यह है कि हर कुछ दिनों बाद लोगों के मारे जाने या किसी गांव में घर खाक किए जाने की खबरें आ रही हैं।सोमवार को इंफाल पूर्वी और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर जंगल से जलावन की लकड़ियां इकट्ठा कर रहे सोलह लोगों के समूह पर उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें तीन की जान चली गई, कई घायल हो गए और कुछ लापता भी बताए जा रहे हैं। इसके बाद की औपचारिकता पूरी करने के लिए सरकार की ओर से समीक्षा बैठक बुलाई गई, घटना की कड़ी निंदा की गई और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए।विचित्र यह है कि मई, 2023 में जब पहली बार मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच तनाव एवं हिंसा की शुरुआत हुई थी, तब से इसकी निंदा करने या सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश देने में सरकार ने कोई कमी नहीं की, लेकिन वहां अब भी अलग-अलग समुदायों के बीच हिंसक टकराव की घटनाएं जारी हैं। बल्कि पहले मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से उपजा जो विवाद कुकी-जो के बीच सिमटा था, बाद में अलग कारणों से उसका दायरा नगा समुदाय तक भी फैल गया।सवाल है कि सिर्फ मुख्य मुद्दे को संबोधित करके कुकी-जो और मैतेई समुदायों के बीच संवाद के जरिए जिस समस्या का समाधान निकाला जा सकता था, उसकी आंच फैलती क्यों गई। इतने लंबे समय से हिंसक घटनाएं लगातार जारी हैं, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है और आज मणिपुर में जटिल हालात के लिए कौन जवाबदेह है?ऐसा लगता है कि मणिपुर को हिंसा के दुश्चक्र से बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं बची है और उसने परिस्थितियों के सामने समर्पण कर दिया है। वरना क्या कारण है कि राज्य और केंद्र सरकार के तंत्र की घोषित सक्रियता और सभी स्तरों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के बावजूद उग्रवादी समूहों के हमले और उनमें लोगों के मारे जाने की घटनाओं को रोकना संभव नहीं हो पा रहा है।

बड़ा संकट- मौसम की मार से खेती को बचाने की चुनौती

हालांकि, प्राकृतिक घटनाओं से होने वाला नुकसान केवल मौसम पर निर्भर नहीं करता। भूजल का अत्यधिक दोहन, जंगलों का क्षरण, अनियोजित निर्माण और जल निकासी की कमजोर व्यवस्था भी संकट को बढ़ाते हैं। बारिश का पानी यदि तेजी से बहकर निकल जाए, तो एक ओर जलभराव का खतरा बढ़ता है। दूसरी ओर भविष्य के लिए पानी संचित नहीं हो पाता। ऐसे में मौसम के साथ जल प्रबंधन की कमियों को दूर करना भी जरूरी है।



(विनोद पाठक)

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 15 अक्तूबर 2026 तक दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पूरे देश से हो चुकी है। इस वर्ष मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से लगभग 13 प्रतिशत कम रही। दूसरी ओर, दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून का दौर शुरू हो गया है, जो तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में खेती का भविष्य अब केवल मानसून की मेहरबानी पर निर्भर नहीं रह सकता। कभी बारिश की कमी खेतों को सुखा देती है तो कभी कुछ घंटों की मूसलाधार बारिश खड़ी फसल बर्बाद कर देती है। बाढ़, सूखा, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की बढ़ती चुनौतियों ने किसानों के सामने एक बुनियादी सवाल खड़ा कर दिया है, जब मौसम का मिजाज अनिश्चित है तो खेती को सुरक्षित कैसे बनाया जाए?

समस्या केवल पानी की कमी या अधिकता नहीं, बल्कि फसल की जरूरत के समय पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 15 अक्टूबर 2026 तक दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी पूरे देश से हो चुकी है। इस वर्ष मानसूनी बारिश दीर्घकालिक औसत से लगभग 13 प्रतिशत कम रही। दूसरी ओर, दक्षिण भारत में उत्तर-पूर्वी मानसून का दौर शुरू हो गया है, जो तमिलनाडु और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, राष्ट्रीय औसत से कम बारिश का अर्थ यह नहीं कि पूरा देश सूखे की चपेट में है। स्थिति का वास्तविक आकलन स्थानीय वर्षा, मिट्टी की नमी, जलाशयों और सिंचाई की उपलब्धता के आधार पर ही किया जा सकता है। फिर भी मानसून की कमी ने रबी की फसलों की तैयारी को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।

सिर्फ कम बारिश ही नहीं है चुनौती...: खेती के लिए बारिश की कुल मात्रा से अधिक उसका समय और वितरण मायने रखता है। बुआई के समय नमी न मिले, फसल की बढ़वार के दौरान लंबा शुष्क अंतराल पड़ जाए या कटाई के समय तेज बारिश हो जाए तो उत्पादन प्रभावित होना तय है। सामान्य से अधिक बारिश वाले साल में भी किसी इलाके में सूखे जैसी स्थिति बन सकती है, जबकि कम बारिश के बावजूद अचानक आई मूसलाधार वर्षा बाढ़ का कारण बन सकती है। इसलिए कृषि नियोजन में केवल मानसून के आंकड़ों के बजाय स्थानीय परिस्थितियों को प्राथमिकता देनी होगी।

जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान और बदलते वर्षा पैटर्न इस चुनौती को गंभीर बना रहे हैं। हालांकि, प्राकृतिक घटनाओं से होने वाला नुकसान केवल मौसम पर निर्भर नहीं करता। भूजल का अत्यधिक दोहन, जंगलों का क्षरण, अनियोजित निर्माण और जल निकासी की कमजोर व्यवस्था भी संकट को बढ़ाते हैं। बारिश का पानी यदि तेजी से बहकर निकल जाए, तो एक ओर जलभराव का खतरा बढ़ता है। दूसरी ओर भविष्य के लिए पानी संचित नहीं हो पाता। ऐसे में मौसम के साथ जल प्रबंधन की कमियों को दूर करना भी जरूरी है। मानसून की विदाई के बाद अब गेहूं, सरसों, चना और दूसरी रबी फसलों की तैयारी का समय है। कम बारिश वाले क्षेत्रों में किसानों को बुआई से पहले मिट्टी की नमी और सिंचाई के साधनों का आकलन करना होगा। पानी की कमी से फसल की बढ़वार प्रभावित हो सकती है, जबकि सिंचाई पर निर्भरता बढ़ने से बिजली, डीजल और अन्य लागतों का बोझ बढ़ेगा। सीमित संसाधनों वाले किसानों के लिए यह अतिरिक्त खर्च बड़ी परेशानी बन सकता है।

अलग-अलग राज्यों की अलग-अलग समस्याएं: राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में यह चुनौती विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, हालांकि राज्य के सभी जिलों की परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं। कहीं खेती बारिश पर निर्भर है तो कहीं भूजल सिंचाई का प्रमुख साधन है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के सिंचित क्षेत्रों में भी भूजल स्तर तथा पानी की उपलब्धता चिंता का विषय हैं। वहीं, दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में उत्तर-पूर्वी मानसून राहत दे सकता है। स्पष्ट है कि पूरे देश के लिए एक जैसी रणनीति के बजाय क्षेत्र विशेष की जरूरतों के अनुरूप कृषि योजना बनानी होगी।

इस अनिश्चितता की सबसे बड़ी कीमत छोटे और सीमांत किसानों को चुकानी पड़ती है। कृषि गणना 2015-16 के अनुसार देश की लगभग 86 प्रतिशत कृषि जोतें छोटी और सीमांत श्रेणी में थीं। सीमित जमीन और पूंजी के कारण इन किसानों के लिए फसल का नुकसान सहना कठिन होता है।

एक मौसम की मार से उनकी बचत खत्म हो सकती है और अगली बुआई के लिए कर्ज लेने की नौबत आ सकती है। इसलिए कृषि नीति का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसान को नुकसान से उबरने में सक्षम बनाना भी होना चाहिए।

फसल बीमा और सरकारी मुआवजा इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनका लाभ तभी है जब नुकसान का आकलन सही हो और भुगतान समय पर मिले। तकनीक से फसल क्षति का आकलन बेहतर बनाया जा सकता है, पर स्थानीय सत्यापन और शिकायत निवारण की व्यवस्था भी मजबूत करनी होगी। राहत का मकसद केवल तत्काल सहायता देना नहीं, बल्कि किसान को अगली फसल की तैयारी के लिए सक्षम बनाना होना चाहिए।

बाजार पर भी पड़ता है असर: खेती पर मौसम की मार का असर बाजार और आम उपभोक्ता तक भी पहुंचता है। उत्पादन घटने या आपूर्ति बाधित होने से खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, महंगाई के लिए केवल मानसून को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। परिवहन, भंडारण और बाजार की परिस्थितियां भी इसमें भूमिका निभाती हैं। फिर भी फसल की अनिश्चितता खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और कीमतों को स्थिर रखने की चुनौती बढ़ा सकती है। इसका बोझ विशेष रूप से उन परिवारों पर पड़ता है जिनकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। इस संकट का स्थायी समाधान पानी के बेहतर प्रबंधन से शुरू होना चाहिए। वर्षा जल संचयन, खेत तालाब, जलग्रहण क्षेत्र विकास और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देना जरूरी है। जहां परिस्थितियां अनुकूल हों, वहां टपक और फव्वारा सिंचाई जैसी तकनीकों से पानी का अधिक कुशल उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कम पानी की जरूरत वाली उपयुक्त फसलों को प्रोत्साहित करना और बाढ़ संभावित इलाकों में जल निकासी सुधारना आवश्यक है।

फसल विविधीकरण के तहत बाजरा, ज्वार, दालों और तिलहनों जैसी फसलों को बढ़ावा दिया जा सकता है, लेकिन किसानों को केवल पारंपरिक फसलों से हटने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है। वैकल्पिक फसलों के लिए बाजार, उचित मूल्य, भंडारण और प्रसंस्करण की सुविधाएं भी उपलब्ध करानी होंगी। इन व्यवस्थाओं के बिना किसान नई फसल अपनाने का जोखिम उठाने से हिचकेगा।

मौसम संबंधी पूर्वानुमान को खेत तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। किसानों को स्थानीय भाषा में समय पर ऐसी जानकारी मिलनी चाहिए, जिससे वे बुआई, सिंचाई, छिड़काव और कटाई के बारे में सही निर्णय ले सकें। कृषि विज्ञान केंद्रों, मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल से इस जानकारी का लाभ बढ़ाया जा सकता है। जिन किसानों तक डिजिटल माध्यमों की पहुंच सीमित है, उनके लिए स्थानीय स्तर पर सलाह और चेतावनी की व्यवस्था भी जरूरी है। खेती को सुरक्षित बनाने के लिए राहत योजनाओं से आगे बढ़कर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। कृषि अनुसंधान, मौसम के अनुकूल बीज, मिट्टी की नमी का संरक्षण, सिंचाई सुविधाएं और भरोसेमंद बीमा व्यवस्था एक साझा रणनीति का हिस्सा होने चाहिए। योजनाओं का लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि सबसे कम संसाधन रखने वाले किसान के लिए मौसम का जोखिम सबसे अधिक नुकसानदेह साबित होता है। मानसून की कमी और उत्तर-पूर्वी मानसून की शुरुआत दोनों इस बात की याद दिलाते हैं कि भारत की कृषि जरूरतें क्षेत्र के अनुसार बदलती हैं। कहीं पानी बचाना प्राथमिकता है, तो कहीं अतिरिक्त पानी से फसल की रक्षा करना। मौसम को नियंत्रित करना हमारे हाथ में नहीं, लेकिन उसके प्रभाव को कम करने की तैयारी जरूर की जा सकती है। किसान की मेहनत को केवल अनुकूल मौसम के भरोसे छोड़ना अब उचित नहीं है। जल संरक्षण, स्थानीय जरूरतों के अनुरूप फसल चयन, समय पर मौसम संबंधी जानकारी और प्रभावी बीमा व्यवस्था से खेती को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। कृषि नीति की असली कसौटी यही है कि मौसम चाहे जैसा हो, किसान अपनी फसल बचाने और अगली बुआई की तैयारी करने में कितना सक्षम है।

ट्रंप की गुंडागर्दी ने दुनिया की महंगाई बढ़ायी

आचार्य श्रीहरि

डोनाल्ड ट्रंप जैसा नमक हराम, दगाबाज, झूठा, पैंतरेबाज और अविश्वसनीय शासक दुनिया में खोजने से भी नहीं मिलेंगे, सुबह की अपनी बात को रात होते ही नकार देना, रात की अपनी बात को सुबह होते ही नकार देने की बेशर्मी सिर्फ और सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप ही दिखा सकता है, इस प्रसंग में वह दुनिया में अकेला शासक है। कब किसी देश का प्रशंसक हो जाएगा, कब किसी देश का विरोधी हो जाएगा, यह कहना मुश्किल है। दुनियां के जनमत में यह बात बैठी है कि डोनाल्ड ट्रंप से न दोस्ती अच्छी है और न ही दुश्मनी अच्छी है। दोस्ती में वह कब धोखा दे दे, यह कहना मुश्किल है, दुश्मनी तो उससे और भी खतरनाक है, उसके फरमान को न मानने वाले कमजोर देशों को तहस नहस कर देता है, अपने विरोधी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेता है, अपनी जेलों में डाल कर कैद कर लेता है। कनाडा की संप्रभुता को वह रौंदना चाहता है, कनाडा की संप्रभुता स्वतंत्र है, वह एक आजाद देश है फिर भी डोनाल्ड ट्रंप कहता है कि कनाडा को अमेरिका का प्रदेश बनाना ही पड़ेगा, अगर कनाडा अपना अस्तित्व संहार करने के लिए तैयार नहीं होता है, यानी कि वह अपना विलय अमेरिका में नहीं करना चाहता है तो हम उसे सबक सिखाएंगे, उसकी संप्रभुता को हम स्वयं संहार कर देंगे। ईरान को उसने कब्र बना दिया, आज ईरान के निर्दोष जिंदगियां आवश्यक सुविधाओं के अभाव में बेमौत मरने के लिए विवश है। भारत जैसे दुनियां का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भी डोनाल्ड ट्रंप की पैंतरेबाजी का शिकार है जबकि आतंकी देश पाकिस्तान को वह गले भी लगाता है, पाकिस्तान के खूंखार सेनापति मुनीर को अमेरिका आमंत्रित कर चरण वंदना करता है। वह अपने दोस्त और अमेरिका का हर समय साथ देने के लिए प्रेरित रहने वाले इस्राइल को भी दगा दे देता है और प्रतिरक्षा के लिए उसके हाथ बांध देता है, हमास और हिज्बुल्लाह पर कार्रवाई करने से इस्राइल को रोक देता है।

अभी अभी ट्रंप की नई दगाबाजी देखकर दुनिया हैरान है और परेशान है और यह सोचने के लिए विवश हुआ कि अपने हित के लिए किसी को भी वह बलि चढ़ाने से भी पीछे नहीं हटेगा। उसने अपने हित में यूक्रेन की बलि चढ़ाई है, उसके इस अपराध से करोड़ों लोगों की आजादी छीनेगी, करोड़ों लोगों पर हिंसा ग्राह बनेगी, बुनियादी सुविधाएं नष्ट होंगी, जिससे मानवता तड़पेगी, मानवता का संहार होगा। यूक्रेन के भविष्य और यूक्रेन की आजादी की कीमत पर ट्रंप ने अपने हित साधे है। ट्रंप की डीजल पेट्रोल कूटनीति यूक्रेन के काल बन गई और रूस के लिए वरदान बन गई। ब्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप ने डीजल पेट्रोल समझौता किया है। इस समझौते के अनुसार अमेरिका रूस से सस्ता डीजल पेट्रोल खरीदेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने डंके की चोट पर इस समझौते को सार्वजनिक किया है। उसने अपने बयान में कहा है कि रूस से सस्ता डीजल पेट्रोल खरीद कर अमेरिका अपने यहां महंगाई को थामेगा, महंगा डीजल और पेट्रोल से अमेरिका की अर्थव्यवस्था तबाह थी और अमेरिकी नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। रूस का राष्ट्रपति बहुत पैंतरेबाज है, वह दयावान नहीं है, वह भी ट्रंप की तरह ही पैंतरेबाजी में महारत है। उसने सस्ते डीजल और पेट्रोल देने की बहुत बड़ी कीमत भी वसूली है। उसने यूक्रेन पर घातक और अतिसंहारक हथियारों से हमला करने का अधिकार हासिल कर लिया, उसने अपने बर्बर और अमानवीय हमलों का अधिकार हासिल कर लिया, उसने यूक्रेन के बिजली घरों और तेल कारखानों पर हमले का भी अधिकार ले लिया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह अधिकार रूस को दे दिया। ट्रम ने पुतिन को कह दिया कि मुझे अपना हित अनिवार्य है, जरूरी है, भाड़ में जाए यूक्रेन, आप जैसा हमला करेंगे वैसा मुझे मंजूर है, हम विरोध नहीं करेंगे, कोई मानवता हनन की बात नहीं कहेंगे, इतना ही नहीं बल्कि हम यूक्रेन पर रूस के अधिकार पर भी विरोध नहीं करेंगे। जेलेंस्की को आत्म समर्पण कर देना चाहिए, जेलेंस्की पागल है।

जेलेंस्की का पक्ष सुन लीजिये, उनकी पीड़ा सुन लीजिये, उनका अपने देश के प्रति प्रेम, समर्पण और अपने देश के लिए बलिदान होने का जज्बा भी जान लीजिये। डोनाल्ड ट्रंप को उन्होंने सीधे लताड़ दिया, ट्रंप को धोखेबाज तक कह दिया। उन्होंने ट्रंप और पुतिन की इस डील को नकार दिया। जिलेस्की ने अपने एक बयान में कह दिया कि हम अपने देश की सुरक्षा खुद करेंगे, मर जाएंगे, मिट जाएंगे पर पुतिन के सामने झुकेंगे नहीं। रूस ने ट्रंप का साथ मिलने से यूक्रेन पर कब्जा करने और उसे गुलाम बनाने का सपना देखने लगा। रूस ने यूक्रेन पर ताबड़ तोड़ हमले किए हैं, युद्ध की सारी परम्पराओं को उसने तोड़ दिया। युद्ध परम्परा यह है कि आबादी वाले क्षेत्रों पर हमले नहीं किए जाते हैं, जन की आवश्यक स्थलों और जन सुविधाओं पर हमले करने से परहेज किया जाता है। पर रूस ने ताजा हमलों में निशाना भी इन्हीं क्षेत्रों पर साधा है। खासकर बिजली घरों को नष्ट करने की नीति उसकी काफी घातक और बर्बर है। कई बड़े बिजली घरों को नष्ट कर दिया गया। जिलेस्की ने अपनी पीड़ा जताते हुए कहा है कि बिजली घरों के नष्ट होने से दो करोड़ लोग अंधेरे का सामना करने के लिए विवश है। बिजली जाने का अर्थ सिर्फ अंधेरा ही नहीं होता है बल्कि जीवन की पूरी संरचना प्रभावित होती है, आधुनिक युग का सिस्टम और व्यापार, शिक्षा तक तबाह हो जाता है।

अतीत का शोक, भविष्य का भय और वर्तमान की अनदेखी

शांति का गहरा मर्म वर्तमान की स्वीकृति में निहित है, लेकिन इसका अर्थ निष्क्रियता कतई नहीं। शांति प्रतिक्रिया और उत्तर के बीच की वह सूक्ष्म दूरी है, जिसमें मनुष्य अपने विवेक को सक्रिय होने का अवसर देता है। हमारे अधिकतर संबंध भी इसलिए बोझिल हो जाते हैं कि उनमें प्रेम से अधिक अपेक्षाएं प्रवेश कर जाती हैं। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें वैसे ही समझे, जैसे हम स्वयं को समझते हैं, वैसे ही व्यवहार करे जैसा हम चाहते हैं और हमारी भावनाओं को बिना कहे पढ़ ले।

(प्रेरणा अवस्थी)

मनुष्य की संपूर्ण जीवन-यात्रा को अगर किसी एक अदृश्य आकांक्षा के सूत्र में पिरोया जाए, तो वह सूत्र निश्चय ही शांति की आकांक्षा होगा। भौतिक समृद्धि और उपलब्धियों के बावजूद हमारे भीतर कहीं न कहीं मन की उस स्थिर भूमि तक पहुंचने की अभिलाषा छिपी रहती है, जहां कोई अनावश्यक कंपन नहीं होता। विडंबना यह है कि शांति को अर्जित करने के लिए मनुष्य बाहर की दुनिया को निरंतर अपने अनुकूल व्यवस्थित करने का यत्न करता रहता है। नतीजतन, उसी शांति के विघटन के बीज उसके भीतर निरंतर अंकुरित होते रहते हैं।

वह शांति पाने के लिए परिस्थितियां बदलना चाहता है, जबकि आवश्यकता परिस्थितियों को बदलने से अधिक अपनी प्रतिक्रियाओं की प्रकृति बदलने की है। शांति कोई भौगोलिक स्थान नहीं, जहां पहुंचकर मनुष्य उसे प्राप्त कर ले। न ही कोई ऐसी वस्तु है, जिसे साधना, संपत्ति या उपलब्धि के माध्यम से अर्जित किया जा सके। वह तो अंतर्मन को जीवन के अनावश्यक कोलाहल से अलग करने की एक आंतरिक प्रक्रिया है। दरअसल, शांति हमें कहीं खोजनी नहीं है। हमें अपने ही जीवन से अशांति को छान-छानकर अलग करना है। यही शांति का सच्चा मर्म है।

वर्तमान की सबसे विचित्र त्रासदी यह है कि छोटी-छोटी घटनाएं हमारी मानसिक शांति को क्षत-विक्षत कर देती हैं। ये घटनाएं आकार में जितनी छोटी होती हैं, हमारे मन



में उनका विस्तार उतना ही विराट हो जाता है। घटना कुछ क्षणों में समाप्त हो जाती है, लेकिन हम उसे स्मृति में पुनर्जीवित करके बार-बार जीते रहते हैं। पीड़ा घटना से कम और उसकी निरंतर मानसिक पुनरावृत्ति से अधिक जन्म लेने लगती है। हर शब्द को संकेत, हर मौन को उपेक्षा, हर असहमति को विरोध और हर आलोचना को अपने अस्तित्व पर आक्रमण समझ लेने की प्रवृत्ति अंतःकरण के भीतर निरंतर अस्थिरता उत्पन्न करती है। जीवन का विवेक इसी में है कि हम यह निर्धारित करना सीखें कि किस बात को अपने अंतःकरण में प्रवेश देना है और किसे बाहर ही छोड़ देना है।

ध्यान मनुष्य की सबसे मूल्यवान आंतरिक संपदा है। हम जिसे अपना ध्यान देते हैं, दरअसल उसे अपने जीवन का एक अंश दे देते हैं। इसलिए छोटी-सी बात को घंटों सोचते रहना केवल समय का अपव्यय नहीं, जीवन-ऊर्जा का क्षरण भी है। किसी के व्यवहार पर क्रोधित होते हुए हम यह भूल जाते हैं कि संभव है वह व्यक्ति स्वयं किसी संघर्ष से गुजर रहा हो। किसी व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति को अपनी आत्मशांति का निर्णायक बना देना नितांत बेवकूफी है। शांति का आरंभ बाहरी संसार में दखल देने से नहीं, बल्कि अपने भीतर के द्वार पर विवेक का प्रहरी नियुक्त करने से होता है।

जीवन में कुछ बातें ऐसी हैं, जिन्हें सुधारा जा सकता है, कुछ ऐसी जिन्हें केवल स्वीकार किया जा सकता है और कुछ ऐसी, जिनसे आगे बढ़ जाना ही बुद्धिमत्ता है। मगर हमारी ऊर्जा प्रायः उन्हीं बातों पर सर्वाधिक खर्च होती है, जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं। अतीत को बदलने की असंभव आकांक्षा, दूसरों की मानसिकता को नियंत्रित करने की निष्फल चेष्टा और भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान में जी लेना- ये तीनों मिलकर वर्तमान को हमसे छीन लेते हैं। हम भूत का शोक करते रहते हैं और जो अभी घटित ही नहीं हुआ, उसका भय पालते रहते हैं। नतीजतन, जो वास्तव में हमारे पास है, यानी वर्तमान वही हमारी चेतना से अनुपस्थित हो जाता है। शांति का गहरा मर्म वर्तमान की स्वीकृति में निहित है, लेकिन इसका अर्थ निष्क्रियता कतई नहीं। शांति प्रतिक्रिया और उत्तर के बीच की वह सूक्ष्म दूरी है, जिसमें मनुष्य अपने विवेक को सक्रिय होने का अवसर देता है। हमारे अधिकतर संबंध भी इसलिए बोझिल हो जाते हैं कि उनमें प्रेम से अधिक अपेक्षाएं प्रवेश कर जाती हैं। हम चाहते हैं कि सामने वाला हमें वैसे ही समझे, जैसे हम स्वयं को समझते हैं, वैसे ही व्यवहार करे जैसा हम चाहते हैं और हमारी भावनाओं को बिना कहे पढ़ ले। जब ऐसा नहीं होता, तो शिकायत जन्म लेती है। अपेक्षा जितनी सूक्ष्म होती है, उससे उत्पन्न निराशा उतनी ही गहरी होती है। प्रश्न यह नहीं कि जीवन में कितना शोर है। प्रश्न यह है कि उस शोर को हम अपने भीतर कितनी दूर तक आने देते हैं।

समुद्र की सतह पर लहरें निरंतर उठती हैं, लेकिन उसकी गहराइयों में एक विराट निस्तब्धता मौजूद रहती है। मनुष्य को भी जीवन की सतह पर घटती हलचलों के बीच अपने भीतर ऐसी ही गहराई निर्मित करनी है। शांति प्राप्त करने की अपेक्षा उसे बचाए रखना कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए कोई असाधारण साधना नहीं चाहिए। किसी बात को अनदेखा कर देना, अनावश्यक उत्तर न देना, हर आलोचना को हृदय पर न लेना, तुलना से स्वयं को मुक्त करना, अपेक्षाओं को संयमित करना, बीते हुए को विदा करना और भविष्य को उसके समय पर आने देना- ये साधारण प्रतीत होने वाले कर्म ही मन की असाधारण शांति के निर्माता हैं।

शांति उसी क्षण हमारे निकट आ जाती है, जब हम जीवन की प्रत्येक छोटी घटना को अपने मन का स्वामी बनाने से इनकार कर देते हैं। शांति का अर्थ यह नहीं कि संसार हमारे अनुकूल हो जाए। बल्कि यह है कि संसार की प्रतिकूलता हमारे अंतर्मन पर अनावश्यक अधिकार न कर सके। जीवन का सबसे बड़ा वैभव यही है कि मनुष्य सब कुछ सुन सके, लेकिन हर बात को हृदय में न उतारे। सब कुछ देख सके, लेकिन हर दृश्य से विचलित न हो। असहमति सह सके, लेकिन द्वेष न पाले और जीवन की अनगिनत हलचलों के बीच अपने भीतर एक ऐसा कोना सुरक्षित रख सके, जहां संसार की कोई क्षणिक घटना प्रवेश न कर सके। शांति हमारे ही भीतर उस स्थान पर प्रतीक्षारत है, जहां अनावश्यक अपेक्षाएं समाप्त होती हैं, प्रतिक्रियाएं विराम लेती हैं और जीवन अपने सहज, निर्विकार स्वरूप में दिखाई देने लगता है।

राज्य के प्रशासनिक तंत्र द्वारा जनता के सुझावों व शिकायतों की उपेक्षा करने तथा सरकारी वेबसाइटों पर गलत ई-मेल आईडी में सुधार होना चाहिए -अशोक बालियान

मुजफ्फरनगर। पीजेंट के चेयरमैन अशोक बालियान ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखते हुए कहा है कि आपकी सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और जन-समस्याओं के निवारण के लिए 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई गई है, परंतु अधिकतर जिला प्रशासन, शासन एवं मंत्रियों के कार्यालय जनता के सुझावों और शिकायतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर रहे हैं। इस संबंध में मुख्य चिंताएं निम्नलिखित हैं, जिसमें ई-मेल और संपर्क विवरणों का अपडेट न होनाः शासन, विभिन्न विभागों और मंत्रियों की आधिकारिक वेबसाइटों पर दिए गए अधिकांश ई-मेल आईडी या तो गलत हैं या निष्क्रिय हैं। जनता जब इन पर महत्वपूर्ण सुझाव या शिकायतें भेजती है, तो वे डिलीवर नहीं होते।



ये अपडेट होनी चाहिए।

संवादहीनता और उपेक्षा की मानसि-ाकताः यदि किसी वैध ई-मेल या पत्र के माध्यम से जिला प्रशासन या शासन स्तर पर कोई गंभीर जनहित का मुद्दा या सुझाव भेजा भी जाता है, तो अधिकारियों द्वारा उसका कोई उत्तर नहीं दिया जाता। जबकि गंभीर जनहित के मुद्दों व सुझाव का उत्तर दिया जाना चाहिए।

आयुक्त व जिलाधिकारी स्तर से उत्तर की अनिवार्यताः नागरिक जब जिला प्रशासन या आयुक्त कार्यालय को लिखित शिकायतें या सुझाव भेजते हैं, तो अधिकारी उनका कोई लिखित या संतोषजनक उत्तर देना आवश्यक नहीं समझते। इसलिए जिला प्रशासन या आयुक्त कार्यालय के लिए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि वे जनता के पत्रों और सुझावों का लिखित व संतोषजनक उत्तर दें।

अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि इस गंभीर विषय का संज्ञान लेते हुए राज्य के सभी विभागों, मंत्रियों के कार्यालयों और जिला प्रशासनों को अपनी वेबसाइटों पर सही व सक्रिय ई-मेल आईडी अपडेट करने का निर्देश दें। साथ ही, एक ऐसी व्यवस्था या शासनादेश जारी करें, जिसके तहत कम से कम संबंधित आयुक्त व को प्राप्त होने वाले हर गंभीर सुझाव व शिकायत का एक निश्चित समय-सीमा के भीतर लिखित उत्तर देना अनिवार्य हो, ताकि प्रश-ासनिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। इस सकारात्मक कदम से आपकी सरकार की 'सुशासन' की छवि को और मजबूती मिलेगी।

3 नवंबर को हजारों किसान करेंगे लखनऊ कूच, रिहान तोमर ने स्टेशन मास्टर को सौंपा ज्ञापन

4 नवंबर को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष के कार्यालय पर होगी राष्ट्रीय महापंचायत, किसानों के खिलाफ कथित फर्जी मुकदमों का उठेगा मुद्दा

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन (तोमर) ने किसानों की समस्याओं और उनके खिलाफ दर्ज किए जा रहे कथित फर्जी मुकदमों के विरोध में आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में संगठन के पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष रिहान तोमर ने शुक्रवार को मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर को डीआ-एम के नाम ज्ञापन सौंपकर 3 नवंबर को लखनऊ कूच के लिए नौचंदी एक्सप्रेस ट्रेन में पांच अतिरिक्त कोच बढ़ाने की मांग की।



रिहान तोमर ने बताया कि 3 नवंबर को मुजफ्फरनगर से हजारों किसान लखनऊ के लिए रवाना होंगे। किसानों का जत्था नौचंदी एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंचेगा। इसके बाद 4 नवंबर को संगठन की ओर से लखनऊ स्थित 17 महाराणा प्रताप मार्ग पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष के कार्यालय पर राष्ट्रीय महापंचायत आयोजित की जाएगी। इस महापंचायत में किसानों के खिलाफ कथित रूप से दर्ज किए जा रहे फर्जी मुकदमों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि महापंचायत के बाद किसान 4 नवंबर की शाम को नौचंदी एक्सप्रेस से वापसी करेंगे। किसानों की बड़ी संख्या को देखते हुए रेलवे स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपकर ट्रेन में पांच अतिरिक्त कोच लगाने की मांग की गई है, ताकि लखनऊ जाने वाले किसानों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार को भी प्रस्तावित कार्यक्रम और किसानों की यात्रा के संबंध में अवगत कराने की मांग की गई है।

रिहान तोमर ने कहा कि किसानों के अधिकारों की रक्षा और उनके खिलाफ दर्ज कथित फर्जी मुकदमों के विरोध में संगठन एकजुट होकर

साँझक में विजय वर्मा का स्वागत, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनने पर समाज के लोगों ने किया अभिनंदन, विजय वर्मा ने जताया आभार

मुजफ्फरनगर । सांझक में प्रमोद कश्यप मंडल अध्यक्ष, जयकुमार और स्थानीय निवासियों ने योगेश पाल एवं पंकज के निवास पर विजय वर्मा का ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनने की खुशी में स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित समाज के लोगों ने विजय वर्मा को पटका पहनाकर और गले में माला डालकर उनका अभिनंदन किया।

विजय वर्मा ने स्वागत के लिए सभी लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को वह पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज के सभी लोगों के कल्याण के लिए जो भी संभव होगा, वह करने का पूरा प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम के पश्चात विजय वर्मा ने वहां



स्थित भगवान शंकर के प्रसिद्ध मंदिर में पहुंचकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और भोले शंकर का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर अंकित उप्पल, रवि शर्मा, कार्तिक, अमित, मनोज, अंकित, विकास धीमान, वैभव धीमान, तुषार धीमान, पंकज धीमान, गौरव धीमान, अंकुश धीमान, अमित पाल, योगेश पाल, सुरेश पाल, तिलकराम, विजयपाल, लियाकत, फरजुद्दीन, विजेंद्र, रिजवान, मनीष, लक्ष्मण, शुभम पाल, अर्जुन दुकानदार और तुषार पाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

घर-घर गीता, हर-घर गीता, श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता का वैश्विकअभियान -रामबीर सिंह

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फरनगर के सचिव अतुल गर्ग ने बताया कि साप्ताहिक/एकादशी/ विशेषपर्व पर घर-घर गीता, हर-घर गीता संकल्प के निमित्त जो गीता पाठ किये जा रहे हैं उसी श्रृंखला में संकीर्तन एवं गीतापाठ रेलवे-स्टेशन के सामने गली मे आयोजित किया गया।अमित साड़ी वालो ने परिवार सहित दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजन किया। तदुपरांत अतुल गर्ग द्वारा गणेश



वंदना,मां शारदा का गुणगान,कृष्ण कृपा अमृत,नमो भगवते वासुदेवाय का जाप,अष्टादश श्लोकी गीतापाठ श्रद्धाभाव पूर्वक कराया गया।संकीर्तन मे संजय अरोरा,विमल प्रताप, मीनाक्षी शर्मा द्वारा राधा रानी का गुणगानत तथा विपिन गुप्ता द्वारा प्रस्तुत भजन मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया सागर मे नैया डार देई पर उपस्थित सभी श्रद्धालुजन भक्तिरस में सराबोर होकर झूम उठे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने बताया कि लक्ष्य अच्छा,भाव सच्चा और विश्वास पक्का-'श्री कृष्ण कृपा' स्वतःअनुभव होगी।महाराज श्री का यह संदेश हम सब के लिए प्रेरणा स्रोत है। गीतापाठ में अमित कुमार, उमा देवी,महिमा,सुभाष गोयल,पंडित कृष्णानन्द शुकतीर्थ,संजय मिश्रा,देवेंद्र शर्मा,मीनाक्षी, दीपक गौतम, अनीता गुप्ता,बबीता,राधा, मोहिनी गुप्ता,श्यामा मित्तल, महिमा कौशिक,रेनू,ऋचा शर्मा,सहदेव, ज्योति,जाह्नवी कश्यप,अल्का गोयल आदि बडी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

आध्यात्मिक जागृति की दिव्य आभा में 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम का भव्य आगाज

'परमात्मा के एहसास से जागृत हो मानव मन' निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

मुजफ्फरनगर । वास्तविक जागृति तभी आती है, जब मनुष्य हर पल परमात्मा की उपस्थिति का एहसास करते हुए आध्यात्मिकता को अपने जीवन में धारण करता है। ये प्रेरणादायी उद्गार सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के प्रथम दिवस मानवता के नाम संदेश में व्यक्त किए। 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय संत समागम का शुभारंभ परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं पावन संदेशों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। संत समागम के प्रथम दिवस मानवता के नाम संदेश में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने फरमाया कि देश-विदेश से संत-महापुरुषों के एकत्रित होने का मूल उद्देश्य मानव मन में आध्यात्मिक जागृति बनाए रखना है, ताकि जीवन के प्रत्येक पल को पूर्ण चेतना एवं परमात्मा के एहसास के साथ जिया जा सके। सतगुरु माता जी ने समझाया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर, परिवार, समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए एक जागरूक वैश्विक नागरिक बनना चाहिए। जाति-पाति, भाषा, क्षेत्र अथवा स्वभाव के अंतर से ऊपर उठकर प्रत्येक इंसान को प्रेम, सम्मान और अपनत्व के भाव से स्वीकार करना ही सच्ची मानवता है। सतगुरु माता जी ने आगे फरमाया कि वास्तविक आध्यात्मिक जागृति केवल विचारों या दिखावे तक सीमित नहीं होती, बल्कि हमारे व्यवहार, आचरण और सामाजिक कर्तव्यों में भी प्रकट होनी चाहिए। यह जागृति किसी एक क्षण या अवसर की बात नहीं, बल्कि जीवनभर बनाए रखने वाला भाव है। परिस्थितियाँ कैसी भी हों, परमात्मा की रजा को स्वीकार करते हुए प्रत्येक पल को उसके प्रसाद के रूप में प्रसन्नता, संतोष और कृतज्ञता के साथ जीना ही सच्ची आध्यात्मिकता है।



समागम स्थल पर सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का स्वागत संत निरंकारी मंडल के जनरल सेक्रेटरी श्री सुखदेव सिंह जी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा मंडल की प्रधान श्रीमती राजकुमारी जी ने पुष्पहार अर्पित कर किया।

वहीं, निरंकारी राजपिता रमित जी का अभिनंदन एस. एल. गर्ग ने पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा एच. एस. चावला ने पुष्पहार पहनाकर किया।

तत्पश्चात सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी को पुष्पों से सुसज्जित खुली पालकी में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा के रूप में समागम पंडाल के मध्य से मुख्य मंच तक ले जाया गया। इस अवसर पर निरंकारी इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूजिक एंड आर्ट्स के 600 से अधिक विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम एवं मधुर स्वागत गीत की प्रस्तुति के माध्यम से दिव्य युगल का भावपूर्ण अभिनंदन किया। सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी के पावन सान्निध्य को पाकर श्रद्धालु भक्त भावविभोर हो उठे। दिव्य युगल ने अपने स्नेहपूर्ण आशीर्वाद से सभी को निहाल किया। समस्त वातावरण प्रेमाभक्ति और आध्यात्मिक आनंद से सराबोर रहा।

विभिन्न संस्कृतियों, जातियों, धर्मों और भाषाओं से जुड़े श्रद्धालु सभी भेदभावों से ऊपर उठकर प्रेम एवं मानव-एकता के सूत्र में बँधे दिखाई दिए। यह मनोहारी दृश्य सतगुरु के प्रेम, सद्भाव और विश्वबंधुत्व के संदेश को साकार कर रहा था। प्रेस कॉन्फ्रेंसः-

मानवता के नाम संदेश कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व समागम के प्रथम दिवस एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से आए मीडिया कर्मियों एवं पत्रकारों ने सहभागिता करते हुए निरंकारी संत समागम के आयोजन, उसकी आध्यात्मिक विचारधारा, उद्देश्यों एवं जनकल्याणकारी संदेश के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निसंदेह, 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम का यह प्रथम दिवस आध्यात्मिक जागृति, मानवता, सेवा और विश्वबंधुत्व की भावना को समर्पित रहा।

थानाभवन में धूमधाम से मनाया गया महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव, भव्य शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

आकर्षक झांकियों, बैंड-बाजों और डीजे की धुनों के बीच निकली शोभायात्रा, अखाड़ों के बालक-बालिकाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

थानाभवन। कस्बे में शुक्रवार को अग्रवाल युवा समागम के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन जन्मोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आकर्षक झांकियों, बैंड-बाजों और डीजे से सुसज्जित भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं और समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कस्बे के प्रमुख मार्गों पर शोभायात्रा को देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ दयाल आश्रम से किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेश राणा, शामली चेयरमैन अर-विंद संगल, पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल, नकुड़ चेयरमैन शिव कुमार गुप्ता, अंकित गोयल सहित अन्य गणमान्य लोगों ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर एवं तिलक



लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेश राणा, अरविंद संगल, राजेश्वर बंसल, शिव कुमार गुप्ता और अंकित गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि महाराजा अग्रसेन का जीवन समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में समानता, सहयोग, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत किया जा सकता है। सभी को उनके बताए मार्ग पर चलकर जरूरतमंदों की सहायता करने तथा समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। शोभायात्रा में सबसे आगे बच्चे लाठी चलाने और तलवारबाजी के हैरतअंगेज करतब दिखाते हुए चल रहे थे। इसके पीछे भगवान गणेश की आकर्षक झांकी और अघोरी रूप में शिव बाबा की झांकी शामिल रही। इसके अलावा लक्ष्मी जी और महाराज

रंग संसार

'इतनी तो इज्जत कर...' सलमान खान ने आईआईएफए 2027 में फिर लगाई पैपराजी की क्लास



नई दिल्ली। मुंबई में आईफा 2027 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सलमान खान और करीना कपूर काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। कुछ हफ्ते पहले, 'बिग बॉस 20' के एक एपिसोड के दौरान सलमान खान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी। उन्होंने सेलिब्रिटीज की अभद्र तस्वीरें लेने के लिए पैपराजी को आड़े हाथों लिया था। साथ ही, सलमान ने फोटोग्राफरों से कहा कि वे उन कलाकारों के बीच फर्क समझें जो चाहते हैं कि उनकी पीछे से तस्वीरें ली जाएं, और उन कलाकारों के बीच जिन्होंने साफ तौर पर मना किया है कि उनकी ऐसी तस्वीरें न ली जाएं। कैमरों के सामने पोज देते हुए, सलमान खान ने पैपराजी को अपनी बात फिर से याद दिलाई और कहा, 'पीछे की बात याद रखना, इतनी इज्जत तो दे ही सकते हो आप लोग'। उन्होंने उनसे अपील की कि वे तस्वीरें लेते समय अपनी सीमा में रहें और सेलिब्रिटीज का सम्मान करें। आईआईएफए वीकेंड एंड अवार्ड्स का 27वां संस्करण 22 और 23 जनवरी, 2027 को अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा। आईआईएफए अवार्ड्स को अभिनेता वरुण धवन और अनन्या पांडे होस्ट करेंगे। उनके साथ करण जौहर और मनीष पॉल भी शामिल होंगे। इस समारोह में सलमान खान, करीना कपूर खान और जाह्नवी कपूर समेत कई बॉलीवुड सितारों के परफॉरमेंस देने की भी उम्मीद है। सलमान खान ने 'बिग बॉस' में लगाई थी क्लास सितंबर में 'बिग बॉस' के एक एपिसोड में, सलमान खान ने मशहूर हस्तियों की अनुचित तस्वीरें लेने वाले फोटोग्राफरों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा था, 'और फिर वे पीछे से जो एक फोटो लेते हैं, जो किसी भी हीरोइन को पसंद नहीं आती?

राज काज

जेपी पावर को खरीदने वाली अडानी पावर के धमाकेदारी तिमाही नतीजे, मुनाफा 134% बढ़कर हुआ 6919 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज पावर कंपनी अदाणी पावर ने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए हैं। दूसरी तिमाही में इसके मुनाफे में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जेपी पावर को खरीदने वाली अदाणी पावर ने दूसरी तिमाही में 6919 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। सालाना आधार पर इसमें 134% देखी गई। एक साल पहले इसी तिमाही में अदाणी पावर का मुनाफा 2953 करोड़ रुपये था। अदाणी पावर के मुनाफे में यह भारी उछाल, इस तिमाही के दौरान मिले 459 करोड़ के 'डेफर्ड टैक्स क्रेडिट' (स्थगित कर क्रेडिट) की वजह से आया है। सितंबर तिमाही के अंत में, कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 45% बढ़कर 19439 करोड़ हो गया, जो पिछले साल की इसी अवधि में 13,457 करोड़ था। अदाणी पावर का EBITDA मार्जिन 38.2% से 410 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 42.34% हो गया है। बिजली की मजबूत मांग और बिक्री दरों में बढ़ोतरी के चलते, इस तिमाही में कुल बिजली बिक्री 11.5% बढ़कर 26.4 अरब यूनिट (बीयू) हो गई, जबकि एक साल पहले यह 23.7 बीयू थी। ईंधन की लागत 7,216.23 करोड़ से 41.8% बढ़कर 10,229.38 करोड़ हो गई। इसका मुख्य कारण बिक्री की मात्रा में वृद्धि और आयातित कोयले की लैंडेड कॉस्ट (पहुंच लागत) में 50% की बढ़ोतरी है। फाइनेंस कॉस्ट 841.63 करोड़ से 9.7% घटकर 760.23 करोड़ रह गई। इसके पीछे मजबूत ऑपरेटिंग कैश फ्लो और ऑपरेशनल कर्ज के नियंत्रित इस्तेमाल का योगदान रहा। अदाणी पावर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "बढ़ती मांग के कारण बिजली उत्पादन में साल-दर-साल 11% की वृद्धि हुई और यह 536 बिलियन यूनिट (BU) तक पहुंच गया। इसके साथ ही, जलविद्युत (हाइड्रोपावर) की कम उपलब्धता के चलते, बिजली आपूर्ति में कोयला और लिग्नाइट आधारित बिजली उत्पादन का योगदान बढ़कर 66% हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (Q2 FY26) में यह 65% था।"

दैनिक राशिफल शनिवार 24 अक्टूबर 2026

मेष - सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृष - परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं।

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी।

कर्क - पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी।

सिंह- दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्म-चिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कन्या - अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी।

तुला - कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी

वृश्चिक - कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

धनु - संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं।

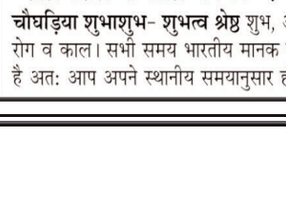
मकर - शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे।

कुंभ - विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है।

मीन - व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

दैनिक पंचांग

24 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.51 ब.से
चंद्र	मीन में	धनु	10.07 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	12.12 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.59 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.31 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	17.02 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.42 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.54 बजे से
		सिंह	01.10 बजे से
		कन्या	03.22 बजे से
		तुला	05.32 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 297 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 13.37 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 20.32 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 20.01 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.37 बजे तदनन्तर गर 00.52 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 13.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 11°41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872872
जूलियन दिन 2461337.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 12

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नाबालिग युवती को गायब करने के आरोप में दो सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

एसएसपी के आदेश पर भोपा पुलिस ने की कार्रवाई, पीड़ित पिता ने लगाया अपहरण कर बेचने का आरोप

मोरना। तीर्थनगरी शुक्रतीर्थ में गंगा पुल के पास से नाबालिग पुत्री के लापता होने के मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित पिता ने दोनों आरोपियों पर पुत्री को गायब कर बेचने का आरोप लगाया था। आरोप है कि शिकायत के बावजूद स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई, जिसके बाद एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया। भोपा थाना क्षेत्र के भोकरहेड़ी के वर्तमान निवासी मांगेराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 28 सितंबर की सुबह वह अपनी नाबालिग पुत्री को लेकर भोकरहेड़ी से तीर्थनगरी शुक्रतीर्थ जा रहा था। गंगा पुल के पास उसने अपनी पुत्री को बैठाया और स्वयं शौच के लिए चला गया। वापस लौटने पर पुत्री मौके से गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित पिता के अनुसार, उसने मामले की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन आरोप है कि काफी समय बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद



में उसे जानकारी मिली कि उसकी पुत्री को थाना मीरापुर क्षेत्र के गांव भुम्मा निवासी दो युवक अपने साथ ले गए हैं।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि दोनों युवक नाबालिग लड़कियों को अगवा कर पंजाब में रह रहे अपने एक रिश्तेदार के पास भेज देते हैं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया कि आरोपी पुलिस और अदालत से भी न डरने की धमकी देते हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पुत्री की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ अपहरण एवं मानव तस्करी से संबंधित धाराओं में कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित पिता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर से शिकायत की। एसएसपी के आदेश के बाद भोपा पुलिस ने थाना मीरापुर क्षेत्र के गांव भुम्मा निवासी संदीप उर्फ काला और भूरा पुत्रगण रमेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मोरना में आसपा की महारैली की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

मोरना। मोरना में शनिवार को आजाद समाज पार्टी (आसपा) की महारैली का आयोजन किया जाएगा। रैली को लेकर शुक्रवार को महर्षि शुकदेव इंटर कॉलेज के खेल मैदान में तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। रैली में पार्टी संस्थापक चंद्रशेखर आजाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर जनसभा को संबोधित करेंगे। मोरना-शुक्रताल मार्ग स्थित महर्षि शुकदेव इंटर कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित होने वाली महारैली की तैयारियों का पार्टी के संभावित प्रत्याशी एवं राष्ट्रीय महासचिव रविंद्र भाटी ने जायजा लिया। रविंद्र भाटी पिछले एक सप्ताह से गांव-गांव जाकर नुक्कड़ सभाओं



के माध्यम से लोगों से रैली में पहुंचने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि महारैली में 15 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। महारैली को लेकर पार्टी कार्यकताओं और आमजन में उत्साह दिखाई दे रहा है। जनसभा में पार्टी संस्थापक चंद्रशेखर आजाद अपना संबोधन करेंगे। रैली को लेकर मोरना, भोकरहेड़ी, मजलिसपुर तौकीर, सीकरी, बेलड़ा, निरगाजनी, भोपा, माजरा, गादला, चौरावाला, बेहड़ा सादात, ककरौली, टंढेड़ा, ढांसरी, कमहेड़ा और जौली सहित आसपास के क्षेत्रों में लोगों में उत्साह दिखाई दिया।

आरडब्ल्यूए -105 ने उठाई नागरिकों की सुरक्षा एवं आवारा पशुओं के पुनर्वास की आवाज

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-105 की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने नागरिकों की सुरक्षा, जन-स्वास्थ्य और सेक्टर की शांति व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नोएडा विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को एक अत्यंत आदरपूर्ण एवं विस्तृत पत्र प्रेषित किया है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय के नेतृत्व में प्रस्तुत इस पत्र के माध्यम से सेक्टर में उत्पन्न हो रही विभिन्न जन-हितैषी समस्याओं की ओर अधिकारियों का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया गया है, ताकि आपसी सहयोग और प्रशासनिक मार्गदर्शन से इनका समय रहते उचित व सुखद समाधान निकाला जा सके।

पत्र में सबसे पहले सेक्टर-105 के गेट नंबर 3 के मुख्य प्रवेश द्वार एवं मुख्य मार्ग पर निरंतर जमने वाले 30 से 40 आवारा गोवंशों की गंभीर स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। इस बड़े जमावड़े के कारण जहाँ एक ओर आवागमन पूरी तरह बाधित होता है, वहीं दूसरी ओर गंभीर मार्ग दुर्घटनाओं की आशंका भी हर समय बनी रहती है। आरडब्ल्यूए ने प्रशासन से अत्यंत नम्रतापूर्वक निवेदन किया है कि इन मूक पशुओं को कैटल-कैचर गाड़ियों के माध्यम से सुरक्षित रूप से निकटतम प्राधिकृत गौशाला में पुनर्वासित किया जाए, जिससे इन बेजुबान पशुओं की भी पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और आम नागरिक भी हादसों के खतरे से सुरक्षित रह सकें।

इसके साथ ही, सेक्टर के भीतर संचालित हो रही कुछ गैर-आवासीय गतिविधियों पर भी गंभीर ध्यानाकर्षण किया गया है। आवासीय नियमों के पूर्णतः विपरीत संचालित हो रहे विदेशी बिल्लियों के कमर्शियल ब्रीडिंग सेंटर तथा बिना किसी वैधानिक अनुमति के चलाए जा रहे डॉग शेल्टर के विषय में निवेदन किया गया है कि आवासीय परिसर की गरिमा, शांति और जन-स्वास्थ्य को बनाए रखने हेतु इन गतिविधियों पर नियमानुसार उचित प्रशासनिक संज्ञान लिया जाए। आरडब्ल्यूए का स्पष्ट मानना है कि पशु-प्रेम और जीव-दया एक अत्यंत सराहनीय मानवीय कार्य है, जिसे नियमों के दायरे में रहते हुए निर्धारित क्षेत्रों और व्यवस्थाओं के अंतर्गत ही संचालित किया जाना चाहिए ताकि स्थानीय निवासियों, वृद्धों एवं छोटे बच्चों को



किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इसके अतिरिक्त, आवारा कुत्तों की नसबंदी और संख्या नियंत्रण से जुड़ी सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता की आवश्यकता पर भी विशेष बल दिया गया है। आरडब्ल्यूए ने अनुरोध किया है कि यदि बाहरी क्षेत्रों से लाकर सेक्टरों के भीतर पशु छोड़ने जैसी कोई अनुचित गतिविधियां हो रही हैं, तो उनकी निष्पक्ष समीक्षा की जाए ताकि सरकारी प्रयासों का सही और वास्तविक लाभ जनता तक पहुँच सके। इसके साथ ही, माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा प्राधिकरण की पेट-पॉलिसी के अंतर्गत पालतू पशुओं को लीश पहनाने और खुले में गंदगी न फैलाने के सख्त नियमों का पालन कराने हेतु जन-जागरूकता अभियान चलाने तथा आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाने का सादर निवेदन किया गया है, जिससे सड़कों पर गंदगी या आवारा पशुओं के कारण फिसलकर चोटिल होने वाले बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने इस अवसर पर अपना संदेश साझा करते हुए कहा कि हम सभी समाज में जीव-दया, पर्यावरण संरक्षण और परस्पर सौहार्द के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं। हमारा उद्देश्य किसी भी व्यक्ति या व्यवस्था का विरोध करना कतई नहीं है, बल्कि अपने सेक्टर के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और अनुशासित वातावरण का निर्माण करना है। हमें नोएडा प्राधिकरण के सम्मानित अधिकारियों की कार्यशैली और संवेदनशीलता पर पूर्ण विश्वास है कि वे हमारी इन आदरपूर्ण प्राथमिकताओं पर शीघ्र ही सकारात्मक एवं सहयोगात्मक कार्रवाई करेंगे।

किडजानिया में हुआ RAYY का आधिकारिक लॉन्च

नोएडा। RAYY एक भारतीय ऐक्सपीरियेंस डिस्कवरी एवं बुकिंग प्लैटफॉर्म है जो मेक रूम फॉर मोर लाईफ के फलसफे पर आधारित है। इस प्लैटफॉर्म ने आज किडजानिया दिल्ली एनसीआर में अपने ऐप का आधिकारिक लॉन्च किया। यह दिल्ली एनसीआर की 2,500 से ज्यादा गतिविधियों को एक ही प्लैटफॉर्म पर लाता है। इसकी पेशकशों में ऐक्टिविटीज, स्पोर्ट्स, फिटनेस और वैलनेस, लर्निंग, बच्चों के प्लेजोन और मनोरंजन के अनुभव शामिल हैं, जो लोगों और परिवारों को उनकी पसंद के हिसाब से ऐक्सप्लोर करने के लिए कई विकल्प देते हैं। फिलहाल दिल्ली एनसीआर पर फोकस करते हुए, फ्ब्र ने 1,500 से ज्यादा पार्टनरों का एक नेटवर्क बनाया है, जिसमें नृत्य व संगीत कक्षाएं, तैराकी और पिकलबॉल से लेकर क्रिएटिव वर्कशॉप, फिटनेस और वैलनेस सेंटर, ट्रैम्पोलिन पार्क, गेमिंग जोन, बच्चों के प्लेजोन और पारिवारिक मनोरंजन के स्थल शामिल हैं। लॉन्च के इस मौके पर RAYY के संस्थापक सार्थक गुप्ता ने कहा, भारत की ऐक्सपीरियेंस इकॉनोमी तीव्रता से विकसित हो रही है, जिसमें स्पोर्ट्स, फिटनेस, बच्चों की ऐक्टिविटीज एवं पारिवारिक मनबहलाव में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। लॉन्च के मौके पर, उद्यमी और डिजिटल पर्सनैलिटी तान्या मित्तल, RAYY में स्टेकहोल्डर और ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शामिल हुईं।

फ्ब्र के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, फ्ब्र की स्टेकहोल्डर और ब्रांड एंबेसडर, तान्या मित्तल ने कहा, हमारी कुछ सबसे खूबसूरत यादें महंगी चीजों के बारे में नहीं,

भाकियू ने दादरी में निकाला ट्रैक्टर मार्च, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर लुहारली टोल से दादरी नवीन मंडी तक ट्रैक्टर मार्च निकाला। गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने संगठन का झंडा फहराकर मार्च का शुभारंभ किया। देशभक्ति गीतों और डीजे के साथ सैकड़ों ट्रैक्टरों पर सवार कार्यकताओं ने मार्च में भाग लिया। इस दौरान मानव श्रृंखला भी बनाई गई।

ट्रैक्टर मार्च को देखते हुए पुलिस एवं पीएसी बल तैनात रहा। मार्च के दौरान दादरी में जाम की स्थिति बनी। पुलिस प्रशासन ने रास्ते में ही ज्ञापन लेने का आग्रह किया, लेकिन कार्यकर्ता पूर्वनिर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नवीन मंडी तक जाने पर अड़े रहे। इसे लेकर पुलिस और कार्यकताओं के बीच कहासुनी भी हुई। बाद में मार्च का समापन दादरी नवीन मंडी में हुआ।

यहाँ भाकियू के दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम संबोधित ज्ञापन सहायक पुलिस उपायुक्त प्रसाली गंगवार, दादरी एसएचओ नीरज मिश्रा एवं तहसीलदार कृष्णा चौरसिया को सौंपा।

ज्ञापन में चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी चार प्रमुख मांगें रखी गईं–

1. मतदाता सूची के विशेष गहन



पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया तत्काल रद्द की जाए। ज्ञापन में इस प्रक्रिया के तहत 13.41 करोड़ नाम हटाए जाने का दावा किया गया।

2. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाकर उनके विरुद्ध मुकदमा चलाया जाए।

3. वर्ष 2023 के चुनाव आयुक्त नियुक्ति संबंधी अधिनियम में संशोधन कर चयन समिति में कैबिनेट मंत्री के स्थान पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाए।

4. आनुपातिक प्रतिनिधित्व, चुनावों में धनबल और बाहुबल पर रोक तथा चुनावों की सरकारी फंडिंग जैसे सुधार लागू किए जाएँ।

ज्ञापन में दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों, विशेषकर महिला छात्राओं एवं पत्रकारों के साथ कथित दमन और यौन उत्पीड़न की घटनाओं की निंदा की गई। संगठन ने इन आरोपों की तत्काल जाँच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

इसके साथ ही ह्यहाउस अरेस्टह्ल के नाम पर कार्यकताओं के घरों में प्रवेश कर की जा रही कथित अवैध कार्रवाई का विरोध किया गया। संगठन ने ऐसी कार्रवाइयों को संवैधानिक अधिकारों पर हमला बताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करना मौलिक अधिकार है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए।

मार्च में सिंहराज गुर्जर, विपिन प्रधान, नितिन भाटी, प्रमोद भाटी, रामकेश भाटी, धीरेंद्र भाटी टीनू, अनूप नागर, मनित नागर, अभिषेक कसाना, बलजीत भड़ाना बिन्टू, विपिन बिधूड़ी, सुमित शर्मा, चमन भाटी, विनोद अधाना, राजेश भाटी, जीतेन्द्र भाटी,विकास भाटी, दीन मोहम्मद एवं आजाद सैफी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारातघर के नियोजन प्रस्ताव को मंजूरी देने पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ का किया स्वागत

नोएडा। आज ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान के नेतृत्व में गाँव शाहपुर गोवर्धनपुर के निवासियों ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक कार्यालय सेक्टर-96 में पहुंचकर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करूणेश को पुष्पगुच्छ, शाल एवं भगन श्री राम की पेंटिंग भेट कर सम्मानित किया। ग्राम विकास संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने अवगत कराया कि ग्राम शाहपुर गोवर्धनपुर सैक्टर- 128 में तीन हजार वर्ग मीटर में होगा भव्य बारात घर का निर्माण, परियोजना पर अनुमानित खर्च होंगे करीब छह करोड़ रुपये

ग्राम विकास संगठन नोएडा के संयोजक डीपी चौहान एवं ग्राम शाहपुर गोवर्धनपुर बांगर के निवासियों की लंबे समय से चली आ रही बारातघर निर्माण की मांग पूरी होने की दिशा में कदम बढ़ा है। ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने गांव में 3,000 वर्ग मीटर भूमि पर बारातघर



के निर्माण के लिए नियोजन प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस परियोजना की अनुमानित लागत छह करोड़ रुपये आंकी गई है।

ग्रामवासियों की ओर से बारातघर बनवाने की मांग विभिन्न माध्यमों से प्राधिकरण के समक्ष उठाई गई थी। ग्रामीणों को विवाह समारोह और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाली परेशानियों को देखते हुए इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया गया है।

निर्माण के लिए गठित होगी समिति

प्राधिकरण के अनुसार, प्रस्तावित भूमि पर बारातघर के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए निर्माण लागत का विस्तृत आकलन तैयार कराया जाएगा। इसके लिए समिति गठित करने की प्रक्रिया चल रही है। परियोजना को सैद्धांतिक स्वीकृति दिलाने की कार्रवाई भी प्रचलित है। आगामी चरणों में निर्माण से संबंधित औपचारिकताओं को पूरा किया जाएगा।

विवाह और सामाजिक आयोजनों के लिए मिलेगी सुविधा

बारातघर बनने से गांव के लोगों को शादी-विवाह, पारिवारिक समारोहों और अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए एक व्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सकेगा। इससे ग्रामीणों को निजी स्थानों या अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर निर्भरता कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का भाजपा के खिलाफ हल्ला बोल, 1 नवंबर की दिल्ली रैली में जुटने का आह्वानं

सहारनपुर में सांसद गुरजीत सिंह औजला और इमरान मसूद ने पत्रकार वार्ता कर उठाया मतदाता सूची का मुद्दा, एपिक नंबर से वोट की स्थिति जांचने की अपील

सहारनपुर। वोट के अधिकार और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है। अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए एक नवंबर को दिल्ली में होने वाली रैली में बड़ी संख्या में लोगों से पहुंचने की अपील की। वहीं, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी वोट चोरी का मुद्दा उठाते हुए मतदाताओं से अपने वोट की स्थिति जांचने का आह्वान किया।

कांग्रेस महानगर कार्यालय पर सांसद गुरजीत सिंह औजला और कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद इमरान मसूद ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि वोट का अधिकार लोकतंत्र की बुनियाद है और हर नागरिक का वोट महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा वोट चोरी का मुद्दा अब सार्वजनिक हो चुका है। इसी मुद्दे को लेकर एक नवंबर को दिल्ली में होने वाली रैली में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की अपील की।

वहीं, सांसद इमरान मसूद ने पीलीभीत में 13 हजार वोट काटे जाने का आरोप लगाते हुए मतदाता सूची को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी नंबर के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम और वोट की स्थिति जांचने की अपील की, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी सामने आने पर उसकी जानकारी मिल सके।

इमरान मसूद ने आरोप लगाया कि वोट काटने की प्रक्रिया में मुस्लिम समाज को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है और मुस्लिम पुरुषों के वोट प्रभावित किए जा रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से सतर्क रहने और अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वोट के अधिकार और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी जनता के बीच अपनी बात रख रही है। इसी क्रम में एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली के जरिए इन मुद्दों को उठाने की बात कही गई। नेताओं ने अधिक से अधिक लोगों से रैली में शामिल होने का आह्वान किया।

पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कपिल, जिलाध्यक्ष संदीप राणा, महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष जावेद साबरी, सेवादल जिलाध्यक्ष इमरान कुरैशी, महानगर अध्यक्ष अमरदीप जैन, पूर्व प्रदेश सचिव अशोक सैनी, सोनू पठान और पूर्व जिलाध्यक्ष मेहरबान आलम समेत अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

रणखंडी में बच्चों के बीच झगड़े में घायल बालक की मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

इलाज के दौरान तोड़ा दम, गांव में पहुंची पुलिस ने शुरू की जांच; पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मौत का कारण

सहारनपुर। देवबंद कोतवाली क्षेत्र के गांव रणखंडी में बच्चों के बीच हुए झगड़े के बाद घायल हुए एक बालक की उपचार के दौरान मौत हो गई। बालक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस गांव पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रणखंडी गांव में बीती रात दो बच्चों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। झगड़े के दौरान एक बालक को अंदरूनी चोट लग गई। रात में उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बालक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-



रोकर बुरा हाल हो गया।

शुक्रवार सुबह घटना की सूचना मिलने पर देवबंद पुलिस गांव पहुंची और परिजनों से जानकारी जुटाते हुए मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मृतक बालक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बालक की मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस का कहना है कि मामले में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद गांव में शांति व्यवस्था कायम है।

कुंडा में कमरे के अंदर मिला किरायेदार का शव, मुंह से निकला था खून



मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र के कुंडा गांव में गुरुवार रात एक मकान के कमरे में किरायेदार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से हड़कंप मच गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। मृतक के मुंह से खून निकला हुआ था, जो उसके कपड़ों और शरीर पर लगा था। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। जानकारी के अनुसार, कुंडा निवासी मुकेश पुत्र लाल सिंह के मकान में हीरा सिंह (50) पुत्र भैरव सिंह पिछले पांच साल से किराये पर रह रहा था। मूल रूप से कानपुर नगर के रावतपुर का रहने वाला हीरा सिंह परतापुर क्षेत्र की एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। गुरुवार रात काफी देर तक उसके कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो पड़ोसियों ने उसे आवाज लगाई। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद पड़ोसियों ने कमरे की खिड़की से झांककर देखा तो हीरा सिंह खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही परतापुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की और शव के आसपास से नमूने एकत्र किए। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। परतापुर थाना प्रभारी अजय शुक्ला ने बताया कि पड़ोसियों के अनुसार, हीरा सिंह काफी समय से बीमार चल रहा था। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुत्तों की समस्याओं के समाधान के लिए नियम हमें ही मिलकर बनाने होंगे : संजीव कुमार

नोएडा। कुत्तों की समस्या के समाधान हेतु नोएडा प्राधिकरण बोर्ड रूम में शुक्रवार को एक मीटिंग आयोजित की गई।

जिसमें डॉग लवर्स और डीडी आरडब्ल्यू फेडरेशन ने मिलकर स्ट्रीट डॉग और पालतू कुत्तों की समस्या पर चर्चा की। मीटिंग में श्रीमती मेनका गांधी की बहन श्रीमती अंबिका शुक्ला जो एक प्रमुख एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट (पशु अधिकार कार्यकर्ता) और डॉग लवर हैं वह अपनी टीम के साथ पहुंची हुई थी। मीटिंग में नोएडा की अनेकों सोसाइटियों



के अध्यक्ष व निवासी भी पहुंचे जो स्टेट डॉग व पालतू कुत्तों की समस्या के सताए हुए हैं। इस अवसर पर डीडीआरडब्लूए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि हमारा मानना है कुत्तों की समस्या के समाधान हेतु नियम हमें मिलकर बनाने चाहिए और प्राधिकरण को इन्हें सख्ती से इंप्लीमेंट भी करना चाहिए परंतु 12 नवंबर 2011 को बनी डॉग पॉलिसी अब तक लागू नहीं हो सकी।

सपा महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने फर्जी मतदान का लगाया आरोप

कैलाशवती इंटर कॉलेज में कथित धांधली को लेकर सपा कार्यकताओं ने किया विरोध

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश चुनाव आयोग और जिला प्रशासन पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि कैलाशवती इंटर कॉलेज, अर्थला, साहिबाबाद स्थित मतदान केंद्र पर भाजपा प्रत्याशी से मिलकर फर्जी मतदान



कराया जा रहा है और चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हो रहा है। वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के महानगर कार्यकताओं ने कथित चुनावी धांधली के विरोध में आवाज उठाई। सपा नेताओं ने मतदान प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने और शिकायतों की जांच कराने की मांग की।

कार्यभार संभालने से पहले भागवत पीठ पहुंचे नवनियुक्त जिला जज राजीव कमल पांडेय

श्री शुकदेव आश्रम में अक्षय वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर की परिक्रमा, शुकदेव मंदिर में किए दर्शन

मुजफ्फरनगर। जनपद के नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने न्यायालय में कार्यभार संभालने से पूर्व पवित्र शुकदेव आश्रम स्थित भागवत पीठ पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने आश्रम परिसर में स्थित अक्षय वट वृक्ष की पूजा कर परिक्रमा की और श्री शुकदेव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने तीर्थ के आध्यात्मिक महत्व को नमन करते हुए संत परंपरा और धार्मिक विरासत के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। भागवत पीठ पहुंचने पर उन्होंने पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। नवनियुक्त जिला जज का शुकदेव आश्रम पहुंचना धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। न्यायिक दायित्वों की शुरूआत से पहले उन्होंने तीर्थस्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आश्रम की आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़े प्रमुख स्थलों के दर्शन किए। इस अवसर पर आश्रम के धार्मिक वातावरण में उन्होंने अक्षय वट वृक्ष की परिक्रमा कर अपनी श्रद्धा प्रकट की तथा श्री शुकदेव मंदिर में विधि-विधान से दर्शन किए। अक्षय वट वृक्ष की पूजा कर की परिक्रमा श्री शुकदेव आश्रम स्थित अक्षय वट वृक्ष धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने यहां पहुंचकर पूजा-अर्चना की और वृक्ष की परिक्रमा की। इसके बाद उन्होंने श्री शुकदेव मंदिर में पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। आश्रम की पवित्र परंपराओं के अनुरूप उन्होंने तीर्थस्थल के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। शुकदेव आश्रम अपनी



धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान के लिए प्रसिद्ध है। यहां देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। भागवत पीठ की संत परंपरा और धार्मिक विरासत इस स्थल को विशेष पहचान प्रदान करती है। स्वामी ओमानन्द जी महाराज से लिया आशीर्वाद दर्शन-पूजन के दौरान नवनियुक्त जिला जज ने भागवत पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द जी महाराज से भेंट की। उन्होंने स्वामी ओमानन्द जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आश्रम की आध्यात्मिक परंपरा और संतों के योगदान से जुड़ी भावनाएं भी प्रमुख रहीं। स्वामी ओमानन्द जी महाराज भागवत पीठ की धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से तीर्थ की परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

शुकदेव आश्रम में आने वाले श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना के साथ संतों के दर्शन कर आध्यात्मिक मार्गदर्शन भी प्राप्त करते हैं।

नवनियुक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कमल पांडेय ने तीर्थ जीर्णोद्धारक महान संत वीतराग स्वामी कल्याणदेव जी महाराज के संग्रहालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित संत विभूति की स्मृतियों और उनके जीवन से जुड़ी विरासत को देखा तथा उनका भावपूर्ण स्मरण किया। स्वामी कल्याणदेव जी महाराज ने अपने जीवन में धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मंसूरपुर में अवैध शराब की खेप बरामद, 209 पव्वों के साथ शामली का व्यक्ति गिरफ्तार

हुसैनपुर बोपाड़ा में शराब के ठेके के सामने परचून की दुकान के पीछे से पकड़ा गया आरोपी, आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 209 पव्वे देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से चेतक मार्का देशी शराब बरामद हुई है। गिरफ्तारी ग्राम हुसैनपुर बोपाड़ा में शराब के ठेके के सामने स्थित एक परचून की दुकान के पीछे से की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मंसूरपुर थाना पुलिस को मुखबिर से अवैध शराब की मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने हुसैनपुर बोपाड़ा में बताए गए स्थान पर पहुंचकर कार्रवाई की। मौके से बिजेन्द्र पुत्र सुबे सिंह को गिरफ्तार



किया गया। वह मूल रूप से शामली जनपद के थाना भवन क्षेत्र के ग्राम मोरमाजरा का निवासी है और वर्तमान में मंसूरपुर स्थित मिल में रह रहा था। 209 पव्वे चेतक मार्का देशी शराब बरामद

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चेतक मार्का देशी शराब के कुल 209 पव्वे बरामद किए हैं। बरामद शराब को लेकर पुलिस ने थाना मंसूरपुर में मुकदमा अपराध संख्या 314/2026, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन और क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय चौधरी के निर्देशन तथा मंसूरपुर थाना प्रभारी विपिन कुमार त्यागी के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में थाना प्रभारी विपिन कुमार त्यागी, उपनिरीक्षक अभिषेक गुप्ता, हेड कांस्टेबल मोनू तथा कांस्टेबल रोहित कुमार और लोकेन्द्र कुमार शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब की बिक्री और तस्करी से जुड़े मामलों में कार्रवाई जारी है। बरामदगी के संबंध में दर्ज मुकदमे में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मीरापुर में पुलिस मुठभेड़, 25 हजार का इनामी गैंगस्टर घायल हालत में गिरफ्तार

चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर भागा बाइक सवार, पीछा करने पर जंगल में की फायरिंग, जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से हुआ घायल, तमंचा, कारतूस, बिना नंबर की बाइक और चार एटीएम कार्ड बरामद

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित और इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मीरापुर थाना पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी आदिल रशीद को मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, चुड़ियाला रजवाहे की पुलिया के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार संदिग्ध को रुकने का इशारा किया गया था, लेकिन वह रुकने के बजाय भागने लगा। पीछा करने पर उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसल गई। इसके बाद आरोपी बाइक छोड़कर जंगल की ओर भागा और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन फायरिंग जारी रहने पर जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी घायल हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, कारतूस, घटना में प्रयुक्त बताई गई बिना नंबर की पैशन प्रो मोटरसाइकिल और चार एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। बरामद एटीएम कार्डों की भी जांच की जा रही है।

चेकिंग के दौरान बाइक सवार ने नहीं रोका वाहन

पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, यह कार्रवाई 23 अक्टूबर को मीरापुर थाना पुलिस की टीम ने की। पुलिस टीम सम्भलहेड़ा से कुतुबपुर झाल की तरफ जाने वाले रास्ते पर चुड़ियाला रजवाहे की पुलिया के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कुतुबपुर की तरफ से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने बाइक सवार को नजदीक आने पर रुकने का इशारा किया। आरोप है कि उसने पुलिस के निर्देश का पालन नहीं किया और मोटरसाइकिल को चुड़ियाला रजवाहे की तरफ मोड़कर तेजी से भागने का प्रयास किया। संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए पुलिस टीम ने उसका पीछा शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक, भागते समय कुछ दूरी पर बाइक की गति अधिक होने के कारण वह अनियंत्रित होकर फिसल गई। बाइक गिरने के बाद आरोपी ने उसे मौके पर ही छोड़ दिया और पास के जंगल की तरफ भागने लगा।

पुलिस का दावा—जान से मारने की नीयत से की फायरिंग

पुलिस के अनुसार, जंगल की तरफ भागते समय आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चलाई। पुलिस का दावा है कि बदमाश की ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी को फायरिंग



बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। प्रेस नोट के मुताबिक, चेतावनी के बावजूद आरोपी की ओर से फायरिंग जारी रही। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान आदिल रशीद घायल हो गया और पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में घायल आरोपी को उपचार के लिए भेजा गया। पुलिस ने घटनास्थल से मोटरसाइकिल और हथियार से संबंधित सामान बरामद करने की जानकारी दी है। मुठभेड़ के घटनाक्रम और बरामदगी के संबंध में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित था आरोपी, 25 हजार रुपये का इनाम घोषित

गिरफ्तार आरोपी की पहचान आदिल रशीद पुत्र सगीर निवासी ग्राम चिट्टा, थाना सलेमपुर, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आदिल रशीद मीरापुर थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 130/2026 में भारतीय दंड संहिता के स्थान पर लागू गैंगस्टर कानून के अंतर्गत धारा 2/3 के तहत वांछित चल रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय की ओर से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। जिले में वांछित और पुरस्कार घोषित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मीरापुर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी जानसठ ऋषिका सिंह के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी मीरापुर इन्द्रजीत सिंह के नेतृत्व में की गई।

तमंचा, खोखा और जिंदा कारतूस समेत हथियार बरामद

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा बरामद करने का दावा किया है। इसके साथ एक खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और एक मिस कारतूस भी बरामद हुआ है। पुलिस ने मोटरसाइकिल को घटना में प्रयुक्त वाहन बताया है। हालांकि, मोटरसाइकिल के स्वामित्व और चारों एटीएम कार्डों के संबंध में विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी।

चार एटीएम कार्डों की जांच में जुटी पुलिस

आरोपी के पास से चार एटीएम कार्ड बरामद होने के बाद पुलिस उनकी जानकारी जुटा रही है। प्रेस नोट में बताया गया है कि इन कार्डों की गहनता से जांच की जा रही है। जांच के दौरान कार्डों के धारकों की पहचान, उनके स्वामित्व और बरामदगी की परिस्थितियों की पड़ताल की जाएगी। यदि इन कार्डों का किसी अन्य मामले से संबंध सामने आता है, तो पुलिस उसके आधार पर आगे की कार्रवाई कर सकती है। फिलहाल कार्डों से संबंधित किसी अलग अपराध की पुष्टि नहीं की गई है।

मुजफ्फरनगर में नशीली दवाओं के कारोबार पर औषधि विभाग का शिकंजा, दो थोक फर्मों के लाइसेंस निरस्त

मीरापुर की प्रधान मेडिकल एजेंसी और अंसारी रोड की उर्वशी मेडिकोज पर कार्रवाई, जिला परिषद मार्केट समेत अन्य क्षेत्रों की पांच फर्में भी जांच के घेरे में

मुजफ्फरनगर। नशीली दवाओं के अवैध कारोबार और औषधि नियमों की अनदेखी के मामलों में औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जनपद में जांच के दौरान सामने आई अनियमितताओं के आधार पर दो थोक दवा विक्रेताओं के विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं। इनमें मीरापुर स्थित प्रधान मेडिकल एजेंसी और मुजफ्फरनगर के अंसारी रोड स्थित उर्वशी मेडिकोज शामिल हैं। दोनों फर्मों के खिलाफ अलग-अलग प्रकार की अनियमितताएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। वहीं, जिला परिषद मार्केट समेत अन्य इलाकों की चार से पांच फर्में भी विभाग की जांच के दायरे में बताई जा रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में औषधि कारोबार से जुड़ी अन्य फर्मों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

स्वीकृत पते पर नहीं मिली प्रधान मेडिकल एजेंसी

औषधि विभाग की जांच में मीरापुर स्थित मैसर्स प्रधान मेडिकल एजेंसी के संचालन को लेकर गंभीर सवाल सामने आए। औषधि निरीक्षक देशबंधु विमल की जांच के दौरान फर्म स्वीकृत पते पर संचालित होती नहीं मिली। मौके पर दुकान का भौतिक अस्तित्व और साइन बोर्ड तक नहीं पाया गया। जांच में औषधियों की खरीद-बिक्री और भंडारण भी नहीं मिला। इन परिस्थितियों के आधार पर फर्म के लाइसेंस को लेकर कार्रवाई की संस्तुति की गई, जिसके बाद उसका विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। निलंबन के बावजूद 36 प्रकार की नारकोटिक्स दवाओं की खरीद का मामला

अंसारी रोड स्थित मैसर्स उर्वशी मेडिकोज के मामले में औषधि विभाग की जांच में एक अन्य गंभीर पहलू सामने आया। विभाग के अनुसार, फर्म का लाइसेंस पहले ही निलंबित किया जा चुका था, लेकिन निलंबन अवधि के दौरान भी 36 प्रकार की नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं की खरीद जारी रखी गई। इस मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), देहरादून की सब-जोनल इकाई की ओर से भी जानकारी दी गई थी कि फर्म अपने स्वीकृत पते पर संचालित नहीं हो रही थी। इसके अलावा, फर्म के संबंध में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) से जुड़े मामलों की जांच का भी उल्लेख किया गया है। औषधि विभाग की जांच रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर उर्वशी मेडिकोज का विक्रय लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया। हालांकि, लाइसेंस निरस्त होने की कार्रवाई और एनडीपीएस से जुड़े मामलों की जांच अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। किसी मामले में अंतिम जिम्मेदारी का निर्धारण संबंधित जांच और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही होगा।

औषधि निरीक्षक की रिपोर्ट पर मंडलीय प्राधिकारी ने लिया फैसला

औषधि निरीक्षक देशबंधु विमल ने बताया कि दोनों फर्मों के निरीक्षण और जांच में सामने आई अनियमितताओं के आधार पर लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति उच्च अधिकारियों को भेजी गई थी। सहारनपुर मंडल के औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी नरेश मोहन दीपक ने जांच आख्या के आधार पर दोनों फर्मों के विक्रय लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। विभाग का कहना है कि औषधियों की खरीद-बिक्री, भंडारण और लाइसेंस की शर्तों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निगरानी की जा रही है।

भूपखेड़ी परमात्मानंद आश्रम का वार्षिक महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न

संतों ने प्रेम, सेवा, एकता और सदमार्ग पर चलने का दिया संदेश

खतौली। रतनपुरी थाना क्षेत्र के गांव भूपखेड़ी स्थित श्री राज दरबार परमात्मानंद आश्रम में सतगुरु परमहंस राम रतन महाराज श्री जी का वार्षिक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। महोत्सव में देश-विदेश से हजारों की संख्या में सुंदरसाथ एवं श्रद्धालु पहुंचे। कई दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों के दौरान आश्रम परिसर भजन-कीर्तन, सत्संग और आध्यात्मिक कार्यक्रमों से भक्तिमय बना रहा। संतों ने श्रद्धालुओं को प्रेम, सेवा, सद्भाव, एकता और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। महोत्सव के दौरान साप्ताहिक पारायण की पूर्णाहुति की गई। इसके पश्चात रात्रि में भजन-कीर्तन और सत्संग का आयोजन हुआ। सत्संग में संतों ने श्रद्धालुओं को निंदा, बुराई और नकारात्मक विचारों से दूर रहकर भक्ति एवं सदाचार का जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने विचारों और व्यवहार में सकारात्मकता लाते हुए समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। महोत्सव के दौरान



आयोजित ध्वजारोहण और विशाल भंडारे में उमड़े श्रद्धालु पालकी यात्रा एवं ध्वजारोहण का आयोजन किया गया। इसके बाद विशाल भंडारा हुआ, जिसमें हजारों सुंदरसाथ और श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। आयोजन के दौरान आश्रम में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। अखंड ज्योत की पूर्णाहुति पर संत गौरवानंद जी ने दिया आध्यात्मिक संदेश महोत्सव के अंतिम चरण में अखंड ज्योत की पूर्णाहुति की गई। इस अवसर पर संत श्री गौरवानंद जी ने अपने संदेश में कहा कि जिस प्रकार आश्रम में अखंड ज्योत निरंतर प्रज्वलित रहती है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंतर्मन में ज्ञान, सत्य और भक्ति की ज्योत सदैव जलाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों के बीच भी मनुष्य को सत्य और सदाचार का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। प्रेम, सेवा, करुणा और सद्भाव जैसे गुणों को अपनाकर ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। संतों ने अपने प्रवचनों में कहा कि अच्छे संस्कारों और सकारात्मक विचारों के माध्यम से समाज में बेहतर बदलाव लाया जा सकता है। लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना रखनी चाहिए। मानव सेवा को जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य बताते हुए उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना, समाज में भाईचारा बनाए रखना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। श्री राज दरबार परमात्मानंद आश्रम में आयोजित वार्षिक महोत्सव का समापन आध्यात्मिक चेतना, भक्ति, प्रेम, सेवा और सामाजिक एकता के संदेश के साथ हुआ। आयोजन ने श्रद्धालुओं को अपने जीवन में सदाचार अपनाने, नकारात्मक विचारों से दूर रहने और मानवता के मार्ग पर चलने

खतौली पुलिस ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश



खतौली। वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खतौली पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत प्रभारी निरीक्षक दिनेश चन्द्र बघेल के पर्यवेक्षण में शुक्रवार को खतौली पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस टीम ने प्रदीप पुत्र रमेश निवासी ग्राम नंगला रूद्र को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध थाना रतनपुरी से संबंधित वाद संख्या 545/11/26 में वारंट जारी था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कर्दम सिंह, हेड कांस्टेबल गोपाल और कांस्टेबल नितिन चौधरी शामिल रहे।

जिला कारागार और सखी वन स्टॉप सेंटर का सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया निरीक्षण

बंदियों को संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों की दी जानकारी, पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर के कुशल निर्देशन में शुक्रवार को डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने कारागार की पाकशाला, अस्पताल, पुरुष बैरक, महिला बैरक एवं बाल बैरक का जायजा लिया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने दोषसिद्ध बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बंदी को अपने विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी



सुनीं तथा उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि दोषसिद्ध बंदियों को माननीय उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने के दौरान किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या का सामना करना पड़ता है तो वे अधीक्षक, जिला कारागार, मुजफ्फरनगर के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत करा सकते हैं अथवा अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने अधीक्षक, जिला कारागार को निर्देशित किया कि जिन बंदियों के मामलों का निस्तारण ई-जेल लोक अदालत अथवा जेल लोक अदालत के माध्यम से किया जा सकता है, उनकी सूची तैयार कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराई जाए, ताकि संबंधित

श्री कुन्द कुन्द जैन महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित, सोनिया ने मारी बाजी

खतौली। श्री कुन्द कुन्द जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली के चित्रकला विभाग की ओर से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक अभिरुचि एवं सृजनात्मक कौशल को प्रोत्साहित करना था। प्रतियोगिता में स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विभिन्न रंगों और आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने निर्धारित आकार में पारंपरिक एवं आधुनिक विषयों पर आधारित सुंदर रंगोलियां बनाईं। रंगों के आकर्षक संयोजन, रचनात्मक कल्पना और कलात्मक प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या एवं चित्रकला विभागाध्यक्ष प्रो. नीतू वशिष्ठ तथा निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की रंगोली का कला, रंगों



के संयोजन, सृजनात्मकता और प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में कुमारी सोनिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी दिशा उपाध्याय, संध्या एवं अर्पण मोतला ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि कुमारी मधु एवं वंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में कु. मंतशा, तनु, आयुषी, काजल एवं इफरा सहित अन्य विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रो. अरविन्द कुमार, डॉ. विपिन कुमार बंसल, डॉ. पूजा पुण्डीर एवं डॉ. विशु शामिल रहे। कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी चित्रकला विभाग की प्रवक्ता श्रीमती राधिका शर्मा ने निभाई। अंत में चित्रकला विभाग की प्रवक्ता श्रीमती प्राची ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर ई. आशीष जैन, डॉ. श्वेता मलिक, विकास जैन, निखिल चौहान, श्रीमती एकता राजपूत, श्रीमती विनिता, रजत गुप्ता ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा की सराहना की।

रतनपुरी क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक, महिला पर जानलेवा हमला

45 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल, हायर सेंटर रेफर; ग्रामीणों में दहशत, आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की मांग

खतौली। रतनपुरी क्षेत्र के गांव बरना में आवारा और खूंखार कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कुत्तों के हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ताजा मामला गांव बरना का है, जहां रात के समय घर के बाहर मौजूद 45 वर्षीय बरकेश पत्नी सुरेश पर एक खूंखार कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते के हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में घायल महिला को उपचार के लिए खतौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, महिला रात के समय अपने घर के बाहर मौजूद थी। इसी दौरान अचानक एक खूंखार कुत्ते ने उस पर हमला बोल दिया। कुत्ते ने महिला के चेहरे सहित शरीर के अन्य हिस्सों पर काटकर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने किसी तरह स्थिति को संभाला और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया है।

आवारा कुत्तों के कारण घरों से निकलना मुश्किल

क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनके हमलावर व्यवहार को लेकर ग्रामीणों में चिंता बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है



कि सड़कों, गलियों और आबादी के आसपास घूमने वाले आवारा कुत्तों के कारण लोगों को भय के साये में रहना पड़ रहा है। विशेषकर रात के समय घरों से बाहर निकलने वाले लोगों को अधिक सतर्क रहना पड़ता है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी लोगों में चिंता बनी हुई है।

ग्रामीणों के मुताबिक, आवारा कुत्तों का आतंक केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समय रहते इस समस्या पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। यदि संबंधित विभागों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा हो सकती हैं। महिला पर हुए हमले ने क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या को एक बार फिर गंभीरता से उठाने की जरूरत महसूस कराई है।

प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय निकाय से मांग की है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। आबादी वाले इलाकों में घूम रहे आक्रामक कुत्तों को पकड़ने तथा उनकी उचित निगरानी और प्रबंधन की व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए।

गांव बरना में महिला पर हुए हमले के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा, जिससे भविष्य में किसी अन्य व्यक्ति को इस तरह के हमले का शिकार न होना पड़े।



घर बैठे करें देश-दुनिया के बेस्ट ऑनलाइन कोर्सेज, मिलेगी फ्री सर्टिफिकेशन

आज के समय में अच्छी नौकरी के लिए सिर्फ डिग्री होना ही काफी नहीं है. कंपनियां ऐसे कैंडिडेट्स को प्राथमिकता देती हैं, जिनके पास जरूरी स्किल्स और प्रैक्टिकल नॉलेज भी हो. ऐसे में ऑनलाइन कोर्सेज स्किल डेवलपमेंट का आसान और किफायती तरीका बन गए हैं. खास बात यह है कि कई सरकारी संस्थान और बड़ी टेक कंपनियां घर बैठे ऑनलाइन कोर्स करने का मौका दे रही हैं. इनमें कई कोर्स फ्री हैं, जबकि कुछ के लिए सर्टिफिकेट लेने पर मामूली फीस देना होता है.

SWAYAM और NPTEL से करें IIT-IISc के कोर्स

SWAYAM और NPTEL भारत सरकार की ऑनलाइन लर्निंग पहल हैं. यहां IIT और IISc के प्रोफेसर्स द्वारा AI, डेटा साइंस, प्रोग्रामिंग, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट जैसे सब्जेक्ट्स के कोर्स कराए जाते हैं. कोर्स की पढ़ाई फ्री होती है. वहीं, परीक्षा पास करने के बाद तय फीस देकर ऑफिशियल सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया जा सकता है.

गूगल करियर सर्टिफिकेट से सीखें जॉब ओरिएंटेड स्किल्स

Google Career Certificates के तहत (Data Analytics) डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे कोर्स उपलब्ध हैं. इन कोर्सेज को खास तौर पर जो पहली बार सीख रहे यानि की बिगिनर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. ये स्किल्स आज के जॉब मार्केट में काफी डिमांड में हैं.

स्किल इंडिया डिजिटल हब

Skill India Digital Hub, National Skill Development Corporation (NSDC) का डिजिटल प्लेटफॉर्म है. यहां अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े कई स्किल-बेस्ड कोर्स अवेलेबल हैं. स्टूडेंट्स और नौकरी की तैयारी कर रहे कैंडिडेट्स यहां डिजिटल मार्केटिंग, और साइबर सिक्योरिटी जैसी स्किल्स सीख सकते हैं.

Coursera और edX पर फॉरेन यूनिवर्सिटी के कोर्स

Coursera और edX जैसे प्लेटफॉर्म्स पर Harvard, Stanford और Yale जैसी यूनिवर्सिटीज के ऑनलाइन कोर्स अवेलेबल हैं. कई कोर्स Audit Mode में फ्री में किए जा सकते हैं. कुछ कोर्सेज के लिए फाइनेंशियल ऐड की सुविधा भी अवेलेबल होती है, जिसके जरिए योग्य कैंडिडेट्स सर्टिफिकेट भी फ्री में प्राप्त कर सकते हैं.

कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान

ऑनलाइन कोर्स करते समय हमेशा उसके संस्थान और सर्टिफिकेट की विश्वसनीयता जरूर जांचें. ऐसा कोर्स चुनें जिसमें Self-Paced Learning की सुविधा हो, ताकि पढ़ाई या नौकरी के साथ इसे आसानी से पूरा किया जा सके. इसके अलावा Practical Projects और Real-World Assignments वाले कोर्स को प्राथमिकता दें. इससे स्किल्स को बेहतर तरीके से सीखने और नौकरी में उनका इस्तेमाल करने में मदद मिलेगी.



कॉलेज जाने की नहीं है जरूरत, घर बैठे सीखें ये स्किल्स

करियर ग्रोथ और होगी छप्पर फाड़ कमाई



सिर्फ डिग्री के भरोसे नौकरी पाना आज के समय में मुश्किल होता जा रहा है. ऐसे में हर फील्ड के युवा को कुछ एक्सट्रा स्किल सिखने की जरूरत है. करियर के ग्रोथ और अच्छी सैलरी के लिए ये बहुत जरूरी है. यहां हम आपको 15 ऐसे स्किल बताने जा रहे हैं, जिन्हें सिखने के बाद आपके सामने नौकरी के अवसर खुलेंगे.

आज के दौर में सिर्फ डिग्री होना ही काफी नहीं है. बढ़ते कंप्टीशन के बीच कंपनियां ऐसे कैंडिडेट्स की तलाश करती हैं जिनके पास अतिरिक्त स्किल्स भी हों. अच्छी बात यह है कि अब इंटरनेट की मदद से घर बैठे नई-नई स्किल्स सीखी जा सकती हैं. यदि आप अपनी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाना चाहते हैं या करियर में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो इन स्किल्स को सीखना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. सबसे खास बात ये है कि ये सभी स्किल्स आप घर बैठे ऑनलाइन सिख सकते हैं. कुछ स्किल्स के लिए फ्री ऑनलाइन कोर्सेज भी मिल जाएंगे और कुछ के लिए आपको फीस देनी होगी.

कोडिंग



कोडिंग सिर्फ आईटी प्रोफेशनल्स के लिए ही जरूरी नहीं है. इसकी बेसिक जानकारी होने से वेबसाइट, ऐप और डिजिटल प्रोजेक्ट्स को बेहतर तरीके से समझने और मैनेज करने में मदद मिलती है.

एक्सेल स्किल्स

आज लगभग हर कंपनी डेटा को संभालने और उसका विश्लेषण करने के लिए एक्सेल का इस्तेमाल करती है. बेसिक फॉर्मूला और डेटा मैनेजमेंट सीखकर आप कई क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता बढ़ा सकते हैं.

नई भाषा सीखें

एक अतिरिक्त भाषा सीखना आपके करियर के नए रास्ते खोल सकता है. इससे मल्टीनेशनल कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय अवसरों तक पहुंच आसान हो जाती है.

एडोब फोटोशॉप

फोटो एडिटिंग और डिजाइनिंग की जानकारी मार्केटिंग, मीडिया और कंटेंट इंडस्ट्री में काफी काम आती है. फोटोशॉप सीखकर आप कई क्रिएटिव रोल्स के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं.

फोटोग्राफी



अच्छी फोटोग्राफी स्किल्स ई-कॉमर्स, मीडिया और मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में क्रिएटिविटी लाती है. यह एक उपयोगी और रचनात्मक कौशल है.

लेखन कौशल

स्पष्ट और प्रभावी तरीके से अपनी बात लिख पाना हर फील्ड में जरूरी है. अच्छी लेखन क्षमता आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकती है.

चैटबॉट डेवलपमेंट

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग के बीच चैटबॉट बनाना एक उभरती हुई स्किल है. आज कई प्लेटफॉर्म बिना कोडिंग के भी चैटबॉट बनाना सिखाते हैं.

सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन

स्वह्न की मदद से वेबसाइट और कंटेंट को गूगल जैसे सर्च इंजन में बेहतर रैंक दिलाई जाती है. डिजिटल मार्केटिंग में यह सबसे ज्यादा मांग वाली स्किल्स में से एक है.

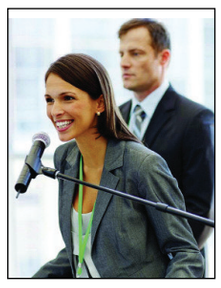
बजटिंग

बजट बनाना और फाइनेंशियल योजना तैयार करना पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों जीवन में उपयोगी है. मैनेजमेंट से जुड़े रोल में यह स्किल्स विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है.

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट

यदि आप फ्यूचर में लीडरशिप की भूमिका निभाना चाहते हैं तो प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सीखना जरूरी है. इससे टीम, समय और संसाधनों का बेहतर मैनेजमेंट करना आसान होता है.

पब्लिक स्पीकिंग



आत्मविश्वास के साथ लोगों के सामने बोलने की क्षमता हर पेशे में काम आती है. ये स्किल आपकी प्रजेंटेशन और लीडरशिप स्किल्स को मजबूत बनाता है.

ग्राफिक डिजाइन

लोगो, पोस्टर, बैनर और सोशल मीडिया क्रिएटिव तैयार करने की कला आज के डिजिटल दौर में काफी मांग में है.

सोशल मीडिया मार्केटिंग

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ब्रांड और बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए एक्सपर्ट की मांग लगातार बढ़ रही है. यह स्किल फ्रीलांसिंग के अवसर भी प्रदान करती है.

माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस

डेटा स्टोर, रिपोर्टिंग और विश्लेषण के लिए इस्तेमाल होने वाला यह टूल अकाउंटिंग, बिजनेस एनालिसिस और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में उपयोगी है.

यूएक्स डिजाइन और वीडियो प्रोडक्शन

यूएक्स डिजाइन उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने पर केंद्रित होता है, जबकि वीडियो प्रोडक्शन आज के डिजिटल कंटेंट युग की सबसे लोकप्रिय स्किल्स में से एक है. वीडियो कंटेंट की बढ़ती मांग के कारण इस फील्ड में करियर के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं.





गूगल को दोस्त बनाना और सीनियर से सवाल करना

इंटर्नशिप कर रहें तो अपनाएं ये आदतें

कॉलेज से निकलकर जब युवा पहली बार नौकरी शुरू करते हैं तो ऑफिस का माहौल उनके लिए बिल्कुल नया होता है. नए काम, नई जिम्मेदारियां और नए लोगों के बीच खुद को ढालना आसान नहीं होता. शुरुआत में गलतियां होना या कुछ चीजें समझने में समय लगना बिल्कुल सामान्य है. ऐसे में अगर आप सीखने की इच्छा रखें और प्रोफेशनल तरीके से काम करें, तो करियर में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं. कुछ चीजें हैं जो इंटर्नस को जरूर करना चाहिए, कुछ चीजें नहीं. एक्सपर्ट कहते हैं उन्हें सवाल पूछने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए. माइक्रोसॉफ्ट में इंजीनियर के रूप में काम करने वाली प्रियंका ने इंटर्नशिप पीरियड के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं इसे लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है.

सवाल पूछने में न हिचकिचाएं

नई नौकरी में हर चीज पहले दिन से समझ आ जाए, ऐसा जरूरी नहीं है. किसी काम को लेकर कंफ्यूजन हो तो अनुमान लगाने के बजाय सीनियर या टीम के मेंबर से सवाल पूछें. सही सवाल पूछने से न सिर्फ काम बेहतर होगा, बल्कि आपकी सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी.

काम की क्वालिटी पर ध्यान दें

ऑफिस में सिर्फ काम जल्दी पूरा करना ही जरूरी नहीं है. कोशिश करें कि जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे सही तरीके से पूरा करें. काम जमा करने से पहले एक बार उसे जरूर चेक करें, ताकि छोटी-छोटी गलतियों को समय रहते सुधारा जा सके. एक्सपर्ट ने सलाह दी कि हर एक चीज को लिखित में रखें. इससे आप मीटिंग में भी ये दिखा पाएंगे कि आपने कहां तक काम किया है और कितना काम बाकी है.

फीडबैक लेते रहें

अपने काम पर सीनियर से फीडबैक लेना करियर ग्रोथ के लिए काफी जरूरी है. सीनियर से पूछें कि आपके काम में क्या बेहतर किया जा सकता है. मिले हुए फीडबैक को सिर्फ सुनें नहीं, बल्कि अगले असाइनमेंट में उसे लागू करने की कोशिश करें.

डेडलाइन का ध्यान रखें

समय की पाबंदी हर प्रोफेशनल के लिए जरूरी है. ऑफिस, मीटिंग या किसी जरूरी काम के लिए तय समय से पहले या समय पर पहुंचने की आदत डालें. इससे आपके प्रति टीम में भरोसा बढ़ता है और आपकी प्रोफेशनल इमेज भी बेहतर होती है. एक्सपर्ट ने कहा कि सिर्फ समय का ही ध्यान नहीं रखें बल्कि जिस भी प्रोजेक्ट पर आप काम कर रहे हैं, उसमें भी डेडलाइन का ध्यान रखें. डेडलाइन बहुत जरूरी है.

नेटवर्किंग पर ध्यान दें

ऑफिस में सिर्फ अपने काम तक सीमित रहने के बजाय टीम के मेंबर के साथ अच्छा रिलेशन बनाएं. जरूरत पड़ने पर दूसरों की मदद करें और उनकी बात भी ध्यान से सुनें. अच्छी नेटवर्किंग आगे चलकर आपके करियर में काम आ सकती है.

नई जिम्मेदारी लेने से पीछे न हटें

अगर कोई नया काम सीखने का मौका मिले तो उसे चुनौती के तौर पर लें. शुरुआत में काम मुश्किल लग सकता है, लेकिन नई जिम्मेदारियां लेने से आपकी स्किल्स और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं. हालांकि, जिम्मेदारी लेने के साथ यह भी जरूरी है कि काम को सही तरीके से पूरा करने के लिए आवश्यक मदद और समय मांगा जाए.

छोटी आदतें बनाएंगी बड़ी पहचान

पहली नौकरी में हर किसी से परफेक्ट होने की उम्मीद नहीं की जाती. सबसे जरूरी है कि आप सीखने के लिए तैयार रहें, अपनी गलतियों से सीखें और प्रोफेशनल व्यवहार बनाए रखें. सवाल पूछना, फीडबैक लेना, समय की कद्र करना और नई जिम्मेदारियां स्वीकार करना जैसी छोटी आदतें लंबे समय में आपके करियर को मजबूत बनाने में मदद कर सकती हैं.

संक्षिप्त समाचार

वेलकम फोटो चौक पर जर्जर मकान का छज्जा गिरा, महिला और बच्ची गंभीर रूप से घायल

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के वेलकम फोटो चौक पर स्थित एक जर्जर मकान का छज्जा



गिरने से महिला व छह वर्ष की बच्ची घायल गई। दोनों घायलों को एंबुलेंस के जरिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बाहर निकलने का रास्ता बंद होने की वजह से घर के अंदर दो महिलाएं फंस गईं। सूचना मिलते ही दमकल की टीम पहुंची। दमकल ने उन्हें बाहर से सीढ़ी लगाकर उतारा। दमकल टीम ने बताया कि गुरुवार रात 11 बजे सूचना मिली थी कि मकान का छज्जा गिरने से दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने घायल महिला जोया व बच्ची को अस्पताल में भर्ती करवाया। इस मकान में करीब 15 लोग रहते हैं। निगम ने मकान को खतरनाक घोषित नहीं किया हुआ था। जांच में पता चला छज्जे पर शौचालय बनाया हुआ था। सीलन की वजह से हादसा हुआ।

मास्टर प्लान 2047: कच्ची कॉलोनियां होंगी पक्की? जाम और जलभराव से निपटने पर भी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। आवास और शहरी कार्य संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने दिल्ली में 2026-27 के दौरान विस्तृत जांच के लिए 25 विषय चुने हैं। इनमें पीएम-ई बस सेवा योजना, रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम का क्रियान्वयन और दिल्ली में अनधिकृत कालोनियों को नियमित करना शामिल है। समिति के चुने गए विषय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के शहरी विकास और राजधानी विकास विभागों से जुड़े हैं। शहरी विकास विभाग के तहत समिति वर्षा जल संचयन की पहलों, पुराने कचरे के निस्तारण, स्मार्ट सिटी के एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्रों के कामकाज और किफायती किराया आवास परियोजनाओं की जांच करेगी। समिति झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास और पुनर्वास की पहलों के साथ-साथ स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), अमृत, अर्बन चैलेंज फंड और पीएम स्वनिधि सहित प्रमुख शहरी कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा करेगी ।समिति शहरी बाढ़ और जल निकासी, यातायात जाम, जीआइएस आधारित मास्टर प्लान तैयार करने, शहरी स्थानीय निकायों को मजबूत करने और शहरी विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी माडल की प्रभावशीलता की जांच करेगी।

दिल्ली में बैठकर अमेरिकियों से ठगी, एप्पल का टेक्निकल असिस्टेंट बनकर चला रहे थे फर्जी कॉल सेंटर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बैठकर अमेरिकी नागरिकों को एप्पल कंपनी का तकनीकी सहायक बताकर ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का पश्चिमी जिले की साइबर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। तिलक नगर के ओल्ड महावीर नगर स्थित इमारत की चौथी मंजिल पर चल रहे इस कॉल सेंटर से दो युवतियों समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में नागालैंड निवासी डेविड उर्फ माइक, दिल्ली निवासी अभिषेक खुंगर उर्फ जान, तंजीम उर्फ एडेन ब्राउन, प्रभात सिंह उर्फ आदम, सेवीनार और हेलेना शामिल हैं। पुलिस ने मौके से चार लैपटॉप, आठ मोबाइल फोन और कई अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपित अमेरिकी नागरिकों के मोबाइल फोन और अन्य उपकरणों पर फर्जी पाप-अप संदेश भेजते थे। संदेश में दावा किया जाता था कि उनकी एप्पल आइडी से ऐप स्टोर पर 149.99 अमेरिकी डालर का संदिग्ध लेनदेन हुआ है।

सर्जरी से पहले ही हो जाएगा 'ड्राई रन' नई तकनीक से डॉक्टर बनाएंगे हड्डी का डिजिटल नक्शा

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्जरी के लिए हड्डी को कहां काटना है, ड्रिल किस दिशा में करनी है या इम्प्लांट कहां लगाना है, सब कुछ पहले से तय किया जा सकेगा। ऐसा थ्रीडी तकनीक से सीटी स्कैन के आधार पर हड्डी का डिजिटल नक्शा बनाकर किया जा सकेगा।

इससे हड्डी के आकार के अनुसार कठीन सर्जरी की 'सर्जिकल गाइड' बनाई जा सकेगी, जिसका ड्राई रन डाक्टर सर्जरी से पहले ही जा सकेंगे कि आपरेशन के दौरान क्या-क्या और किस तरह की परेशानी आएगी। यह सर्जिकल गाइड मरीज की हड्डी के अनुसार होती है, जो छेद या निशान, ड्रिल या काटने वाले उपकरण को सही जगह रखने में डाक्टर की मदद करती है। इसका रोबोटिक या नेविगेशन तकनीक के साथ भी उपयोग किया जा सकता है। सीटी स्कैन की तस्वीरों को कंप्यूटर साफ्टवेयर से जोड़कर हड्डी का थ्रीडी नक्शा तैयार किया जाता है। इसके जरिए डाक्टर अलग-अलग कोण से



देखकर कट की जगह, ड्रिल की दिशा और इम्प्लांट का स्थान तय कर सकते हैं। यहां तक कि जटिल मामलों में इम्प्लांट या स्क्रू की लंबाई, संख्या और आकार को भी पहले से तय किया जा सकेगा। इसमें सर्जरी की योजना के आधार पर डाक्टरों के लिए सर्जिकल गाइड का डिजाइन तैयार होता है। इससे आपरेशन के दौरान आने वाली संभावित चुनौतियों को पहले समझने में मदद मिलती है। घुटना, कंधा प्रत्यारोपण, जटिल फ्रैक्चर, हड्डी की विकृति, बड़े दोष और दोबारा होने वाली सर्जरी में यह बेहद उपयोगी है। निदेशक एवं वरिष्ठ सलाहकार, स्पोर्ट्स इंजरी, ज्वाइंट प्रिजर्वेशन एंड रिप्लेसमेंट सर्जरी डा. गौरव प्रकाश भारद्वाज के अनुसार इससे आपरेशन सरल हो गए हैं और मरीज को भी पहले से यह जानकारी रहती है कि उसके शरीर में सर्जरी के दौरान क्या और कैसे होगा। डेंटल विशेषज्ञ व नेशनल डेंटल कमीशन की डेंटल एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य डा. विवेक कुमार के अनुसार दांतों के इम्प्लांट में थ्रीडी तकनीक से दांत और जबड़े की संरचना समझकर इम्प्लांट की सही जगह और दिशा तय करने में मदद मिलती है। जटिल मामलों में विशेष इम्प्लांट की योजना भी बन सकती है।

प्रगति मैदान में 13 नवंबर से सजेगा व्यापार मेला, 75 लाख के बजट में दिखेगी दिल्ली के विकास की झलक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार दिल्ली मंडप को सजाने और संवारने पर 75 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं आधारभूत संरचना विकास निगम ने इसके लिए निविदा जारी की है। मंडप की बाहरी और आंतरिक सजावट के साथ रूपरेखा तैयार करने और संबंधित सेवाओं की जिम्मेदारी चयनित एजेंसी को दी जाएगी। प्रगति मैदान में 13 से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि दो नवंबर है। तकनीकी प्रस्ताव तीन नवंबर को प्रस्तुति के बाद जांचे जाएंगे। भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में दिल्ली सरकार के दिल्ली मंडप को तैयार करने और उसका प्रदर्शन करने में पिछले साल यानी 2025 में लगभग 1.85 करोड़ का खर्च आया था। इस बजट का प्रबंधन दिल्ली सरकार की बुनियादी ढांचा एजेंसी दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा किया गया था। पिछले साल इस पवेलियन को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम के तहत लाल किले की भव्यता की तर्ज पर डिजाइन किया गया था।

दिल्ली के कालिंदी कुंज में एक्यूआई 267 दर्ज, 5 दिन सताएगी जहरीली हवा, 1 नवंबर से 5 बड़ी पाबंदियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मौसम की स्थिति अनुकूल नहीं होने पर वायु प्रदूषण पांच दिन तक बना रह सकता है। हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों के फैलने की गति धीमी होने से वे लंबे समय तक वातावरण में जमा रहते हैं।



दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर किए गए एक अध्ययन में तापमान को प्रदूषण के उतार-चढ़ाव को प्रभावित करने वाला सबसे अहम मौसमी कारक बताया गया है। अध्ययन के मुताबिक, प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए केवल मौसम के भरोसे रहने के बजाय उत्सर्जन के स्रोतों पर रोक लगाना जरूरी है।

दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 267 दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, हवा की यह स्थिति 'खराब' श्रेणी में आती है। एनवायरनमेंटल पल्यूशन जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में जनवरी 2017 से दिसंबर 2024 तक के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) और मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के शोधकर्ताओं ने तापमान, वर्षा, हवा में नमी और हवा की गति के प्रभावों का अध्ययन किया है।

अध्ययन के अनुसार, आठ वर्षों के दौरान दिल्ली का औसत एक्यूआइ करीब 210 रहा, जो खराब श्रेणी में आता है। वर्ष 2024 का औसत एक्यूआइ 2017 के मुकाबले 8.14 प्रतिशत कम रहा, लेकिन सर्दियों में प्रदूषण के गंभीर दौर बने रहे। शोधकर्ताओं के मुताबिक, नवंबर में स्थिति सबसे ज्यादा खराब रही। इस महीने 53.8 प्रतिशत दिन बहुत खराब और 24.6 प्रतिशत दिन गंभीर श्रेणी में दर्ज किए गए। इसके उलट, जुलाई और अगस्त में बारिश के कारण हवा की गुणवत्ता में सुधार देखा गया। बारिश प्रदूषक तत्वों को वातावरण से हटाने के साथ सड़क की धूल को दोबारा उड़ने से रोकने में भी मदद करती है।

अध्ययन के प्रमुख आंकड़े

2024 में औसत एक्यूआइ में कमी (2017 के मुकाबले) 8.14 प्रतिशत

पहले पांच दिनों में पिछले एक्यूआइ का प्रभाव 93.3 प्रतिशत

16वें दिन तक पिछले एक्यूआइ का प्रभाव 81.1 प्रतिशत

एक्यूआइ में बदलाव में तापमान की हिस्सेदारी 13.2 प्रतिशत

नवंबर में बहुत खराब श्रेणी के दिन 53.8 प्रतिशत

नवंबर में गंभीर श्रेणी के दिन 24.6 प्रतिशत

जुलाई में संतोषजनक हवा वाले दिन 62.7 प्रतिशत

अगस्त में संतोषजनक हवा वाले दिन 60.5 प्रतिशत

शोधकर्ताओं ने सार्वजनिक परिवहन मजबूत करने, इलेक्ट्रिक बसों और टैक्सियों का इस्तेमाल बढ़ाने तथा पराली जलाने पर रोक के लिए राज्यों के बीच बेहतर तालमेल की सिफारिश की है।

10 रुपये के फटे नोट को लेकर ग्राहक ने मारा थप्पड़, आहत डिलीवरी ब्वॉय ने की खुदकुशी

नईदिल्ली, एजेंसी। परिवार का पेट पालने के लिए साइकिल से घर-घर सामान पहुंचाने वाले समीर हुसैन ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि 10 रुपये के एक फटे नोट को लेने से मना करने पर उसे इस कदर प्रताड़ित होना पड़ेगा।

आरोप है कि नोट लेने से इनकार करने पर उसकी बेरहमी से पिटाई की गई। इस घटना से आहत समीर ने अपने साथ हुई मारपीट का दर्द मोबाइल में कई वीडियो बनाकर बयां किया।

5 अक्टूबर को एक पार्क में वीडियो बनाते हुए उसने जहरीला पदार्थ पी लिया। 16 दिन तक जिंदगी के लिए संघर्ष करने के बाद 20 अक्टूबर को एलबीएस अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

कल्याणपुरी थाना पुलिस ने खुदकुशी के लिए उकसाने समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी रामपाल चौधरी और उसके बेटे राकेश चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है।

समीर हुसैन खिचड़ीपुर गांव में अपने परिवार के साथ रहता था। परिवार में उसके पिता जाकिर हुसैन समेत कई सदस्य हैं। वह फ्लिपकार्ट में साइकिल से डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था।



कंपनी के नियम के अनुसार, फटा हुआ नोट स्वीकार नहीं किया जाना था। समीर चार अक्टूबर की रात करीब 150 रुपये के काफी के पैकेट की डिलीवरी करने खिचड़ीपुर, गली नंबर-3 में रामपाल चौधरी के घर पहुंचा था।

समीर के मोबाइल में बनाए गए वीडियो के अनुसार, रामपाल ने उसे 10 रुपये का फटा नोट दिया। समीर ने नोट लेने से मना किया तो आरोप है कि रामपाल ने उसके साथ गाली-गलौज की और अपने बेटे राकेश को बुला लिया। इसके बाद दोनों ने उसकी पिटाई की। किसी तरह वहां से बचकर निकले समीर ने रात करीब 12 बजे पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एलबीएस अस्पताल में उसकी मेडिकल जांच कराई और मारपीट व चोट पहुंचाने की धाराओं में केस दर्ज किया था। 5 अक्टूबर को बनाए गए वीडियो में समीर एक पार्क में बैठा दिखाई दे रहा है। वीडियो में वह अपने साथ हुई घटना के बारे में बताने के बाद उसने बैग से जहरीला पदार्थ निकालकर पी लिया। इस दौरान कहा कि उसके बस में मेहनत करना है। बुजुर्ग ने उसे गरीब कहकर उसके हालात का मजाक उड़ाया। उसने जिंदगी में देख लिया कि कोई किसी का साथ नहीं देता। जहरीला पदार्थ पीने के बाद समीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 16 दिन तक इलाज चलने के बाद उसकी मौत हो गई। उसके बनाए कई वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रावल ने बताया कि पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बेटे संग भारत से भागी रूसी महिला के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी, दिल्ली पुलिस ने शुरू की प्रत्यर्पण की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। नाबालिग बेटे की साझा अभिरक्षा से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस ने साकेत कोर्ट में दाखिल स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट में बताया है कि बेटे को लेकर रूस गई विक्टोरिया बसु के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया गया है।

पुलिस ने महिला को भारत वापस लाने के लिए प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। मामले में पुलिस की कार्रवाई अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गई है।

डिफेंस कॉलोनी थाने की पुलिस की ओर से न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्यर्पण का अनुरोध गृह मंत्रालय को



भेजा गया है। इसे विदेश मंत्रालय और मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा।

वहीं, मामले के सह-आरोपित नताशा के संबंध में जानकारी जुटाने के लिए पुलिस ने यशराज फिल्म्स से भी संपर्क किया है। जांच अधिकारी ने शिकायतकर्ता की ओर से दिए गए दस्तावेजों की जांच लंबित होने का हवाला देते हुए अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है।

क्या है पूरा मामला?: यह मामला सैकत बसु और विक्टोरिया के बीच उनके बेटे की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ा है। बेटे का जन्म 29 अक्टूबर 2020 को हुआ था। विक्टोरिया ने 2023 में सुप्रीम कोर्ट में बेटे की पूरी कस्टडी की मांग की थी। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने साझा अभिरक्षा की व्यवस्था की थी।

इसके बाद जुलाई 2025 में सैकत ने पुलिस को महिला के बेटे के साथ लापता होने की सूचना दी थी। अब साकेत कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट में पुलिस ने अपनी ताजा कार्रवाई का ब्योरा दिया है।

दिल्ली की राजनीति के केंद्र में रहेगी यमुना, 8941 करोड़ के मेगा प्लान से अमित शाह ने सेट किया 2029 का एजेंडा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की सफाई दिल्ली में दशकों से चुनावी वादा रही है, लेकिन नदी की दशा नहीं सुधरी। अब भाजपा ने इसे केवल घोषणा तक सीमित न रखने और अगले लोकसभा चुनाव में अपनी उपलब्धि के रूप में पेश करने का लक्ष्य तय किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को 8941 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर साफ कर दिया कि यमुना को निर्मल बनाना दिल्ली सरकार और भाजपा संगठन, दोनों की प्राथमिकता में है। उन्होंने मई, 2029 के लोकसभा चुनाव में स्वच्छ यमुना के वादे को पूरा करने के आधार पर जनता के बीच जाने की घोषणा कर सरकार और संगठन को स्पष्ट संदेश दिया कि इस दिशा में ठोस परिणाम देने होंगे। मटियाला विधानसभा क्षेत्र के श्याम विहार में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने यमुना की बदहाली के लिए आप और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि निर्मल यमुना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है। इसे पूरा करने के लिए दिल्ली, केंद्र सरकार, हरियाणा और उत्तर प्रदेश एक इकाई की तरह काम कर रहे हैं। लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि गंदा पानी नदी में न गिरे। वर्ष 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी यमुना की सफाई प्रमुख मुद्दा थी। प्रधानमंत्री ने दिल्लीवासियों से स्वच्छ यमुना का वादा किया था।

प्रदूषण पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सख्त: अब वाट्सएप से होगी निगरानी, नियमों को तोड़ने वाली बसों पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का पहला चरण लागू होने के बीच दिल्ली यातायात पुलिस ने पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय बढ़ाने की तैयारी की है।

इसके तहत संबंधित पुलिस और विभागों के बीच त्वरित सूचना साझा करने के लिए अलग व्हाट्सएप समूह बनाया जाएगा। साथ ही, प्रदूषण संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाली अंतरराज्यीय बसों को दिल्ली में प्रवेश से पहले ही सीमाओं पर रोकने और दूसरे मार्गों की ओर मोड़ने पर जोर दिया गया है।

अंतरराज्यीय समन्वय बैठक में कौन-कौन शामिल? पुलिस मुख्यालय में विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) अजय चौधरी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई अंतरराज्यीय समन्वय बैठक में ये निर्देश दिए गए। इसमें पड़ोसी राज्यों और जिलों की पुलिस तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से लागू करने पर जोर दिया गया। बैठक में एक नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक दिल्ली के बाहर पंजीकृत वाहनों पर लागू



प्रवेश प्रतिबंधों की भी समीक्षा की गई।

संबंधित छूट और निर्धारित शर्तों के अधीन प्रतिबंध लागू होंगे। वाहन चालकों को नियमों की जानकारी देने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर प्रमुखता से सूचना पट्ट लगाने पर जोर दिया गया। प्रभावी निगरानी के लिए संयुक्त जांच टीम गठित करने पर भी चर्चा हुई।

बसों के प्रवेश पर रहेगी नजर: निर्धारित नियमों के अनुसार, पात्रता की शर्तें पूरी करने वाली इलेक्ट्रिक, सीएनजी और बीएस-छह डीजल बसों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। नियमों का पालन नहीं करने वाली अंतरशहरी और अंतरराज्यीय बसों को सीमा पर ही दूसरे मार्गों की ओर मोड़ने पर जोर दिया गया।

दिल्ली में देश के सबसे बड़े सीवेज प्लांट समेत 43 प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास, लाखों लोगों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फेज एक, श्याम नगर में आयोजित कार्यक्रम में यमुना पुनर्जीवन और जल आपूर्ति से संबंधित 8941.22 करोड़ रुपये लागत की 43 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने यमुना की सफाई को लेकर दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे काम के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और जल मंत्री प्रवेश वर्मा की सराहना की। कहा, पूर्व की कांग्रेस व आप सरकार की नाकामी के कारण यमुना बदहाल हो गई।



ओखला में देश का सबसे बड़ा सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) का उद्घटान होने से दक्षिणी और मध्य दिल्ली से निकलने वाले सीवेज को शोधित करने में मदद मिलेगी। 1161 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस एसटीपी की क्षमता 124 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) है। दिल्ली में जल आपूर्ति सुधरेगी शाह ने चंद्रावल में 298.3 करोड़ की लागत से 477 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) क्षमता के जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) का भी उद्घाटन किया। वर्ष 1935 और 1955 में स्थापित पुराने चंद्रावल एक और दो डब्ल्यूटीपी की जगह इस नए डब्ल्यूटीपी के शुरू होने से सदर बाजार, चांदनी चौक, मटिया महल, बल्लीमारान, करोल बाग, पटेल नगर, राजेंद्र नगर और नई दिल्ली सहित अन्य विधानसभा क्षेत्रों के लगभग 22 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

बवाना में 13.48 करोड़ रुपये की लागत से 2 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) का रिसाइकलिंग प्लांट भी शुरू होने से इस क्षेत्र के 67 हजार लोगों को लाभ मिलेगा। 2827.11 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का लोकार्पण और 6114.11 करोड़ रुपये की 33 का शिलान्यास किया गया। रिठाला-ढ्ढ और कोंडली, के एसटीपी का उन्नयन कार्य पूर्ण हुआ। 1041 करोड़ की लागत से 8 एसटीपी का उन्नयन होगा। बाहरी दिल्ली में 3113.67 करोड़ की लागत से 29 नए विकेंद्रीकृत सीवेज उपचार संयंत्रों (डीएसटीपी) का शिलान्यास। यमुना में गिरने वाले नजफगढ़ नाले को साफ करने में मदद मिलेगी।

1,691 करोड़ की लागत से 1034 किलोमीटर सीवर नेटवर्क बिछाया जाएगा, जिससे करीब 25.82 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।

द्वारका और जनकपुरी में 29.20 करोड़ रुपये की लागत से 3.96 किलोमीटर पुरानी ट्रंक और पेरिफेरल सीवर लाइन बनाया जाएगा।

गोकलपुर, नरेला रणहौला सहित कई कालोनियों में सीवर लाइन की सुविधा उपलब्ध होगी। मुंडका हाल्ट स्टेशन से नजफगढ़ सप्लीमेंट्री ड्रेन तक 225.02 करोड़ की लागत से 4.5 किलोमीटर ड्रेन बनेगा जिससे जलभराव की समस्या दूर होगी।

अदालत में पेश होने से पहले अपराधी ने डॉक्टर को मारा थप्पड़, पुलिस भी थी मौजूद; चिकित्सक संघ नाराज

वर्धा, एजेंसी। महाराष्ट्र के वर्धा जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुलिस की मौजूदगी में ही एक अपराधी ने महिला चिकित्सा अधिकारी को थप्पड़ मार दिया। इस घटना से चिकित्सक समुदाय में भारी रोष फैल गया है। घटना आर्वी तालुका के तलेगाव श्यामजी पंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई। वहां डॉ. श्रद्धा भुमरे चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस अदालत में पेश करने से पहले आरोपी की मेडिकल जांच के लिए उसे लेकर आई थी। जांच पूरी होने और आरोपी से हस्ताक्षर कराने के बाद उसने अचानक डॉक्टर के गाल पर थप्पड़ मार दिया। आरोपी कादिर अली रज्जाक अली स्थानीय निवासी है और उस पर पहले भी कई मामले दर्ज हैं। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। उपस्थित पुलिसकर्मी हैरान रह गए और उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। लेकिन घटना से वहां मौजूद मरीज और अस्पताल कर्मचारी



भी स्तब्ध रह गए। सरकारी चिकित्सक संघ ने इस घटना का कड़ा विरोध जताया है। राजपत्रित चिकित्सा अधिकारी संघ के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर शिकायत की और निवेदन सौंपा। उन्होंने कहा कि घटना के समय मौजूद पांच पुलिसकर्मियों ने जरूरी सावधानी नहीं बरती, जो कर्तव्य में लापरवाही है। संघ ने मांग की है कि आरोपी पर सख्त मामला दर्ज किया जाए और आरोपी को लाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई हो। जब तक ऐसा नहीं होता, बाहरी रोगी विभाग (ओपीडी) बंद रखा जाएगा। राज्य स्तरीय संगठन मैगमो को भी घटना की जानकारी दी गई है। संघ के डॉ. श्रीधर ताम्हणकर, डॉ. अमोल येळणे और डॉ. स्नेहल राठोड ने स्पष्ट कहा कि महिला चिकित्सा अधिकारी पर हुए ऐसे हमले को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आवारा कुत्ते को पेड़ से लटकाकर उतारा मौत के घाट, वीडियो वायरल होने पर 3 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के गुंजूर इलाके से एक बेहद ही दर्दनाक और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है. यहां कुछ लोगों ने मिलकर एक बेजुबान आवारा कुत्ते को न केवल बुरी तरह पीटा, बल्कि उसे पेड़ से लटकाकर उसकी जान ले ली. इस क्रूरता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बेंगलुरु की वरथुर थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है. यह खौफनाक वारदात गुंजूर स्थित ग्रीन वुड हाई स्कूल के पास की बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक, स्कूल के ठीक सामने आरोपियों ने इस बेजुबान जानवर को अपनी हैवानियत का शिकार बनाया. आरोपियों ने कुत्ते को एक पेड़ से लटकाया और लकड़ी के डंडों से पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया. इस पूरी घटना का वीडियो वहां लगे एक सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गया. इसके अलावा, आरोपियों में से ही किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर आपस में शेयर किया था, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और आम लोगों में भारी आक्रोश फैल गया.

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के नए चीफ ने तैनात की बार्डर एक्शन टीम

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। पाकिस्तान में एक महीने पहले हुए बड़े नेतृत्व परिवर्तन के तहत मेजर



जनरल मुहम्मद शमरेज खान को देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब गुलाम कश्मीर में बने लांचपैड से भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने में लगातार नाकामी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तानी हुक्मरानों को उम्मीद है कि खान इस घुसपैठ की रणनीति में आमूल-चूल बदलाव करेंगे और जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में आतंकवादियों की एंट्री सुनिश्चित करेंगे, ताकि वे वहां लंबे समय तक सक्रिय रह सकें। भारतीय खुफिया ब्यूरो (आईबी) के एक अधिकारी के अनुसार, शमरेज खान वर्तमान में उन आतंकी समूहों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जो भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ कराने की फिराक में हैं। अधिकारी ने बताया कि खान ने अभी तक किसी तरह का उतावलापन नहीं दिखाया है, बल्कि वे बार्डर एक्शन टीमों (बैट) को मजबूत करने की दिशा में ठोस काम कर रहे हैं ताकि आतंकवादियों की घुसपैठ में मदद मिल सके। आईएसआई पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर ऐसी कई टीमों को गठित करने की तैयारी में है। नई रणनीति के तहत, इन 'बैट' टीमों का आकार छोटा होगा, जिसमें पहले जहां 7 से 10 सदस्य होते थे, वहीं अब अधिकतम चार से पांच सदस्य (दो पाकिस्तानी कमांडो और दो आतंकवादी) ही शामिल किए जाएंगे।

हिमाचल में बारिश और बर्फबारी बढ़ाएगी ठंड, सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में कल यानी 24 अक्टूबर से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा



है। प्रदेश में फिर से बारिश व बर्फबारी के आसार बन रहे हैं, जिससे ठंड में इजाफा होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार 24 और 25 अक्टूबर को प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में एक एक दो स्थानों पर हिमपात या वर्षा हो सकती है। पांच जिलों कांगड़ा, चंबा, कुल्लू, लाहुल-स्पीति व मंडी में बारिश और बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। बाकी स्थानों पर मौसम के साफ रहने का अनुमान है। सोलन और सुंदरनगर की अपेक्षा शिमला और कुफरी की रातें ज्यादा गर्म दर्ज की जा रही हैं। सुंदरनगर का बुधवार रात का तापमान 0.2 डिग्री की गिरावट के साथ 9.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि सोलन में 2 डिग्री की वृद्धि के कारण 8.5 डिग्री दर्ज किया गया। शिमला के कुफरी में न्यूनतम तापमान में सबसे अधिक 3.4 डिग्री की वृद्धि के कारण 10.4 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि शिमला का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में धूप खिलने के बावजूद कुछ एक स्थानों पर तापमान में तापमान में वृद्धि तो कुछ में गिरावट आई है। नाहन में अधिकतम तापमान में 0.8 डिग्री की गिरावट आने के कारण दिन का तापमान 24.1 डिग्री दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.2 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि केलंग में 0.2 डिग्री की मामूली वृद्धि के बावजूद सामान्य से 5.6 डिग्री अधिक दर्ज किया गया है।

तमिलनाडु में 16 साल लड़के ने की आत्महत्या, मां का आरोप- स्कूल में बीफ खाने को लेकर उड़ाया मजाक

कोयंबटूर, एजेंसी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में 11वीं के छात्र ने आत्महत्या कर ली। आरोप है कि पीलामेडु इलाके में सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में पढ़ने वाले इस छात्र को बीफ खाने को लेकर उसके दो



सहपाठियों और एक शिक्षक ने परेशान किया था।

कोयंबटूर के पीलमेडु के पास अविनाशी रोड पर स्थित श्री के.के. नायडू हायर सेकेंडरी स्कूल के क्लास टीचर विजयकुमार, हेडमास्टर अरुण कुमार और दो छात्रों के खिलाफ पीलमेडु पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और अन्य अपराधों के आरोप में मामला दर्ज किया है।

मां ने पुलिस को क्या बताया: पुलिस ने मृतक छात्र की पहचान 16 साल के ए. अकिलन के रूप में की है। उसके पिता का नाम अशोक कुमार और मां का नाम कौशल्या देवी है। कुमार मुन्नार के एक रिसॉर्ट में लॉन्ड्री मैनेजर के तौर पर काम करते हैं, जबकि कौशल्या घरों में काम (घरेलू सहायिका) करती हैं। बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे काम से घर लौटने पर कौशल्या ने अपने बेटे को बेडरूम की छत से लटका हुआ पाया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

टीचर ने पूछा था बीफ खाने को लेकर सवाल: पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कौशल्या ने बताया कि कुछ महीने पहले उनके बेटे के क्लास टीचर ने अनुसूचित जाति के छात्रों का स्कॉलरशिप स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन करते समय क्लास में पूछा कि कौन-कौन बीफ खाता है। इस पर अकिलन और एक अन्य छात्र खड़े हो गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद अकिलन के दो सहपाठियों ने उसकी जाति का नाम लेकर उसे परेशान करना शुरू कर दिया। उन्होंने उसके साथ मारपीट भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि जब अकिलन ने इस बारे में शिक्षक और प्रधानाध्यापक से शिकायत की तो उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।

किन धाराओं में दर्ज हुआ मामला?

पुलिस ने बीएनएस की धाराओं 115(2) और 108, तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुधवार शाम को अकिलन के माता-पिता और रिश्तेदारों ने पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मामले की उचित जांच करने और शिक्षक तथा प्रधानाध्यापक को गिरफ्तार करने की मांग की। पोस्टमार्टम न हो पाने की वजह से गुरुवार रात तक शव परिवार को नहीं सौंपा गया। पुलिस उपायुक्त थंगादुरई ने बताया कि पुलिस आयुक्त स्तर पर मामले की जांच चल रही है। बाल कल्याण समिति भी इस मामले की जांच कर रही है।

अरुणाचल में चीनी सैनिकों से अब भी तनातनी! आईटीबीपी चीफ बोले- हमारे शौर्य कमांडो तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस प्रमुख शत्रुजीत सिंह कपूर ने गुरुवार को बताया कि आईटीबीपी ने शौर्य कमांडो नाम से एक नई लड़ाकू इकाई तैयार की है। इन कमांडो ने अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर चीनी सेना के साथ चल रहे गतिरोध के दौरान अपनी क्षमताएं साबित की हैं। कपूर ने कहा कि हर बॉर्डर बटालियन में कमांडो तैनात किए जाएंगे, क्योंकि यह फोर्स चीन के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर अपनी युद्ध-तैयारी को मजबूत कर रही है।

आईटीबीपी प्रमुख ने क्या कहा: आईटीबीपी प्रमुख की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब यह बल अपने आधुनिकीकरण अभियान को तेज कर रहा है, जिसमें नई युद्ध तकनीकों और विशेष प्रशिक्षण पर अधिक जोर दिया जा रहा है।

24 अक्टूबर को आईटीबीपी के 65वें स्थापना दिवस से पहले राजस्थान के अलवर में एक आईटीबीपी बेस पर जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि भारत के सबसे बड़े विरोधी चीन का मुकाबला करने के लिए युद्ध के पारंपरिक तरीके अब



काफी नहीं हैं। बटालियनों में ड्रोन प्लाटून बनाए हैं और अपने जवानों को ड्रोन चलाने तथा इस तकनीक को विकसित करने के लिए प्रशिक्षित कर रहा है। कपूर ने बताया कि आईटीबीपी को सरकार से 400 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली है, जिसमें से 70% राशि का इस्तेमाल उसकी ड्रोन युद्ध क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने 4,000 करोड़ रुपये की आधुनिकीकरण योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसमें ड्रोन और एंटी-ड्रोन सिस्टम के लिए 1,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। आईटीबीपी ने एक नया स्ट्राइक कोर्स भी तैयार किया है, ताकि जवानों को जून 2020 की गलवान घाटी जैसी लड़ाई की स्थितियों के लिए तैयार किया जा सके। कपूर ने बताया कि 2027 के अंत तक पूरी फोर्स को यह ट्रेनिंग दे दी जाएगी। पूर्वी लद्दाख में गलवान झड़प के दौरान चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक मुठभेड़ में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। बाद में चीन ने भी अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार की थी। युद्ध प्रशिक्षण और तकनीक के अलावा यह बल अग्रिम इलाकों में बुनियादी ढांचे को भी मजबूत कर रहा है। कपूर ने बताया कि आईटीबीपी सीमावर्ती इलाकों में जमीन के नीचे आश्रय स्थल बना रही है, ताकि संघर्ष की स्थिति में जोखिम को कम किया जा सके क्योंकि जमीन के ऊपर बनी संरचनाएं युद्ध के दौरान आसानी से निशाना बन सकती हैं।

दौसा-मनोहरपुर एनएच पर टायर फटने से खाई में गिरी कार, खाटू श्याम से दर्शन कर लौट रहे 4 श्रद्धालुओं की मौत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। रायसर के पास एक कार का टायर फटने से चार लोगों की मौत हो गई।

टायर फटते ही कार बेकाबू होकर सड़क किनारे एक गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में चार लोगों की मौत और दो अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। राजस्थान में ये हादसा सुबह छह बजे के करीब हुआ। टायर फटते ही ड्राइवर का कार से कंट्रोल छूट गया। इसके बाद कार खाई में जाकर गिरी, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद के लिए पुलिस को फोन किया। इस दौरान स्थानीय लोगो



ने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाल लिया। घायलों को अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वहीं मृतकों के शवों को मोर्चरी भेजा दिया गया है। हादसे की मुख्य वजह टायर फटना ही था। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान हो चुकी है। इसमें अतुल. रुपेश, मुकुल और शिवा के तौर पर हुई है। सभी आगरा के निवासी थे। सभी खाटू श्याम से दर्शन कर वापस घर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि इस हादसे में राहुल और अर्पित दोनों गंभीर रूप से घायल हैं। इस हादसे के बाद सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की काफी लंबी लाइन लग गई। दौसा-मनोहरपुर नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। घायलों को अस्पताल भेजने तक जाम लगा रहा। इसके बाद पुलिस ने जाम को खत्म करवाया। जाम की वजह से करीब एक घंटे तक यात्रियों को परेशानी हुई। पुलिस ने क्रेन की मदद से खाई में गिरी कार को बाहर निकाला। वहीं राजस्थान के दौसा के एक और हादसे में दिल्ली से कोटा जा रहा एक लोडिंग टेम्पो खाई में पलट गया। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए हैं।

सुना है चचा साइकिल छोड़ पतंग उड़ाने की तैयारी में हैं', आजम खान से मिलने पर राजभर का अखिलेश पर तंज

लखनऊ, एजेंसी। सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव और आजम खान की मुलाकात पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सुने ये हैं कि आपके ख़याली गृहमंत्री ने आपसे सीधे सीधे कह दिया कि अगर पार्टी में रोकना है तो उन्हें गृह नहीं, सीएम की कुर्सी चाहिए। राजभर ने ट्वीट कर लिखा, कैसी रही आजम चचा से मुलाकात? सुना है चचा साइकिल छोड़ पतंग उड़ाने की तैयारी में हैं। सुने ये भी है कि आपके ख़याली गृहमंत्री ने आपसे सीधे सीधे कह दिया कि अगर पार्टी में रोकना है तो उन्हें गृह नहीं, सीएम की कुर्सी चाहिए। यूपी के मुसलमानों ने सैफई वालों को कई बार मुख्यमंत्री बना दिया... थोड़ा बलिदानी आपको बनने की नसीहत मिलने लगी है।' राजभर ने आगे लिखा, 'रामपुर से हमारे विश्वस्त सूत्र बता रहे हैं कि खान चचा से आपकी बात बन नहीं पाई।सेटिंग नहीं बैठ पाई। ओवैसी ने रामपुर में आपका काम लगा दिया।' राजभर ने अखिलेश को नसीहत देते हुए लिखा, 'सुनिए महाराज, वैसे भी आपकी सरकार आने नहीं जा रही इसलिए दिल पर पत्थर रखकर घोषणा कर दीजिए कि सपा की सरकार बनने पर किसी मुस्लिम को मुख्यमंत्री बनाएंगे। जय भारत, जय श्रीराम, जय श्रीकृष्ण, जय महाराजा सुहेलदेव।'

पंजाब विधानसभा में डीएपी पर हंगामा, विपक्ष के विरोध के बीच स्पीकर बोले- 'इन्हें सिर्फ खबरें छपवानी हैं'

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा में डीएपी खाद की उपलब्धता पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच शोर-शराबा होता रहा। विधायक राणा इंद्र प्रताप ने किसानों को डीएपी की आपूर्ति और खाद के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग का मुद्दा उठाया तो कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां सरकार का पक्ष रखने लगे।

इसी दौरान विपक्षी विधायकों की नारेबाजी और सदन में व्यवधान के बीच स्पीकर को बार-बार सदस्यों को अपनी-अपनी सीटों पर बैठने के निर्देश देने पड़े। स्पीकर ने विपक्ष पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन्हें खबरें छपवानी हैं। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के विधायकों से सदन की मर्यादा बनाए रखने और मंत्री का जवाब सुनने की अपील की।

राणा इंद्र प्रताप ने डीएपी की उपलब्धता का सवाल उठाया। इसके जवाब में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए पंजाब में सात लाख मीट्रिक टन डीएपी की मांग का अनुमान लगाया गया है। सरकारी और निजी एजेंसियों के माध्यम से अब तक 5.33 लाख मीट्रिक टन डीएपी किसानों को उपलब्ध कराई गई है। मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री के जवाब के दौरान सदन में शोर-



शराबा जारी रहा। स्पीकर ने सदस्यों को टोकते हुए कहा कि पंजाब की खेती और किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया जा रहा है। उन्होंने विपक्षी विधायकों से सवाल-जवाब की प्रक्रिया में व्यवधान नहीं डालने और मंत्री को अपनी बात पूरी करने देने की अपील की। हंगामा बढ़ने पर उन्होंने बार-बार सभी सदस्यों को अपनी-अपनी जगह पर बैठने के लिए कहा।

केंद्र से पत्राचार और कार्रवाई का दिया हवाला खुड्डियां ने बताया कि डीएपी की आपूर्ति को लेकर केंद्र सरकार के उर्वरक मंत्री को पत्र लिखे गए हैं। मुख्यमंत्री की ओर से भी केंद्र के समक्ष यह मामला उठाया गया है। उन्होंने कहा कि खाद की बिक्री में अनियमितताओं की शिकायतों पर एफआइआर दर्ज की गई हैं और कुछ मामलों में लाइसेंस रद करने की कार्रवाई भी हुई है। मंत्री ने विधायकों से कहा कि यदि उनके क्षेत्रों में खाद की उपलब्धता या बिक्री को लेकर कोई शिकायत है तो संबंधित कृषि अधिकारियों को इसकी जानकारी दें।

तमिलनाडु, पुडुचेरी में भारी बारिश, 15 घंटे के भीतर दिल्ली, यूपी समेत 11 राज्यों में बदलेगा मौसम

चेन्नई, एजेंसी। मौसम विभाग ने 23 अक्टूबर के लिए कई राज्यों में भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में रात से ही बारिश हो रही है और आगे भी अति भारी बारिश की आशंका है। वहीं, आज से उत्तर भारत के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में भी मौसम बदलने वाला है। दिल्ली समेत कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

मदुरै में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण शहर में भीषण जलभराव देखा गया। कई घरों में पानी भर गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। शहर के सेल्लूर इलाके से दृश्य। मदुरै नगर निगम आयुक्त गौरव कुमार, विधायक ए. कल्लनई के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और तमिलनाडु के आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इससे पूर्वी और दक्षिणी भारत में तूफानी हवाएं चलने की संभावना है। अंडमान सागर के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण भी सक्रिय है।

11 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट: यूपी, दिल्ली, बिहार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड और तेलंगाना में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कई जगहों पर 75 किलोमीटर प्रति



घंटे तक की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने का अलर्ट है।

दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत: दिल्ली में 23 अक्टूबर को बारिश और सतही हवाओं का अलर्ट है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। बिहार के पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, गया, पटना, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में बारिश और आंधी की चेतावनी है।

पहाड़ी राज्यों में अलर्ट: उत्तराखंड के नैनीताल, देहरादून, हरिद्वार, चमोली समेत कई जिलों में भारी बारिश और 60-65 किमी प्रति घंटे की हवाओं का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश के मंडी, कुल्लू, कांगड़ा आदि में भी भारी बारिश और आंधी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में भी मध्यम बारिश और आंधी का अलर्ट जारी है।

संक्षिप्त समाचार

मौत के बाद लिंडसे ग्राहम पर गंभीर आरोप

डॉक्यूमेंट्री में यौन संबंधों को लेकर दावे, पैसे देकर किया गंदा काम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम की निजी



जिंदगी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी समाचार और टिप्पणी कार्यक्रम द यंग टर्क्स की एक डॉक्यूमेंट्री में तीन पुरुषों ने दावा किया है कि ग्राहम ने उनके साथ यौन संबंध बनाने के लिए पैसे दिए थे। इनमें से एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि 2001 में जब उसकी मुलाकात ग्राहम से हुई, तब वह नाबालिग था। अमर उजाला इन आरोपों की पुष्टि नहीं करता है। द वॉशिंगटन टाइम्स और द न्यू रिपब्लिक की रिपोर्ट के अनुसार, ग्राहम की मौत के करीब चार महीने बाद गुरुवार को यह डॉक्यूमेंट्री जारी की गई। इसका नाम 'द क्लोसेटोक्रेसी' है। इसमें तीन ऐसे लोगों के बयान शामिल हैं, जिन्होंने खुद को पुरुष एस्कॉर्ट बताया है। उनका दावा है कि 2001 से 2015 के बीच ग्राहम ने उन्हें पैसे देकर यौन संबंध बनाए। डॉक्यूमेंट्री में ग्राहम के कथित निजी व्यवहार और एलजीबीटीक्यू+ अधिकारों से जुड़े कानूनों के खिलाफ उनके लंबे राजनीतिक रुख के बीच अंतर को दिखाने की कोशिश की गई है। इस मामले से जुड़ी एक वेबसाइट 'द लिंडसे ग्राहम फाइल्स' भी बनाई गई है, जिस पर आरोपों और उनसे जुड़ी घटनाओं की समयरेखा दी गई है। डॉक्यूमेंट्री में केल्विन नाम के एक व्यक्ति ने दावा किया कि 2001 में जब उसकी ग्राहम से मुलाकात हुई, तब उसकी उम्र 17 साल थी। याहू की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वीडियो क्लिप में वह कहता है, 'मेरा नाम केल्विन है और मैंने लिंडसे ग्राहम के साथ यौन संबंध बनाए थे, जब मैं 17 साल का था।' केल्विन ने बताया कि उसने कुछ समय के लिए यह काम इसलिए किया, क्योंकि उसका परिवार इतना गरीब था कि उसके पास कपड़े खरीदने तक के पैसे नहीं थे। उसके मुताबिक, ग्राहम ने उससे एक एस्कॉर्ट वेबसाइट के जरिए संपर्क किया था। केल्विन के अनुसार, उसे एरिजोना में तत्कालीन अमेरिकी सीनेटर जॉन मैक्केन के फार्महाउस पर बुलाया गया था। उस समय दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर ग्राहम वहां मेहमान के रूप में ठहरे हुए थे।

वॉशिंगटन के होटल में मुलाकात का दावा

डॉक्यूमेंट्री में कोरी नाम के एक अन्य व्यक्ति ने भी ग्राहम को लेकर दावा किया। उसके मुताबिक, उसे एक काली एसयूवी में बैठाकर वॉशिंगटन डीसी के एक लग्जरी होटल ले जाया गया था, जहां उसे ग्राहम के साथ रहना था। कोरी ने कहा कि शुरुआत में उसे यह पता नहीं था कि वह व्यक्ति कौन था। कुछ महीने बाद उसने टीवी पर उस व्यक्ति को देखा। स्क्रीन पर नीचे 'लिंडसे ग्राहम' नाम लिखा था, तब उसे पता चला कि वह किससे मिला था। डॉक्यूमेंट्री में तीसरे व्यक्ति जेसी का भी जिक्र है। उसने दावा किया कि 2012 और 2014 में वॉशिंगटन के द बीकन और डेज इन होटल में ग्राहम के साथ उसकी कथित तौर पर पैसे देकर मुलाकात हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, कोरी ने दावा किया कि 11 नवंबर 2015 को ग्राहम ने उसे वॉशिंगटन के मेफ्लावर होटल में यौन संबंध बनाने के लिए 1,500 डॉलर दिए थे। डॉक्यूमेंट्री में तीनों लोगों ने अपने चेहरे और पहचान उजागर करते हुए बयान दिए। फिल्म में दावा किया गया कि वे एक-दूसरे से पहले कभी नहीं मिले थे, लेकिन उन्होंने जिस व्यक्ति का जिक्र किया, वह एक ही था।

ग्राहम ने पहले क्या कहा था?

लिंडसे ग्राहम ने वर्षों तक सार्वजनिक जांच और चर्चाओं के बावजूद अपनी निजी जिंदगी के बारे में विस्तार से बात नहीं की थी। अक्टूबर 2018 में अभिनेत्री चेल्सी हैंडलर ने सार्वजनिक रूप से ग्राहम की यौन पहचान को लेकर आरोप लगाए थे। इसके बाद रीगन नेशनल एयरपोर्ट पर टीएमजेड को दिए एक इंटरव्यू में ग्राहम ने कहा था, 'जहां तक इसका महत्व है।

यूएनः 'जो अपने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा नहीं दे सकता, वो भारत को लेक्चर न दे'

अल्बानी, एजेंसी। धार्मिक अल्पसंख्यकों संग बर्ताव को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की तीखी आलोचना की। भारत ने आरोप लगाए कि पाकिस्तान अपने देश के कमजोर समुदायों की रक्षा करने में नाकाम रहा है और उल्टा भारत को धार्मिक आजादी, अल्पसंख्यकों के साथ बर्ताव को लेकर भाषण देने की कोशिश कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में धार्मिक आजाद और दफनाने के अधिकार पर विशेष चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने कोरोना महामारी के समय धार्मिक भेदभाव और आतंकियों के अंतिम संस्कार के अधिकारियों की वकालत पर सवाल उठाए। मंगलानंदन ने कहा कि रिपोर्ट में महामारी के दौरान वैश्विक दक्षिण के देशों में कथित भेदभाव का मुद्दा उठाया गया है, लेकिन विकसित देशों में हुई ऐसी घटनाओं को



पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। भारत की प्रतिनिधि ने इंसानी तकलीफ के राजनीतिकरण को लेकर चेताया कि धार्मिक आजादी के कथित उल्लंघन को बिना किसी भेदभाव के देखना चाहिए, न कि राजनीतिक मकसद से घटनाओं को चुनकर दिखाना चाहिए। आतंकवादियों के अंतिम संस्कार के अधिकार संबंधी रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए भारतीय राजनयिक ने कहा कि अपराधियों के अधिकार, आतंकी हमलों के शिकार लोगों के अधिकारों पर भारी नहीं पड़ने चाहिए। उन्होंने कहा, एक आतंकवादी न सिर्फ बेगुनाह लोगों को मारता है बल्कि देश की सोच को भी नुकसान पहुंचाता है। 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तान के रिकॉर्ड पर निशाना साधते हुए मंगलानंदन ने कहा कि धार्मिक आजादी और दफनाने के अधिकार पर पाकिस्तान की स्थिति अजीब थी क्योंकि उसने अपने ही मारे गए सैनिकों के शवों के साथ बुरा बर्ताव किया। भारतीय राजनयिक ने कहा कि 'यह बहुत अजीब बात है कि एक ऐसा देश, जिसने कारगिल युद्ध के दौरान अपने सैनिकों के शवों के साथ बुरा बर्ताव किया, वह बेशर्मी के साथ आस्था, धार्मिक आजादी और शवों को दफनाने के अधिकारों की बात कर रहा है।' मंगलानंदन ने कहा, पाकिस्तान भारत पर टिप्पणी करने के बजाय पीओके पर ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों का मुद्दा उठाते हुए मंगलानंदन ने कहा, 'पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की संख्या कम हो रही है। जो देश अपने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा नहीं दे सकता, उसे भारत को लेक्चर नहीं देना चाहिए।' पाकिस्तान में अक्सर हिंदू लड़कियों के अपहरण और उनके जबरन धर्मांतरण की खबरें आती हैं। यूएन के यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑफ द हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स के विशेषज्ञों ने भी पाकिस्तान में जबरन शादी और धर्मांतरण के मामलों पर चिंता जताई थी।

ताइवान की संसद में 42 फीसदी महिलाएं: 80 साल पुराने आरक्षण मॉडल ने बदली तस्वीर, एशिया में सबसे आगे

ताईपे, एजेंसी। भारत में संसद से लेकर विधानसभाओं तक महिलाओं के उचित प्रतिनिधित्व के लिए चल रही सियासत के बीच ताइवान दुनियाभर के लिए नजीर बनकर सामने आया है। जिस ताइवान को दुनिया अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर चिप के सबसे बड़े निर्माता के नजरिये से देखती है, उसी 2.3 करोड़ की आबादी वाले द्वीप ने लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी के लिए और लैंगिक भेदभाव खत्म करने के लिए दुनिया का सबसे लंबा अभियान चलाया है। करीब 80 साल पहले शुरू की गई आरक्षण व्यवस्था का नतीजा यह निकला कि आज ताइवान की संसद में 42% सीटों पर महिलाएं काबिज हैं। यह पूरे एशिया में सबसे अधिक है और यूरोपीय देशों के बराबर है। यही नहीं, ताइवान 2016 में त्साइ इंग-वेन के रूप में अपनी पहली महिला राष्ट्रपति चुन चुका है और दो बार महिलाओं को उप-राष्ट्रपति भी बना चुका है। इस उपाय ने ऐसा रास्ता तैयार किया कि आज बड़ी संख्या में महिलाएं सामान्य चुनावी मुकाबलों में भी अपनी जगह बना रही हैं। खास बात यह है कि ताइवान ने 2008 में एकल-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों में लैंगिक कोटा समाप्त कर दिया। इसके बाद भी संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ता रहा। ताइवान का यह प्रयोग साबित करता है कि जब महिलाओं को कानूनी सुरक्षा (कोटा) के जरिए शुरुआती मंच दिया जाता है, तो समय के साथ वे अपनी काबिलियत के दम पर उस बैसाखी को बेअसर कर देती हैं और बराबरी के मैदान में अपनी योग्यता का परचम लहराती हैं। ताइवान ने महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए आरक्षित सीटों और चुनावी कोटा का इस्तेमाल दूसरे कई देशों से पहले शुरू किया था। जरूरत पड़ने पर समय-समय पर इसमें बदलाव भी करता रहा।

लाल सागर में आखिर क्या हुआ? 14 भारतीयों वाली नौका पर सऊदी अरब के हमले का दावा

सना, एजेंसी। यमन के तट के पास एक नौका पर हमले की खबर को लेकर भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह पूरे मामले की जानकारी जुटा रहा है। बताया जा रहा है कि इस नौका पर तौर पर भारतीय नागरिक सवार थे। यमन में भारतीय दूतावास ने बताया कि



घटना के हालात और सही तथ्यों का पता लगाने के लिए अलग-अलग पक्षों से संपर्क किया गया है। कुछ अरब मीडिया संस्थानों ने गुरुवार को यमन के हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सरी के हवाले से दावा किया कि सऊदी अरब की सेना ने लाल सागर में यमन के तट के पास युकर द्वीप के नजदीक एक भारतीय नौका को निशाना बनाया।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने दावा किया कि नौका पर 14 भारतीय नागरिक सवार हैं और हूती लड़ाके उन्हें बचाने के लिए अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि घटना के बारे में आगे और जानकारी दी जाएगी। यमन में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'हम 22 अक्तूबर को यमन के तट के पास हुई घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस घटना के दौरान एक नौका पर भारतीय नागरिक सवार थे।' यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच तनाव बढ़ रहा है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं।

भारतीय दूतावास ने कहा, 'क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण फिलहाल घटना के बारे में सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं है। हमने घटना के हालात और तथ्यों का पता लगाने के लिए अलग-अलग पक्षों से संपर्क किया है। उम्मीद है कि विश्वसनीय जानकारी मिलते ही आगे की जानकारी साझा की जाएगी।' दूतावास ने भरोसा दिलाया था कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव मदद की जाएगी। इस बीच, बुधवार को सऊदी अरब में एक प्रमुख हवाई अड्डे और एक तेल क्षेत्र पर हुए दो अलग-अलग हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य भारतीय घायल हुए थे। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच भारतीय अधिकारी यमन के तट पर हुई घटना से जुड़े तथ्यों की पुष्टि करने और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप से छिटके अमेरिकी युवा: 84% नाखुश, 70 फीसदी का झुकाव डेमोक्रेट्स की ओर; मिडटर्म चुनाव से पहले बढ़ी चुनौती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के युवा मतदाताओं का झुकाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी से छिटककर डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर बढ़ रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना यूनिवर्सिटी के ताजा सर्वे के मुताबिक, 18 से 29 साल के 70% मतदाता खुद को डेमोक्रेट मानते हैं या इस पार्टी की ओर झुकाव रखते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले यह आंकड़ा 55% था। यानी दो साल में 15% अंक की वृद्धि दर्ज की गई है। सर्वे के मुताबिक, अब अपने क्षेत्र में कांग्रेस के चुनाव के लिए युवा मतदाता डेमोक्रेटिक उम्मीदवार को रिपब्लिकन उम्मीदवार के मुकाबले 44% अंकों की बढ़त दे रहे हैं। दो साल पहले अंतर सिर्फ 10 था। ट्रंप के कामकाज को लेकर युवाओं में नाराजगी भी सबसे ज्यादा है। केवल 16% युवा उनके राष्ट्रपति के रूप में कामकाज से संतुष्ट हैं, जबकि 79% ने असहमति जताई। ऐसा नहीं है कि युवाओं के दूर होने का संकेत किसी एक सर्वे से मिल रहा हो। तमाम अन्य सर्वे भी यही बताते हैं कि 2024 में ट्रंप को वोट देने वाले युवाओं में समर्थन में सबसे तेज गिरावट आई है। सीएनएन के मुताबिक डेमोक्रेट्स को युवाओं के बीच 31 अंकों की बढ़त हासिल है। येल यूथ पोल के मुताबिक, 68% युवा (18 से 22 वर्ष) ट्रंप की नीतियों से असंतुष्ट है। वहीं, 72% युवा (23 से 29 वर्ष) को उनका कामकाज नहीं भा रहा। युवाओं की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह अर्थव्यवस्था है। न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना यूनिवर्सिटी के सर्वे में 94% युवाओं ने आर्थिक हालात को खराब या औसत से कमजोर बताया। 86% ने अर्थव्यवस्था संभालने के ट्रंप के तरीके को नापसंद किया। दो साल पहले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को वोट देने वालों में से लगभग दो-तिहाई अब भी समर्थन करते हैं, लेकिन उनका समर्थन शुरुआत के 95% से गिरा है।

यूएन की साख पर भारत का सवाल: पी हरीश बोले- 80 साल पुरानी जंग के भरोसे कब तक चलेगी दुनिया; सुधार क्यों अटका

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था पर भारत ने सीधा सवाल उठाया है। भारत का कहना है कि 80 साल पहले हुए युद्ध में जीत के आधार पर आज भी कुछ देशों को सुरक्षा परिषद में विशेष अधिकार मिले हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि पुराने युद्ध की जीत किसी ऐसी सुरक्षा परिषद की वैधता की कमी को पूरा नहीं कर सकती, जिसमें दुनिया का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा परिषद में सुधार की बातचीत आगे बढ़ने में कुछ देश बाधा डाल रहे हैं।



पी. हरीश ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में करीब 25 लाख भारतीयों ने हिस्सा लिया था और लगभग 90 हजार भारतीय सैन्य सेवा के दौरान मारे गए थे। उन्होंने बंगाल के भीषण अकाल का जिक्र करते हुए कहा कि औपनिवेशिक युद्ध नीतियों के कारण 40 लाख से अधिक लोगों की जान गई थी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इन तथ्यों को नजरअंदाज करने या दबाने की कोशिश करते हैं। हरीश ने दावा किया कि मौजूदा सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता पर युद्ध के विजेता देशों का एकाधिकार है और इसकी व्यवस्था में उन लोगों की चिंताओं को जगह नहीं मिली, जिन्होंने इसकी कीमत चुकाई। पी हरीश ने कहा कि 1945 में विजेता देशों ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर में अपने लिए विशेष अधिकार शामिल किए थे। इन अधिकारों के जरिए कुछ देश बदलाव की प्रक्रिया को रोक सकते हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल सुरक्षा परिषद में सुधार की बातचीत को अनिश्चितकाल तक टालने के लिए नहीं होना चाहिए। भारत ने आरोप लगाया कि इटली के नेतृत्व वाला 'यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस' समूह सुधार पर बातचीत के लिए जरूरी मसौदे को स्वीकार करने से रोक रहा है। पाकिस्तान भी इस समूह का सदस्य है। भारत की आपत्ति है कि मसौदा तैयार करने से पहले ही आम सहमति की शर्त रखी जा रही है। हरीश ने कहा कि किसी भी बहुपक्षीय प्रक्रिया में बातचीत का मसौदा पहले तैयार किया जाता है, उसके बाद उस पर चर्चा आगे बढ़ती है। उन्होंने सवाल उठाया कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिए होने वाली अंतर-सरकारी वार्ता की प्रक्रिया दूसरी बहुपक्षीय वार्ताओं से अलग क्यों होनी चाहिए। भारत चाहता है कि सुधार प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए लिखित मसौदा तैयार हो और बातचीत की समयसीमा तथा दिशा स्पष्ट की जाए।

कौन हैं नेविल रॉय सिंघम, क्या भारत से लेकर फ्रांस तक में हो रहे प्रदर्शनों की आग में डाल रहे घी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी टेक कारोबारी नेविल रॉय सिंघम एक बार फिर कथित विदेशी प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय विरोध प्रदर्शनों से जुड़े नेटवर्क को लेकर चर्चा में हैं। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्ट में 100 से ज्यादा संगठनों का जिक्र है, जिनमें भारत में हुआ विरोध प्रदर्शन भी शामिल है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कौन हैं नेविल रॉय सिंघम? अभी चर्चा में क्यों हैं? भारत में पहले कब आया था सिंघम का नाम? इस बीच भाजपा क्या आरोप लगा रही है?

नेविल रॉय सिंघम आखिर कौन हैं?

नेविल रॉय सिंघम का जन्म 1954 में हुआ था। वह अमेरिका में जन्मे टेक कारोबारी हैं। उनके पिता आर्चीबाल्ड सिंघम कम्युनिस्ट विचारधारा से जुड़े प्रोफेसर थे। उन्होंने न्यूयॉर्क में राजनीति विज्ञान पढ़ाया था।

सिंघम सॉफ्टवेयर कंसल्टिंग कंपनी थॉटवर्क्स के संस्थापक और पूर्व चेयरमैन हैं। यह कंपनी दूसरी कंपनियों को सॉफ्टवेयर और तकनीक से जुड़ी सेवाएं देती है। उन्होंने 2001 से 2008 तक चीन की कंपनी हुआवेई के लिए रणनीतिक तकनीकी सलाहकार के रूप में काम किया था। 2017 में सिंघम ने थॉटवर्क्स को निजी इक्विटी फर्म एपैक्स पार्टनर्स को बेच दिया था। इस सौदे की कीमत 785 मिलियन डॉलर से अधिक बताई गई थी। कंपनी बेचने के बाद उनका नाम कई राजनीतिक, सामाजिक, शोध और मीडिया संगठनों को आर्थिक मदद देने के संदर्भ में सामने आया। सिंघम फिलहाल चीन के शंघाई में रहते हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल की पत्रकार असरा क्यू. नोमानी की रिपोर्ट में अमेरिका समेत 13 देशों में 101 संगठनों का जिक्र किया गया है। 20 अक्तूबर को प्रकाशित



इस रिपोर्ट में इन संगठनों पर यूरोप और अन्य देशों में प्रदर्शनों के आयोजन, समन्वय या प्रचार में भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है। भारत का नाम भी रिपोर्ट में शामिल है। आसान शब्दों में कहें तो यूरोप और भारत में हो रहे प्रदर्शनों में इन संगठनों की फंडिंग होने का शक जताया गया है। जिन संगठनों पर ये आरोप लगें हैं उनमें कई संगठन ऐसे हैं जिनका संबंध नेविल रॉय सिंघम से है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने 10 अप्रैल 2025 को 10 जनपथ में सिंघम से जुड़े संगठन प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि क्या एसआईआर विरोधी प्रदर्शनों के दौरान पार्टी का इस संगठन के साथ समन्वय था और उस समय दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी। उन्होंने राहुल गांधी की वियतनाम यात्रा को लेकर भी सवाल उठाए और पूछा कि क्या इसका नवंबर में प्रस्तावित प्रदर्शन से कोई संबंध है। भंडारी ने आरोप लगाया कि भारत में सड़क पर हिंसा और अराजकता के जरिए सत्ता परिवर्तन की कोशिश की जा रही है। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने भी एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें भारत में हो रहे प्रदर्शनों की फंडिंग पर सवाल उठाए गए। एक अन्य वीडियो में उन्होंने जॉर्ज सोरोस से जुड़े समूह पर इन प्रदर्शनों के पीछे होने का आरोप लगाया था। सिंघम का नाम भारत में पहले भी विदेशी फंडिंग से जुड़े विवाद में सामने आ चुका है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2023 में उनके वित्तीय नेटवर्क और वामपंथी विचारधारा से जुड़े संगठनों को आर्थिक मदद देने के बारे में जांच रिपोर्ट प्रकाशित की थी। रिपोर्ट में उनके नेटवर्क से जुड़े संगठनों और उनकी गतिविधियों पर सवाल उठाए गए थे। इसके बाद भारत में डिजिटल समाचार मंच न्यूजक्लिक को मिले विदेशी फंड और उसके इस्तेमाल को लेकर जांच हुई। न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और मानव संसाधन विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती को अक्तूबर 2023 में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मामले में विदेशी फंडिंग और चीन समर्थक नैरेटिव को बढ़ावा देने के आरोप लगाए गए थे।

के-ब्यूटी का काला सचः मृतकों की त्वचा से चमक रहे चेहरे, अब अमेरिका पहुंचेगा दक्षिण कोरिया का जादुई इंजेक्शन

सियोल/वाशिंगटन, एजेंसी। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि अमेरिका के सैन एंटोनियो जैसे किसी छोटे से शहर में निधन के बाद अंग/टिश्यू दान करने वाले किसी व्यक्ति की त्वचा हजारों मील दूर दक्षिण कोरिया की किसी हाई-टेक लैब में पहुंचकर चेहरे की झुर्रियां मिटाने वाले ब्यूटी इंजेक्शन में तब्दील हो जाएगी। दुनियाभर में के-ब्यूटी और स्किन बूस्टर' के नाम से मशहूर इस नए ब्यूटी ट्रेंड के पीछे का कड़वा सच यही है। अमेरिकी नागरिकों के मरने के बाद दान की गई त्वचा को दक्षिण कोरियाई बायोटेक कंपनियां प्रोसेस करके तरल इंजेक्शन्स में ढाल रही हैं, जिससे चेहरे तुरंत चमकदार और युवा बनने का दावा किया जाता है। दक्षिण कोरिया के सौंदर्य बाजार में इस साल स्किन-डेरिव्ड इंजेक्शन्स का कारोबार 75 मिलियन डॉलर यानी करीब 712 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और बायोएथिक्स विशेषज्ञ एना इल्टिस कहती हैं, जो लोग अपने परिजनों की मृत्यु के बाद शरीर के अंग या ऊतक दान करते हैं, उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं होता कि इस आड़ में कितना भारी पैसा एक हाथ से दूसरे हाथ में घूम रहा है। टिश्यू डोनेशन के नाम पर अरबों डॉलर का कारोबार चल रहा है। एलएंडसी बायो अब तक इस ब्यूटी इंजेक्शन की 7,00,000 से अधिक इकाइयां सिंगापुर, चीन, यूएई, पेरू और थाईलैंड जैसे देशों में बेच चुकी है। कंपनी अब चेहरे के दूसरे हिस्सों के लिए इंसान की चर्बी से बना नया फिलर भी बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कंपनी एलएंडसी बायो ने अब अमेरिका के साथ 60 मिलियन डॉलर (करीब 570 करोड़ रुपये) का पांच साल का करार किया है। इससे शवों की त्वचा से बना यह ब्यूटी प्रोडक्ट फिर अमेरिकी बाजार में बेचा जा सकेगा। दक्षिण कोरियाई बाजार में इस समय री2ओ नामक ब्रांड का एकतरफा दबदबा है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 60% से 70% है। एलएंडसी बायो ने इस साल की पहली छमाही में री2ओ की बदौलत करीब 17 मिलियन डॉलर से ज्यादा की बिक्री दर्ज की।

'रूस को रणनीतिक रूप से नहीं हरा सकते': रूसी राष्ट्रपति पुतिन की यूरोप को दो टूक संदेश; यूक्रेन पर क्या बोले

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोपीय देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि रूस के साथ युद्ध की तैयारी को लेकर डर फैलाना 'राजनीतिक विक्षिप्तता' है। उन्होंने दावा किया कि यूरोप रणनीतिक रूप से रूस को नहीं हरा सकता। पुतिन ने कहा कि यूरोपीय देश रूस से खतरे की बात करते हैं, लेकिन वे खुद भी रूस के साथ युद्ध नहीं चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि रूस की ऐसी कोई इच्छा नहीं है। पुतिन ने कहा कि पिछली सदियों में भी जिन लोगों ने रूस को हराने की कोशिश की, उन्हें आखिरकार यह समझ आया कि रूस से दोस्ती करना बेहतर है। उन्होंने यूरोपीय देशों के रूस से खतरे की आशंका जताने वाले बयानों पर सवाल उठाया।

रूस-यूक्रेन वार्ता पर क्या बोले? पुतिन ने कहा कि रूस, अमेरिका और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय बातचीत फिर शुरू करने पर सहमति बनी है। रूसी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक, इससे पहले पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया था कि बातचीत 10 नवंबर के बाद फिर शुरू होगी। पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत की पूरी कोशिश करेगा। पुतिन



ने यूक्रेन को 'भाईचारे वाला देश' बताते हुए दावा किया कि हालिया आनुवंशिक अध्ययनों से पता चलता है कि रूसी और यूक्रेनी वास्तव में एक ही लोग हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। हालांकि, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की सरकार पर हमला बोलते हुए पुतिन ने आरोप लगाया कि वह अपने नागरिकों को 'तोप का चारा' समझती है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेनी नागरिकों को सड़कों से उठाकर मोर्चे पर भेजा जा रहा है।

पुतिन का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को सेंट पीटर्सबर्ग में उनसे अहम बातचीत की। इसका उद्देश्य यूक्रेन युद्ध खत्म करने के प्रस्तावों को आगे बढ़ाना और व्यापक वार्ता का रास्ता तैयार करना था। इससे पहले विटकॉफ ने मंगलवार को नॉर्वे में जेलेंस्की से मुलाकात की थी। सीएनएन के मुताबिक, उस बैठक के बाद विटकॉफ ने कहा था कि ओस्लो में हुई 'उत्पादक' बातचीत के नतीजों की समीक्षा भी उनके एजेंडे में शामिल थी। रूस और यूक्रेन के बीच विवाद की जड़ें 2014 तक जाती हैं, जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया और पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में रूसी समर्थित अलगाववादियों तथा यूक्रेनी सेना के बीच संघर्ष शुरू हो गया। 24 फरवरी 2022 को रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर सैन्य हमला किया। इसके चार दिन बाद बेलारूस में दोनों देशों के बीच बातचीत शुरू हुई और 29 मार्च 2022 को तुर्किये के इस्तांबुल में भी वार्ता हुई, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण, यूक्रेन की तटस्थता और सुरक्षा गारंटी जैसे मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी।

संक्षिप्त समाचार

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं



खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, 'ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लो-ग्रेड राइट एडिक्टर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ईशान पर नजर रख रही है।' ईशान किशन का दूसरे टी20 से बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। भारतीय टीम ने पहले टी20 में 226 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया था। ईशान बेशक पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाए थे और 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हो गए थे। लेकिन वो जिस क्षमता के बल्लेबाज हैं, उस क्षमता की टीम इंडिया को इस सीरीज में जरूरत पड़ने वाली है। भारतीय टीम उम्मीद करेगी कि ईशान 27 अक्टूबर को खेले जाने वाले तीसरे टी20 से पहले फिट हो जाएं।

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रहीं सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला



लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूं। मेरा दिल शुक्रगुजार है। मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं जिंदगी भर संभालकर रखूंगी।' उन्होंने लिखा, 'मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ खड़े रहे, आपके कभी न खत्म होने वाले त्याग के लिए धन्यवाद। मेरे कोच, टीममेट्स और सपोर्ट स्टाफ को, मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करने और मेरे साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के लिए धन्यवाद।'

एशियन पैरा गेम्सः बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड और सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत

नागोया । जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तीर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एवरेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा।

थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था।

हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने पैरा आर्चरी मेन्स रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।



नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता

नागोया । भारत के नितेश कुमार और थुलसिमथी मुरुगेसन ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। भारतीय जोड़ी को फाइनल में इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओक्टिला और हिकमत रामदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 21-11 से दबदबा बनाया, लेकिन दूसरा गेम 19-21 से हार गई और फिर आखिरी गेम में 14-21 से हार गई। इससे पहले, थुलसिमथी मुरुगेसन ने विमेंस सिंगल्स एसयू5 फाइनल में चीन की यांग से 21-18, 21-11 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता था। नितेश ने



हमवतन प्रमोद भगत को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रमोद ने 2018 और 2022 एडिशन में गोल्ड जीता था। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुकाबला 21-18, 21-16 से नितेश के पक्ष में रहा। एक अन्य मैच में नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता। पैरा बैडमिंटन में, एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जो हाफ कोर्ट पर खेलते हैं, जबकि एसएल4 उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जिनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर होता है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों में कमी है, जबकि एसएच6 छोटे कद के एथलीटों के लिए है। भारत हांगझोऊ 2023 में अपने अब तक के सबसे अच्छे एशियन पैरा गेम्स कैंपेन के बाद आइची-नागोया पहुंचा है। भारतीय दल ने पिछले संस्करण में रिकॉर्ड 111 मेडल जीते थे, जिनमें 29 गोल्ड, 31 सिल्वर और 51 ब्रॉन्ज थे। रिपोर्ट लिखे जाने तक एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय दल 104 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 27 गोल्ड, 34 सिल्वर और 43 ब्रॉन्ज हैं। भारतीय दल फिलहाल चौथे नंबर पर है।

धर्मराज सोलैराज ने भारत को दिलाया एक और गोल्ड मेडल

लॉन्ग जंप में 7.15 मीटर की छलांग लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड

नागोया। भारत के धर्मराज सोलैराज ने गुरुवार को जापान के आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप (लंबी कूद) में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 7.15 मीटर की रिकॉर्ड-तोड़ छलांग लगाकर गोल्ड पर कब्जा जमाया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में टी44/टी62/टी64 के संयुक्त फाइनल में हिस्सा लेते हुए तमिलनाडु के 32 वर्षीय एथलीट ने अपने दूसरे प्रयास में यह निर्णायक छलांग लगाई। इसके साथ ही उन्होंने एक नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया और इस महाद्वीपीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह प्रदर्शन हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स 2023 में गोल्ड मेडल जीतने के बाद से सोलैराज के करियर में एक और अहम उपलब्धि है। इसके साथ ही उन्होंने 7.08 मीटर का अपना पिछला एशियाई रिकॉर्ड भी बेहतर कर



लिया, जो उन्होंने नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स 2025 चैंपियनशिप में बनाया था।

सोलैराज ने प्रतियोगिता की शुरुआत 6.88 मीटर की छलांग के साथ की और दूसरे राउंड में 7.15 मीटर की दूरी तय की। इसके बाद उन्होंने 6.82 मीटर और 6.85 मीटर की छलांग लगाई, जबकि उनके आखिरी दो प्रयास फाउल रहे। हालांकि, उनकी शुरुआती रिकॉर्ड-तोड़ छलांग ही खिताब जीतने के लिए काफी थी।

टी44 क्लासिफिकेशन में 6.34 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय करने वाले मलेशिया के एडी बर्नार्ड 740 रजा प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जापान के युमा तामाकी ने टी64 कैटेगरी में 6.89 मीटर की अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई और 726 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

श्रीलंका ने वनडे का दूसरा बड़ा लक्ष्य हासिल किया

इंग्लैंड को रोमांचक मैच में हराया; ब्रूक की पारी गई बेकार

रावलपिंडी । श्रीलंका ने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से त्रिकोणीय सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की मदद से 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए। जवाब में पवन रत्नायके, अविष्का फर्नांडो, दासुन शनाका और जनिथ लियानागे की दमदार पारी से श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट पर 430 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने इस तरह वनडे इतिहास का दूसरा बड़ा रन चेज किया।

श्रीलंका ने भारत को पीछे छोड़ा- श्रीलंका ने वनडे में सबसे बड़े रन चेज के मामले भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया है। भारत ने इसी साल वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मुकाबले में 406 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया था जो वनडे का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज था। लेकिन श्रीलंका ने इस मामले में भारत को पीछे छोड़ा और 50 ओवर के प्रारूप का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज कर लिया।



वनडे क्रिकेट के सबसे बड़े रन चेज

लक्ष्य	स्कोर	टीम	बनाम	स्थान	वर्ष
435	438/9	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	जोहानिसबर्ग	2006
430	430/8	श्रीलंका	इंग्लैंड	रावलपिंडी	2026
406	406/2	भारत	वेस्टइंडीज	गुवाहाटी	2026
375	374/9	नीदरलैंड	वेस्टइंडीज	हरारे	2023
372	372/6	दक्षिण अफ्रीका	ऑस्ट्रेलिया	डरबन	2016

श्रीलंका की दमदार बल्लेबाजी

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने कामिंदु मेंडिस और कुसल मेंडिस के विकेट जल्द गंवा दिए। इसके बाद अविष्का फर्नांडो और रत्नायके के बीच तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी हुई। फर्नांडो हालांकि, शतक पूरा करने से चूक गए और 97 रन बनाकर आउट हुए। फिर रत्नायके ने दासुन शनाका के साथ पारी आगे बढ़ाई और चौथे विकेट के लिए 133 रन जोड़े। इन दोनों साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज 'दोहरा शतक'

सिर्फ 114 गेंदों में रचा इतिहास



रावलपिंडी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे ट्राई-सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 'दोहरा शतक' लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद, ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था।

'हम अपनी गलती जानते हैं': हैरी ब्रूक

नई दिल्ली। पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, 'यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमें बहुत बढ़िया थीं। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।



सिलिकॉन वैली स्क्वैश

अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

रेडवुड सिटी । दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराने के एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई।

2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, 'मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं।'

अनाहत ने कहा, 'एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छा खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खेलूंगी, उसके खिलाफ मौका है। मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी।' स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं।' अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्क्वैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी।

ऋद्धिमान साहा: तेज गेंदबाज के तौर पर शुरू हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था। बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दिलचस्पी विकेटकीपिंग में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी थे, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित विकेटकीपर बल्लेबाज थे।



2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।